卐 卐

स्वस्तिकामृत

卐

स्वस्तिक

સ્વસ્તિક

SWASTIKA

हेमंतकुमार गजानन पाध्या

卐 स्वस्तिकानंद 卐

स्वस्तिकामृत





स्वस्तिक तेरी महिमा

गीत, भजन, काव्य और आरती रचना

कवि

श्री हेमंतकुमार गजानन पाध्या

'स्वस्तिकानंद'







उषा प्रकाशन



USHA PRAKASHAN

Swastika Sadan, United Kingdom

SacredSwastika@aol.com

प्रथम आवृत्ति

विक्रम संवत २०६७ ई.स.२०११

मूल्य : प्राप्ति स्थान : www.pothi.com

समर्पण

हमारे परम पूजनीय

पिताश्री स्वर्गस्थ गजानन ईच्छाराम पाध्या

और

मातुश्री स्व. लीलावतीबेन गजानन पाध्या को



विक्रम संवत १९७०-२०४४



विक्रम संवत १९७८-२०६५

पितृदेवताभ्यो नमः॥

प्रस्तावना

विश्वमें स्वस्तिक का प्रतिक ही एक ऐसा प्रतिक हैं जो अतिप्राचिन, पौराणिक, विश्वव्यापी, सर्वत्र और सर्वमान्य हैं । विश्वके हर खंडोमे स्वस्तिकके प्रतिकका अस्तित्व पौराणिक समयसे पाया गया हैं. मानव जातीका सर्वप्रथम प्रतिक स्वस्तिक दश हजार वर्षोंसेभीl पुराना हैं । पुरातन युगसे ही स्वस्तिकका प्रयोग हर संस्कृति, सभयता और धर्ममें होता आया हैं । विश्वकी हर मानवजातीने स्वस्तिक चिन्हको पुरातन कालसे ही एक आध्यात्मिक, शुभकारी, लाभकारी और पुण्यकारी प्रतिकके रूपमें उसे आदरणीय, सन्माननीय और पूजनीय माना हैं । स्वस्तिकका उपयोग एक शुभ प्रतिकके रूपमें हजारों वर्षोसें होता आया हैं । विश्वकी सर्वप्रथम मानव संस्क्रूति आर्यसंस्कृति और आर्यधर्म या सनातनधर्मसे लेकर मायन, यहुदी, एझटेक, इन्का, पेगन, ताओ, शींतो, क्रिश्चियन, इस्लाम जैसे अन्य धर्मों और विविध संस्कृतिओंने स्वस्तिक प्रतिकको अपनाके उनका प्रयोग धार्मिक चिन्ह, शुभकामना चिन्ह, लाभकारक चिन्ह, रक्षाप्रतिक या तो कलात्मक चिन्हके रूपमें सारे् जगतमें किया गया हैं । आज भी विश्वके अधिकांश लोग स्वस्तिक प्रतिकको धार्मिक, शुभ एवं मंगल प्रतिक मानते हैं और उनकी आदर और सन्मानसे पूजा और साधना करते हैं । स्वस्तिक विश्वका सर्वप्रथम सर्वोत्तम, धार्मिक और सर्वमाननीय प्रतिक होते हुऍ भी द्वितीय विश्वयुद्ध के पर्यंत ईस पवित्र, पावन और निष्कलंकित प्रतिकको कलंकित और दोशी ठहराया गया.

स्वस्तिक प्रतिकका दोश सिर्फ यही था कि जर्मनीके सत्ताधारी शाशक माईनफ्युह्रर एडॉल्फ हिटलरनॅ अपने शाशक नाझी पक्ष और अपनी सेनामें स्वस्तिक प्रतिकका प्रयोग किया था और ईस प्रतिककी छत्रछायामें यहुदी [ज्यु] और अन्य लोगों पर अमानवीय अत्याचार किये थे । ईस अत्याचारोंसे स्वस्तिकका कॉइ लेना देना या संबंध न था । शुभ, शांति और सदाचारका परतंत्र प्रतिक स्वस्तिक स्वयं ही जर्मन अत्याचारीओके ध्वजो पर स्थान प्राप्तिसे व्यथित और पिडीत होगा ! विश्वयुद्ध के पर्यंत विजयी अमेरीका और कुछ अन्य युरोपके देशोंने व्यवस्थित और सुनियोजीत रूपसे स्वस्तिक प्रतिकको ही

जवाबदार और कलंकित ठहराकर स्वस्तिक प्रतिकके विरुद्ध धृणा, तिरस्कार फैलानेके लिएँ एक अयोग्य, अव्यवहारिक और अवाहियात अभियान छेड दिया था। हजारों सालोंसे पुरे विश्वमें माना और पूजा गया ये शुभ, लाभ और शांतिके दूत स्वस्तिक प्रतिकको उन्होंने एक भयंकर, अत्याचारी, घातकी, खुनी और अमानवीय प्रतिकमें प्रदर्शित करके लोगोंका मानस परिवर्तन करनेका महाभ्यान शरू किया. मानवता, दया, करूणा और अनुकंपाके प्रतिकको मतप्रचार और शिक्षाके माध्यमसे एक भयंकर, दुष्ट, आतंकी, विनाशी, अत्याचारी और धृणात्मक प्रतिक ठहारानेके षड्यंत्रमें वो महद अंश सफल भी रहे । अमेरीकाने स्वस्तिक प्रतिकको सार्वजनिक स्थलों पर प्रदर्शीत करने और उपयोग करने पर रोक लगादी. अमेरीकन प्रशाशनने धाक धमकी और प्रलोभनसे अमरीकाके स्थायी रेड ईंन्डियनों जो स्वस्तिकको शुभ मानते थे उन्हें अपनी हस्तकलाओंमें स्वस्तिक प्रतिकका उपयोग बंध करने पर लाचार किया गया और जर्मनीको स्वस्तिकाके प्रतिक पर संपुर्ण प्रबंध लादने पर दबाव कीया गया. जान्युआरी २००५में ब्रिटनके राजकुंवर हेरीने एक समारंभमें नाझी स्वस्तिकाका बाजुबंध पहनने के बाद सारे युरोपमें स्वस्तिका पर प्रतिबंध लादनेका प्रयत्न हुआ जो अंतमें असफल रहा था ! जब दो वर्षके बाद जान्युआरी २००७ में जर्मनीको युरोपीयन धारासभाका प्रमुख पद प्राप्त हुआ तो उन्होने फिर स्वस्तिक पर संपूर्ण प्रतिबंध लादनेके लीए तजवीज की जिसका खास करके युरोपके और विश्वके हिंदु और चीनी, जापान कोरीया, थायलेन्ड जैसे पुवीय बौध धर्मीओंने और स्वस्तिक के चाहक युरोपके लोगोंने उसका सख्त विरोध किया था । यही प्रसंग मुझॅ हमारे परम पवित्र पावन और पूजनीय धार्मिक आर्य प्रतिकको बचानेके लीए और ये पौराणीक प्रतिकके सन्मानीय स्थान और उनकी गरीमाको उजागर करनेके लीए मेरे हृदयमें दिव्य भावनां उदभवित हुई । इसके फलस्वरूप मैंने युरोपमें स्वस्तिकके प्रतिबंध करानेकी ईस चालके विरोधमें अपना योगदान प्रदान करते हुए '' हेन्ड्झ ओफ आवर सेक्रेड स्वस्तिका '' शिर्षीत स्वस्तिकके विषय पर एक विस्तृत ले्ख प्रकाशीत करके अपना जोरदार विरोध प्रगट करके दुसरोंको सखत विरोध करनेकी प्रेरणा प्रदानकी ! ये लेख आईवार्ता.कोम,' सभा वार्ता' समाचारपत्र और विश्वके अन्य समाचरपत्रो और वेब्साईटों पर प्रकाशीत

हुआ और उसे अत्यंत प्रशंशा और प्रतिसाद प्राप्त हुआ. स्वस्तिकको विश्वमें पुनःसन्माननीय स्थान प्राप्त करवानेके लीए, स्वस्तिककी प्रतिभा, भव्यता, दिव्यता और आध्यात्मिक्ताको पुनःस्थापित करानेके संघर्षमें मैं अपना उचित योगदान प्रदान करनेके लीए हमेशा तत्पर रहता हुं और अन्य संस्थाओ जो स्वस्तिकको एक विश्वके अदभूत, मानवीय, आध्यात्मिक और शांतिके प्रतिकरूप मानती है ऐसी स्वस्तिका क्लब ओफ अमेरिका, फलुन डाफा और अन्य बौध संस्थाओंके संपर्कमें रहकर विचारोंका आदानप्रदान करता हुं ।

श्री स्वस्तिककी श्री गणेशजीके और श्री शक्तिके स्वरूपमें श्रद्धापुर्वक पूजन करनेकी बाल्यावस्थासे ही धार्मिक और पारिवारिक प्रणाली होनेसे स्वस्तिकके प्रति हमारी श्रद्धा और भक्ति अतुट और अपार रही हैं । परंतु युरोपमें स्वस्तिक पर प्रतिबंध लानेके प्रसंगसे स्वस्तिक विषय और प्रतिकके प्रति मेरी आस्था, श्रद्धा, समर्पण भावना और भक्ति ओर तीव्र हुई हैं और स्वस्तिककी महिमा, प्रशंशा और गुणगानके संबंधमें कुछ गीत, काव्य, भजन ईत्यादि लिखनेकी कोई अलौकीक दिव्य प्रेरणा भी प्राप्त हुई हैं । श्री स्वस्तिककी चमत्कारीक और आध्यात्मिक प्रेरणासे साकार हुई मेरी रचनाओंको एक पुस्तकके रूपमें प्रकाशित करते हुऍ मैं धन्यता अनुभव करता हुं | ईस हिंदी भाषी पुस्तकमें मैंने कुछ ईंग्लीश भाषामें लीखी हुई मेरी कविताऑकाभी समावेश ईस उदेश्यसे किया हैं की आज अंग्रेजी माध्यममें पढते और हिंदीसे अपरिचित युवान छात्रों को भी स्वस्तिक प्रतिकके बारेमें जाननेका और पढनेका अहोभाग्य प्राप्त हो । स्वस्तिक प्रतिकको समर्पित स्वस्तिक भक्तिभावनाकी ये मेरी '' स्वस्तिकामृत'' काव्य, भजन, धुन ईत्यादीकी रचना स्वस्तिक विषय पर काव्योंकी शायद विश्वमें सर्वप्रथम पुस्तक होनेकी संभावनां है । साहित्य और स्वस्तिक प्रेमीओंसे मैं नम्र अपेक्षा रखता हुं कि वो ईस पुस्तकका हार्दिक स्विकार करें । साहित्य और धर्म प्रेमीओंसे मेरी नम्र बिनंती हैं कि वो स्वस्तिककी महान महिमा और सर्वोच्च स्थानको विश्वमें प्रचारित और प्रसारित करनेमें अपना योगदान प्रदान करें और स्वस्तिक के प्रति फैलाई गई पश्चिमी धृणा को मिटानेके लिए पश्चिमके अबुध और अज्ञानी लोगों को और पश्चिमी विचारधाराके गुलाम भारतीय लोगोंको स्वस्तिकके सच्चे स्वरूप और महत्ताके बारेंमे उनको प्रशिक्षित

प्रदान करें । तदोपरांत हर आर्य या हिंदुको मेरी नम्र प्रार्थना हैं कि वो स्वस्तिक प्रतिकका सार्वजनिक उपयोग और प्रदर्शन गौरव और स्वाभिमानसे बिना संकोचसे करें और अन्य हिंदुओंको ऐसा करनेकी प्रेरणा प्रदान करें ।

अंतमें 'स्वस्तिकामृत'के मुद्रक पोथी.कोम और मुद्रणिक टेक्नोलोजि लिमिटेड का अत्यंत आभारी हुं क्युंकि उनके सहयोग और सहकारके बिना यह पुस्तकका प्रकाशन कदाचित सरलतासे शक्य और संभवित न हो पाता ।

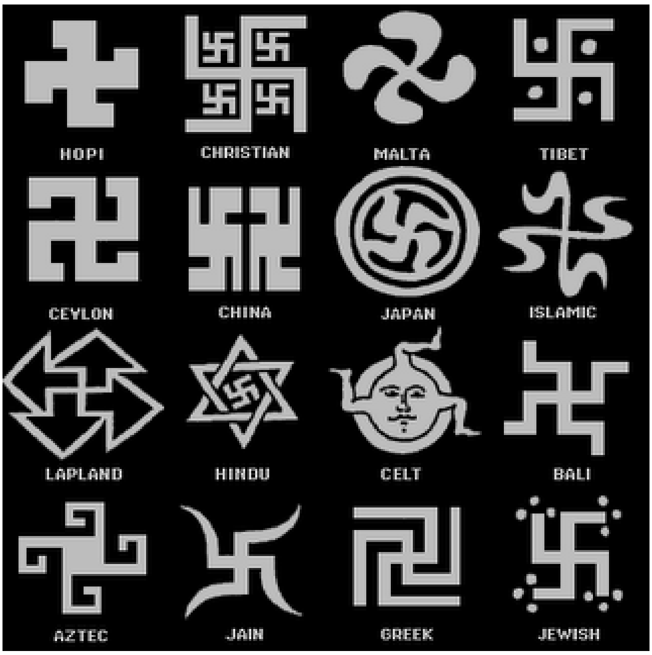
स्वस्तिककी जय हो ।

ॐ श्री स्वस्तिकाय नमः ।

चैत्र शुक्ल पक्ष एकादशी
विक्रम संवत २०६७
ई. सन. २०११

- हेमंतकुमार गजानन पाध्या
'स्वस्तिक सदन', ईंग्लंड
युनाईटेड किंग्डम

SacredSwastika@aol.com



स्वस्तिक तेरी महिमां

स्वस्तिक तेरी महिमां, यदी विश्वजन जो गायें ।

भक्ति भावसे पुजे तो,   पावन सभी हो जायें ।

....स्वस्तिक तेरी महिमां

स्वस्तिक भजन जो करले, उसे सुख चैन आ जायें ।

हर दुःख दूर हो जायें, हर कष्ट भी मीट जायें ।

....स्वस्तिक तेरी महिमां

स्वस्तिकको जो रटलें, तो कलह क्लेष कभी न आयें ।

जीवन पुरा ऊसीका, शांतिमें व्यतित हो जायें ।

....स्वस्तिक तेरी महिमां

स्वस्तिक स्मरण जो करलें, भौतिक सुख वो पायें ।

वैभव विलाश वो पाके, जीवन सागर वो तैर जायें ।

....स्वस्तिक तेरी महिमां

स्वस्तिक पाठ को जो पढले, महाज्ञानी वो हो जायें ।

अंधकारमें से उभरके, प्रकाशीत स्वयं हो जायें ।

....स्वस्तिक तेरी महिमां

स्वस्तिकको जो जपलें, परमानंद वोही पायें ।

ऐश्वर्यको वो पाकें, ब्रह्मलीन वो हो जायें ।

....स्वस्तिक तेरी महिमां

स्वस्तिक स्तुति जो करलें, वो संतोषको ही पायें ।

योगी महान वो बनके, महा मौक्षको भी पायें ।

....स्वस्तिक तेरी महिमां

xxxxxxx

स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम् जय जय बोलो स्वस्तिकम् ।

स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम् हर हर बोलो स्वस्तिकम् ।

स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम् हरी ॐ बोलो स्वस्तिकम् ।

स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम् श्री हरी बोलो स्वस्तिकम् ।

....सत्यम् शिवम् अति सुंदरम्

सत्यम् शिवम् अतिसुंदरम्, तुम ही तो हो ईश्वर स्वस्तिकम् ।
लाभम् शुभम् अति मंगलम्, तुम ही तो भाग्य कल्याणकम् ।
....सत्यम् शिवम् अतिसुंदरम्
तुम ही तो हो मेरी साधना, तुम ही तो हो मेरी आराधना ।
तुम ही तो हो मेरी पूजा, तुम ही तो हो मेरी अर्चना ।
....सत्यम् शिवम् अतिसुंदरम्
तुम ही तो हो मेरी प्रार्थना, तुम ही तो हो भक्ति मेरी ।
तुम ही तो हो मेरी आस्था, तुम ही तो हो शक्ति मेरी ।
....सत्यम् शिवम् अति सुंदरम्
तुम ही तो मेरा मंत्र हो, तुम ही तो मेरा यंत्र हो ।
तुम ही तो मेरा तंत्र हो, तुम ही तो मेरा योग हो ।
....सत्यम् शिवम् अति सुंदरम्
तुम ही तो मेरी मात हो, तुम ही तो मेरे तात हो ।
तुम ही तो मेरे हो स्वजन , तुमरे बीना नहीं कोई और हैं ।
....सत्यम् शिवम् अति सुंदरम्
तुम ही तो मेरे बंधु हो, तुम ही तो मेरे साथी हो ।
तुम ही तो मेरे मित्र हो, तुम ही तो मेरे सर्वस्व हो ।
....सत्यम् शिवम् अति सुंदरम्
तुम ही तो सर्जनहार हो , तुम ही तो पालनहार हो ।
तुम ही तो रक्षणहार हो, तुम ही तो महाचमत्कार हो ।
....सत्यम् शिवम् अति सुंदरम्
तुम ही तो सदा सर्वत्र हो, तुम ही तो सदा सर्वव्यापी हो ।
तुम ही तो सदा सर्वज्ञ हो, तुम ही तो परमात्माका रुप हो ।
....सत्यम् शिवम् अतिसुंदरम्
तुम ही तो हो मेरे देवता, तुम ही तो हो मेरी देवियां ।
तुम्हारे शरणमें खडा हुं मैं, मेरी नांव हैं तेरे हाथमें । ....सत्यम् शिवम्

पुरे विश्वमें हैं सर्वोत्तम

पुरे विश्वमें हैं सर्वोत्तम, स्वस्तिक प्रतिक हमारां ।
हम तो हैं साधक उनके, वो आराध्य हैं हमारां । ....पुरे विश्वमें
हर प्रतिकोंमें हैं सबसे उंचा, वो प्रथम चिन्ह हैं हमारां,
सारे विश्वमें हैं सदा वो छायां, विश्वजनोंको वो हैं प्यारां ! ....पुरे विश्वमें
सुंदर, सुमनोहर, नयनरम्य, शुभ चिन्ह हैं स्वस्तिकका ।
अदभूत, अद्वितीय, अलौकिक, लाभ आकार हैं हमारां । ....पुरे विश्वमें
आर्यधर्म संस्कार संस्कृतिका, स्वस्तिक तो हैं रखवालां ।
आर्य मुल्यों और परंपराका, स्वस्तिक तो हैं प्राणदाता । ....पुरे विश्वमें
युग युगसे अविचल खडां वो, गीरीराज हिमालय सा वो ।
आर्योंके रुधीमें सदा वो बहतां, जैसे सप्तसिंधुओंकी धारा । ....पुरे विश्वमें
परम पावन पवित्र हैं वो, शुभ लाभ मंगल प्रतिक हैं वो ।
शुभकामना और शुभाषिशका, प्राचीन प्रतिक हमारां । ....पुरे विश्वमें
वेद-शास्त्रोमें हैं वो गुंजता, स्वस्ति मंत्रका ये शुभ नारां ।
प्राणोंसे भी आर्योंको प्यारां, स्वस्तिक प्रतिक हैं न्यारां । ....पुरे विश्वमें
आर्य गौरव स्वाभिमानका, सदा झगमगता है वो तारा ।
आर्य भक्ति और अस्मिताका, धर्मध्वज सा प्रतिक हमारां । ....पुरे विश्वमें
देवालयोमें और उपाश्रयोमें, गुरुद्वारोंमें और बौध स्तुपोमें ।
हर घर गुफा और स्थलमें, हर मंदिरमें हैं स्थान तुम्हारां ।..........पुरे विश्वमें
सुख शांति समृद्धि प्रगतिका, विश्व राजदूत है वो हमारां ।
कृपा, दया करुणा अनुकम्पाका, वो प्रेरणा सुत्र है हमारां ।...........पुरे विश्वमें
आर्य योग, यंत्र, तंत्र और मंत्रका, चमत्कारीक रुप न्यारां ।
शक्ति, मुक्ति और भक्ति भावनांका, पुर्वाचीन प्रतिक हमारां ।..........पुरे विश्वमें
सर्वाकार हैं सभी आर्यदेवोंका, सर्वशक्ति रूप है श्रीदेवीओंका ।
हमतो पूजक हैं स्वस्तिकके, वो परम पूज्य प्रभु हमारां । ....पुरे विश्वमें

सुनो ओ पश्चिमवालों

सुनो ओ पश्चिमवालों तुम ये अधर्मका काम ना करो,
स्वस्तिका नाम कलंकित ना करो ||[२]
स्वस्तिकको समजो स्वस्तिकको पूजो,
अंधकारसे निकलो ओ अज्ञानों,
बांधलो श्री स्वस्तिकसे फिर नाता.. ||[२]
भ्रम ही तुटा तो स्वस्तिक ही जीता [२]
हरे स्वस्तिक हरे भगवान, स्वस्तिक तो हैं सर्वमहान..
रजनीतिके नाम पे वो दुष्काम ना करो,
स्वस्तिका नाम कलंकीत ना करो ||[२]
स्वस्तिकने सर्व सदा शुभ मंगल बनाया, ||[२]
तुमने उस पर किचड लगाया [२]
स्वस्तिकने तो शांतिपथ हैं दिखाया, ||[२]
तुमने उनपर ही धृणा दिखाई | ||[२]
हे राम दुहाई..हरे स्वस्तिक हरे भगवान्, तेरो तो हैं जगमें नाम |
स्वस्तिक नाम हैं कल्याणका उसे तिरस्कार ना करो,
स्वस्तिक नाम बदनाम ना करो [२]
सुनो ओ पश्चिमवालों तुम ये शुभ काम फिर करो,
स्वस्तिक प्रतिकको तुम प्रणाम ही करो | [२]
सुनो ओ पश्चिमवालों तुम ये....

[देखो ओ दिवानों तुम येकाम ना करो. हरे क्रिश्ना हरे राम]



स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक

स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक, हर स्थल पर है स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक, विश्वके हर कोनेमें है स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक
आर्यवर्तमें हैं स्वस्तिक, भारतमें भी हैं स्वस्तिक रे |
चीनमें हैं स्वस्तिक, जापानमें भी हैं स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक
रसीयामें हैं स्वस्तिक, अमेरिकामें भी हैं स्वस्तिक रे |
युरोपमें हैं स्वस्तिक, आफ्रिकामें भी हैं स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक हैं स्वस्तिक स्वस्तिक
कोरीयामें हैं स्वस्तिक, कम्पुचीयामें भी हैं स्वस्तिक रे |
वियेटनाममें हैं स्वस्तिक, ताईवानमें भी हैं स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक
पर्सीयामे हैं स्वस्तिक, अरबस्तानमें भी हैं स्वस्तिक रे |
केनेडामें हैं स्वस्तिक, पुरे विश्वमें हैं भी हैं स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक
पूर्वमें हैं स्वस्तिक, पश्चिममें भी हैं स्वस्तिक रे |
उत्तरमें हैं स्वस्तिक, दक्षीणमें भी हैं स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक
आर्योमें हैं स्वस्तिक, ग्रीकोंमें भी हैं स्वस्तिक रे |
रोमनोंमें हैं स्वस्तिक, वाईकिंगोमें भी हैं स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक
फोनिसियनोंमें हैं स्वस्तिक, केल्टिकोमें भी हैं स्वस्तिक रे |
ईजीप्सियनों हैं स्वस्तिक, कोप्टिकोमें भी हैं स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक
मायनोंमें हैं स्वस्तिक, एझटेकोंमें भी हैं स्वस्तिक रे |

परसियनोंमें हैं स्वस्तिक, हर संस्कृतिमें हैं स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक
मंदीरोंमें हैं स्वस्तिक, सिनागोगोंमें भी हैं स्वस्तिक रे |
चर्चोमें स्वस्तिक, मस्जिदोंमें भी हैं स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक हैं स्वस्तिक स्वस्तिक
उपाश्रयोंमें हैं स्वस्तिक, स्तुपपगोडेमें भी हैं स्वस्तिक रे |
गुफाओंमें हैं स्वस्तिक, हरकलाओंमें भी हैं स्वस्तिक रे |
हर धर्ममें हैं स्वस्तिक, हरसंस्कृतिमें भी हैं स्वस्तिक रे |
हर जातीमें हैं स्वस्तिक, हरपरंपरामें भी हैं स्वस्तिक रे ।
स्वस्तिक हैं स्वस्तिक स्वस्तिक
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक,सह अस्तित्वका प्रतिक हैं स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक, सह भातृत्वका चिन्ह हैं स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक, अहोभाग्यका नाम हैं स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक, शुभलाभका काम हैं स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक, जनकयाणका मार्ग हैं स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक, विश्वशांतिका मंत्र हैं स्वस्तिक रे ।
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक, मानवताका प्रतिक हैं स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक, पुरेजगमें न्यारा हैं स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक, गुणगाये जगजन तेरां स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक, प्राणोंसे प्यारां हैं तुं स्वस्तिक रे |
प्रेमसे बोलो, जय हो जय स्वस्तिक | लगनसे बोलो, जय हो जय स्वस्तिक |
श्रद्धासे बोलो, जय हो जय स्वस्तिक | भक्तिसे बोलो, जय हो जय स्वस्तिक |
हृदयसे बोलो, जय हो जय स्वस्तिक | मनसे बोलो, जय हो जय स्वस्तिक |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक, हर स्थल पर है स्वस्तिक रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक, विश्वके हरकोनेमें है स्वस्तिक रे |

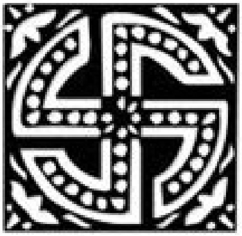


स्वस्तिक परम परमेश्वर नाम

स्वस्तिक परम परमेश्वर नाम, भजलो प्यारे स्वस्तिकका नाम |
स्वस्तिक हैं श्री शक्तिका नाम, भजलो प्यारे स्वस्तिकका नाम |
भले हो दिन या भले हो रात, भजलो प्यारे स्वस्तिकका नाम |
....स्वस्तिक परम परमेश्वर नाम
स्वस्तिक है वेदोंका वरदान, स्वस्तिक नाम हैं परब्रह्म समान |
स्वस्तिक है गीताजीका ज्ञान, स्वस्तिक हैं शीवशक्ति समान |
स्वस्तिक है जीवन और प्राण, स्वस्तिक हैं श्री गणेशका नाम |
....स्वस्तिक परम परमेश्वर नाम
स्वस्तिकका स्वरुप है अती सुंदर, स्वस्तिमंत्र हैं अती मनमोहक |
स्वस्तिकका चिन्ह है अती अनुपम, सृष्टीका प्रतिक हैं सर्व प्रथम |
स्वस्तिक अवलंबीत आकृति तमाम, भजलो प्यारे स्वस्तिकका नाम |
....स्वस्तिक परम परमेश्वर नाम
स्वस्ति कहो या स्वस्तिकाकार कहो, साथिया कहो या श्रीगणेश कहो |
स्वस्तिक कृपा हैं अती परंपार, स्वस्तिक ही खोलेगा सौभाग्यका द्वार |
स्वस्तिक तो है शुभ लाभका नाम, भजलो प्यारे स्वस्तिकका नाम |
....स्वस्तिक परम परमेश्वर नाम
हे मानव जन्म धरने वालों, धन्य जिवन तुम त्वरीत करदो |
संसारके सब बंधन तोडो, स्वस्तिकसे स्नेहका संबंध जोडो |
निश्चीत ही होगा तेरा कल्याण, भजलो प्यारे स्वस्तिकका नाम |
....स्वस्तिक परम परमेश्वर नाम
स्वस्तिक तो है महाप्रभुका नाम, स्वस्तिक हैं सच्चिदानंदका नाम |
स्वस्तिक स्मरण हैं अती अणमोल, ईस युगमें नहीं उनका कोई तोल |
स्वस्तिक मंत्र और तंत्र महान, भजलो प्यारे स्वस्तिकका नाम |
....स्वस्तिक परम परमेश्वर नाम

श्री स्वस्तिककी आरती

आरती चतुर्भुज श्री स्वस्तिककी, परम पुजित महा श्री गणेशकी ॥ टेक॥
अष्टांगी कुमकुम रंगीत साथियाकी, अष्टविनायक स्वस्तिक गणपतिकी ।
वक्रतुण्डेश्वर श्री महागणपतिकी, मत्सासुरके संव्हारककी ।
एकदन्तेश्वर श्री महागणपतिकी, मदासुरके संव्हारककी ।
....आरती चतुर्भुज श्री स्वस्तिककी
महोदरेश्वर श्री महा गणपतिकी, मोहासुरके उध्धारककी ।
गजाननेश्वर श्री महा गणपतिकी, लोभासुरके संव्हारककी ।
....आरती चतुर्भुज श्री स्वस्तिककी
लम्बोदरेश्वर श्री महा गणपतिकी, क्रोधासुरके संव्हारककी ।
विकटेश्वर श्री महा गणपतिकी, कमासुरके संव्हारककी ।
....आरती चतुर्भुज श्री स्वस्तिककी
विघ्नराजेश्वर श्री महा गणपतिकी, ममतासुरके पदभ्रष्टककी ।
धुम्रवर्णेश्वर श्री महा गणपतिकी, अहंतासुरके क्षमादायककी ।
....आरती चतुर्भुज श्री स्वस्तिककी
गौरी पुत्र महा श्री गणेशकी, शंकर सुत महा श्री गणेशकी ।
रिध्धिसिध्धि पति श्री गणेशकी, प्रथम पुजनिय श्री स्वस्तिककी ।
....आरती चतुर्भुज श्री स्वस्तिककी
सुख शान्तिदायक श्री गणेशकी, शुभ मंगलकर्ता श्री गणेशकी ।
लाभ कल्याणकर्ता श्री गणेशकी, श्री अष्टविनायकस्वरुप स्वस्तिककी ।
....आरती चतुर्भुज श्री स्वस्तिककी



धुन : भजले भजले भजले मनवा

भजले भजले भजले रे मनवा तुं, भजले स्वस्तिकका नाम रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, करनेको आत्माका कल्याण रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, भजले स्वस्तिकका नाम रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, करनेको शुभ काम रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, भजले स्वस्तिकका नाम रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं करनेको मंगल काम रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, भजले स्वस्तिकका नाम रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, करनेको मंगल काम रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, भजले स्वस्तिकका नाम रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, पानेको धन लाभ रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, भजले स्वस्तिकका नाम रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, पानेको चीत चैन रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, भजले स्वस्तिकका नाम रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, पानेको सुख शान्ति रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, भजले स्वस्तिकका नाम रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, पानेको परम आनंद रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, भजले स्वस्तिकका नाम रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, करनेको पूण्यके काम रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, भजले स्वस्तिकका नाम रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, पानेको सर्व सन्मान रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, भजले स्वस्तिकका नाम रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, पानेको परम ज्ञान रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, भजले स्वस्तिकका नाम रे |
भजले भजले भजले रे मनवा तुं, पानेको प्रभुका धाम रे |

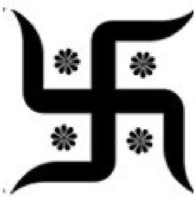
जगपति स्वस्तिक तेरो नाम

[राग : रघुपति राघव राजा राम]

जगपति स्वस्तिक तेरो नाम, सबका तुम करदो कल्याण |
स्वस्तिक नाम जय स्वस्तिक नाम, भज प्यारे तुम स्वस्तिक नाम |
....जगपति स्वस्तिक तेरो नाम
पूजन करुं मैं सुबह और शाम, कष्ट हरो हे मेरे भगवान |
रटण करुं मैं स्वस्तिक शुभनाम, शुभ आषिश दो हमें हे भगवान |
....जगपति स्वस्तिक तेरो नाम
लेते हैं हर पल हम तेरो नाम, पार लगादो मेरे हर काम |
दूर करो मेरे मनका भार, दुःख हरो मेरे तुम तत्काल |
....जगपति स्वस्तिक तेरो नाम
स्वस्तिक हैं परम पिताका नाम, जपले साधो तुम स्वस्तिक नाम |
स्वस्तिक हैं परम माताका नाम, पालो श्री शक्तिका महा वरदान |
....जगपति स्वस्तिक तेरो नाम
विश्वविनायक है स्वस्तिक नाम, दूर करे वो तेरो विघ्न तमाम |
जय श्री गणेश है स्वस्तिक नाम, दूर करे वो तेरो संकट तमाम |
....जगपति स्वस्तिक तेरो नाम
भक्ति भावसे भजो स्वस्तिक नाम, वो ही करेगा मंगलमय काम |
भजले भजले स्वस्तिकका नाम, पानेको महा मुक्तिका धाम |
....जगपति स्वस्तिक तेरो नाम
करुं शाष्टांगवत् तोहे मैं प्रणाम, करुं वंदन स्वस्तिकको वारंवार |
सुनलो बिनती हो मेरे महाप्राण, तारो हमें ईस भवसे भगवान |
....जगपति स्वस्तिक तेरो नाम

स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक

स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक, नमो नमो नमो हरी ॐ स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक श्री ॐ स्वस्तिक, नमो नमो नमो श्री ॐ स्वस्तिक ।
.............स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक
शुभ लाभ कर्ता हैं स्वस्तिक, आनंद सुमंगल करता हैं स्वस्तिक ।
मनोरथ पूर्ण करता हैं स्वस्तिक, मनोकामना पूरी करता हैं स्वस्तिक ।
.............स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक
सुख शांति देता हैं स्वस्तिक, धन धान्य देता हैं स्वस्तिक ।
वैभव विकाश देता हैं स्वस्तिक, रिद्धि सिद्धि देता हैं स्वस्तिक ।
.............स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक
सौभाग्य सुस्वास्थ्य देता हैं स्वस्तिक, शक्ति सामर्थ्य देता हैं स्वस्तिक ।
वृद्धि समृद्धि देता हैं स्वस्तिक, बल बुद्धि देता हैं स्वस्तिक ।
.............स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक
सौभाग्य सुस्वास्थ्य देता हैं स्वस्तिक, शक्ति सामर्थ्य देता हैं स्वस्तिक ।
वृद्धि समृद्धि देता हैं स्वस्तिक, बल बुद्धि देता हैं स्वस्तिक ।
.............स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक
दुख दमन हर्ता हैं स्वस्तिक, तुष्टि पुष्टि कर्ता हैं स्वस्तिक ।
दरिद्र कष्ट मिटाता हैं स्वस्तिक, आधि व्याधि मिटाता हैं स्वस्तिक ।
.............स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक
शुभ आशिष देता हैं स्वस्तिक, शुभ वरदान देता हैं स्वस्तिक ।
शुभ कामना कर्ता हैं स्वस्तिक, सर्व सदा मंगल कर्ता हैं स्वस्तिक ।
.............स्वस्तिक स्वस्तिक हरी ॐ स्वस्तिक



स्वस्तिक नाम हैं सर्व महान

स्वस्तिक नाम हैं सर्व महान, करो जगजन उनका सन्मान ।
स्वस्तिक नाम जय स्वस्तिक नाम, गर्वसे लो सौ स्वस्तिक नाम ।
....स्वस्तिक नाम हैं सर्व महान
स्वस्तिक हैं जनकल्याणका नाम, स्वस्तिक हैं जनसेवाका नाम ।
स्वस्तिक हैं जीवदयाका नाम, स्वस्तिक हैं जीवकरुणाका नाम ।
....स्वस्तिक नाम हैं सर्व महान
स्वस्तिक हैं सदाचारका नाम, स्वस्तिक हैं सदव्यवहारका नाम ।
स्वस्तिक हैं सदगुणका नाम, स्वस्तिक हैं सदभावका नाम ।
....स्वस्तिक नाम हैं सर्व महान
स्वस्तिक हैं एकताका नाम, स्वस्तिक हैं समानताका नाम ।
स्वस्तिक हैं आत्मीयताका नाम, स्वस्तिक हैं अनुकम्पाका नाम ।
....स्वस्तिक नाम हैं सर्व महान
स्वस्तिक हैं सुसंस्कारका नाम, स्वस्तिक हैं सदचारित्र्यका नाम ।
स्वस्तिक हैं सुशीलताका नाम, स्वस्तिक हैं सुलक्षणताका नाम ।
...स्वस्तिक नाम हैं सर्व महान
स्वस्तिक हैं परमात्माका नाम, स्वस्तिक हैं परमेश्वरका नाम ।
स्वस्तिक हैं परमलोकका धाम, स्वस्तिक हैं प्रथम प्रतिक महान ।
....स्वस्तिक नाम हैं सर्व महान
स्वस्तिक हैं शुभलाभका नाम, स्वस्तिक हैं सर्वमंगलका नाम ।
स्वस्तिक हैं सौभाग्यका नाम, स्वस्तिक हैं भाग्योदयका नाम ।
....स्वस्तिक नाम हैं सर्व महान
स्वस्तिक हैं परमात्माका नाम, स्वस्तिक हैं परमानंदका नाम ।
स्वस्तिक हैं परमलोकका धाम, स्वस्तिक हैं एक प्रतिक महान ।
....स्वस्तिक नाम हैं सर्व महान
स्वस्तिक तो हैं धर्मका नाम, स्वस्तिक तो हैं सत्कर्मका नाम ।

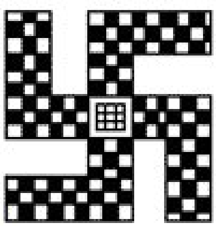
स्वस्तिक तो हैं मानवताका नाम, जगजन करो अब आदर सन्मान ।
....स्वस्तिक नाम हैं सर्व महान
स्वस्तिक हैं विश्वबंधुत्वका नाम, स्वस्तिक हैं विश्वविकाशका नाम ।
स्वस्तिक हैं विश्वप्रगतिका धाम, स्वस्तिक हैं विश्वशातिका नाम ।
....स्वस्तिक नाम हैं सर्व महान
स्वस्तिक हैं आर्यओंका अभिमान, स्वस्तिक हैं आर्योंका स्वाभिमान ।
स्वस्तिक हैं महाप्रभुका नाम, जगजन सौ करो तुम उसे प्रणाम ।
....स्वस्तिक नाम हैं सर्व महान

हे बोलो जय जय जय श्री स्वस्तिकजीकी

हे बोलो, जय जय जय श्री स्वस्तिकजीकी, हे बोलो जय जय जय श्री गणेशजीकी।
श्री स्वस्तिकजीकी हे श्री गणेशजीकी , हे बोलो जय जय जय श्री पावन प्रतिककी।
....हे बोलो जय जय जय श्री स्वस्तिकजीकी
सुखकर्ता दुःखहर्ता स्वस्तिककी, शुभकर्ता विघ्नहर्ता स्वस्तिककी ।
कृपाकर्ता कष्टहर्ता स्वस्तिककी, प्रेमकर्ता दयाकर्ता स्वस्तिककी ।
....हे बोलो जय जय जय श्री स्वस्तिकजीकी
रिद्धिकर्ता सिद्धिकर्ता स्वस्तिककी, वृद्धिकर्ता समृद्धिकर्तां स्वस्तिककी ।
तुष्टीकर्ता पुष्टीकर्तां स्वस्तिककी, शांतिकर्ता संतोषकर्तां स्वस्तिककी ।
....हे बोलो जय जय जय श्री स्वस्तिकजीकी
द्विधा दरिद्र हर्तां स्वस्तिककी, आपत्ति विपत्तिहर्तां स्वस्तिककी ।
संतती सम्पत्ति देतां स्वस्तिककी, यश किर्ती देतां स्वस्तिककी ।
....हे बोलो जय जय जय श्री स्वस्तिकजीकी
आरोग्य ऐश्वर्य अर्पतां स्वस्तिककी, आध्यात्म आनंद अर्पतां स्वस्तिककी ।
भक्ति शक्ति देतां स्वस्तिककी, मौक्ष मुक्ति देतां स्वस्तिककी ।
....हे बोलो जय जय जय श्री स्वस्तिकजीकी
प्रथम पूजित महा परमेश्वरकी, ईच्छीत वर देतां स्वस्तिककी ।
मंगल मूर्ती स्वरुप श्री गणेशकी, शुभ लाभ कर्ता श्री स्वस्तिककी । ....हे बोलो जय

जीवनके घोर अंधकार मिटाने

जीवनके घोर अंधकार मिटाने, श्री स्वस्तिक नाम तुं रटतो जा ।
जीवनका शुभ कल्याण करने, श्री स्वस्तिक नाम तुं जपतो जा ।
....जीवनके घोर अंधकार मिटाने
कोई नहीं हैं अपना ईस जगमें, व्यर्थ समय तुं न करतो जा ।
मोह माया ममताको त्यागके, श्री स्वस्तिकसे प्रेम तुं करतो जा ।
....जीवनके घोर अंधकार मिटाने
अकेलो ही आयो हैं ईस जगमें, अकेलो ही तु एकदिन चला जायेगा ।
संसारी सुख आनंद क्षणीक   हैं, स्वस्तिकका परमानंद तुं लेतो जा ।
....जीवनके घोर अंधकार मिटाने
संसारी प्रेम सभी जुठे हैं, प्रभुसे प्रेम तुं करतो जा ।
भौतिक सुख भोगोंको छोडके, स्वस्तिक भजन तुं करतो जा ।
....जीवनके घोर अंधकार मिटाने
वैभव विलाश सभी भोगको छोडके, हर दिन सत्संग तुं करतो ।
संसारके सर्व संबंधोंको तोडके, स्वस्तिकसे नाता तुं करतो जा ।
....जीवनके घोर अंधकार मिटाने
लोभ स्वार्थ लालचको छोडके, दया दान तुं करतो जा. ।
प्राणी पशु पंखीकी सेवा करते, सदा सत्कर्म तुं करतो जा ।
....जीवनके घोर अंधकार मिटाने
जीवन सुख तो मृगजल हैं, ऊसके पीछे न तुं दौड लगा ।
आध्यात्मिक सुख तुं पानेको, स्वस्तिक पूजन तुं करतो जा ।
....जीवनके घोर अंधकार मिटाने



आरती किजिये श्री स्वस्तिक प्रतिककी

आरती किजिये श्री स्वस्तिक प्रतिककी, शुभ मंगल पवित्र प्रतिककी ।
आरती किजिये श्री गणेश प्रतिककी, परम पिता प्रभु परमेश्वरकी।
....आरती किजिये श्री स्वस्तिक प्रतिककी
जैन प्रतिककी बौध प्रतिककी, ताओ प्रतिककी शींतो प्रतिककी ।
आर्य धर्मके महान प्रतिककी, सर्व सम्प्रदायोंके प्राण प्रतिककी ।
....आरती किजिये श्री स्वस्तिक प्रतिककी
भव्य प्रतिककी दिव्य प्रतिककी, चमत्कारी प्रतिककी अगत्य प्रतिककी ।
अदभूत प्रतिककी अमुल्य प्रतिककी, अलौकिक प्रतिककी अजोड प्रतिककी |
....आरती किजिये श्री स्वस्तिक प्रतिककी
अविचल प्रतिककी अनंत प्रतिककी, अमुल्य प्रतिककी अनादि प्रतिककी ।
अपूर्व प्रतिककी अतुल्य प्रतिककी, अमर प्रतिककी आराध्य प्रतिककी ।
....आरती किजिये श्री स्वस्तिक प्रतिककी
शुभ प्रतिककी लाभ प्रतिककी, मंगल प्रतिककी अदर्श प्रतिककी ।
सुंदर प्रतिककी शुशोभित प्रतिककी, सुमनोहर प्रतिककी सौम्य प्रतिककी ।
....आरती किजिये श्री स्वस्तिक प्रतिककी
धर्म प्रतिककी कर्म प्रतिककी, अर्थ प्रतिककी काम प्रतिककी ।
भक्ति प्रतिककी मुक्ति प्रतिककी, सत्य प्रतिककी शीव प्रतिककी ।
....आरती किजिये श्री स्वस्तिक प्रतिककी
देव प्रतिककी देवी प्रतिककी, श्री गणेश प्रतिककी हरी ॐ प्रतिककी ।
नर प्रतिककी नारी प्रतिककी, परमेश्वर प्रतिककी परमेश्वरी प्रतिककी ।
....आरती किजिये श्री स्वस्तिक प्रतिककी
विश्व प्रचलित महाविश्वेश्वरकी, विश्वपूजीत महाप्रतिक स्वस्तिककी ।
विश्वकल्याणके अरुणोदय प्रतिककी, विश्वशांतिके महादूत स्वस्तिककी ।....आरती



मंगल शुभ कर्ता स्वस्तिक हैं |

मंगल शुभ कर्ता स्वस्तिक हैं, संपत्ति सुख देता स्वस्तिक हैं |
दुःख दरीद्र हर्ता स्वस्तिक हैं, विकट विघ्न हर्ता स्वस्तिक हैं |........मंगल शुभ
बाधा बंधन हर्ता स्वस्तिक हैं , कलह क्लेष हर्ता स्वस्तिक हैं |
मोह माया हर्ता स्वस्तिक हैं. राग द्वेष हर्ता स्वस्तिक हैं | ....मंगल शुभ
संतति धन देता स्वस्तिक हैं, वैभव मान देता स्वस्तिक हैं |
पालन पोषण कर्ता स्वस्तिक हैं, रक्षक तारणहारा स्वस्तिक हैं |.....मंगल शुभ
पोषण पालन कर्ता स्वस्तिक हैं, रक्षक तारणहारा स्वस्तिक हैं |
पालन पोषण कर्ता स्वस्तिक हैं, रक्षक तारणहारा स्वस्तिक हैं |......मंगल शुभ
प्रेम परमार्थ कर्ता स्वस्तिक हैं, आनंद शांति कर्ता स्वस्तिक हैं |
पूण्य पवित्र कर्ता स्वस्तिक हैं, सर्व कल्याण कर्ता स्वस्तिक हैं |....मंगल शुभ
साधकको शक्ति देता स्वस्तिक हैं, पूजकको पुण्य देता स्वस्तिक हैं।
भक्तोंकी भीड हर्ता स्वस्तिक हैं, भक्तोंको स्वर्ग देता स्वस्तिक हैं |...मंगल शुभ

श्लोक

त्वमेव अग्नि च सुर्य त्वमेव

त्वमेव अग्नि च सुर्य त्वमेव, त्वमेव वायु च वरुण त्वमेव |
त्वमेव रुद्र च कुबेर त्वमेव, त्वमेव ईंद्र च बृहस्पति त्वमेव |
त्वमेव सोम च यम त्वमेव, त्वमेव मित्र च पुरुष त्वमेव |
त्वमेव उषा च अश्विन त्वमेव, त्वमेव रती च सरस्वती त्वमेव |
त्वमेव वसु च आदित्य त्वमेव, त्वमेव भग च मरुत त्वमेव |
त्वमेव र्हीभु च प्रजन्य त्वमेव, त्वमेव मन्यु च कपिंजल त्वमेव |
त्वमेव भौम च व्योम त्वमेव, त्वमेव पसन च दधीक्रवण त्वमेव |
त्वमेव रत च सावित्र त्वमेव, त्वमेव वशिष्ट च विश्वदेव त्वमेव |
त्वमेव सर्वम् वेदिक देवदेव, स्वस्तिकरुपम् सर्वदेव त्वमेव |
त्वमेव स्वस्तिक गणेश त्वमेव, त्वमेव सर्वम् मम देव देवो |

कृपा करो हे कृपा करो

कृपा करो हे कृपा करो, हे स्वस्तिक हम पर कृपा करो ।
दया करो हे दया करो, हे स्वस्तिक हम पर दया करो ।
शुभमंगल करो, शुभमंगल करो, हमरे जीवनको धन्य करो ।
कल्याण करो कल्याण करो, हम भक्तोंका कल्याण करो ।
....कृपा करो हे कृपा करो
हमतो संसारी छल कपटी हैं, महा पापी और प्रपंची हैं ।
प्रभु नाममें हमें अब लीन करो, हर दोष हमारा दूर करो ।
....कृपा करो हे कृपा करो
हमतो कामी और लंपट हैं, दुराचारी और कुलक्षणी हैं ।
भक्तिमें हमें अब तल्लीन करो, आध्यात्म मार्ग सुचीत करो ।
....कृपा करो हे कृपा करो
हमतो भोगी और विलाशी हैं, व्यभीचारी और विकारी हैं ।
ईस नर्कसे हमें अब मुक्त करो, ईस संसारसे हमें विरक्त करो ।
....कृपा करो हे कृपा करो
हमतो द्वेशी और ईर्षालु हैं, महाक्रोधी और घमंडी हैं ।
हर कुटेवोंसे हमें अब मुक्त करो, हमरे जीवनको यथार्थ करो ।
....कृपा करो हे कृपा करो
हमतो अधर्मी और अश्रद्धालु हैं, महाघातकी और कुकर्मी हैं ।
धर्म ज्ञानका हमें उपदेश करो, प्रभु ध्यानमें हमें अब मग्न करो ।
....कृपा करो हे कृपा करो
हम तो तेरे शरणमें आये हैं, अब तुमही हमरा उद्धार करो ।
हमरे दुर्गुणका संहार करो, हमें मानवताका वरदान भी दो ।
....कृपा करो हे कृपा करो
हे स्वस्तिक हम पर कृपा करो, हर अपराध हमारे क्षमा करो ।
हे स्वस्तिक हम पर दया करो, हम भक्तोंका बेडापार करो ।....कृपा करो हे

श्री स्वस्तिक तो हैं प्रभुका नाम

श्री स्वस्तिक तो हैं प्रभुका नाम, भज प्यारे तुं स्वस्तिक नाम ।
स्वस्तिक नाम जय स्वस्तिक नाम, जप प्यारे तुं स्वस्तिक नाम ।
....श्री स्वस्तिक तो हैं प्रभुका नाम
श्री स्वस्तिक तो हैं ब्रह्माजीका नाम, श्री स्वस्तिक तो हैं ब्रह्मास्त्रका नाम ।
श्री स्वस्तिक तो हैं विष्णुजीका नाम, श्री स्वस्तिक तो हैं सुदर्शनका नाम ।
....श्री स्वस्तिक तो हैं प्रभुका नाम
श्री स्वस्तिक तो हैं महेशजीका नाम, श्री स्वस्तिक तो हैं त्रिशुलका नाम ।
श्री स्वस्तिक तो हैं त्रिदेवोंका नाम, त्रिभुवनका हैं सर्व प्रथम प्रतिकका नाम ।
....श्री स्वस्तिक तो हैं प्रभुका नाम
श्री स्वस्तिक तो हैं सरस्वतीजीका नाम, श्री स्वस्तिक तो हैं वाणीविद्याका नाम
श्री स्वस्तिक तो हैं लक्ष्मीजीका नाम, श्री स्वस्तिक तो हैं धन वैभवका नाम ।
....श्री स्वस्तिक तो हैं प्रभुका नाम
श्री स्वस्तिक तो हैं पार्वतीजीका नाम, श्री स्वस्तिक तो हैं महा शक्तिका नाम ।
श्री स्वस्तिक तो हैं त्रिदेवीओंका नाम, दिव्य नारीशक्तिका हैं ये अदभूत नाम ।
....श्री स्वस्तिक तो हैं प्रभुका नाम
श्री स्वस्तिक तो हैं गणेशजीका नाम, श्री स्वस्तिक तो हैं शुभ लाभका नाम ।
श्री स्वस्तिक तो हैं रिद्धिसिद्धिका नाम, विश्वजनोंका करे वो सर्वसदा कल्याण ।
....श्री स्वस्तिक तो हैं प्रभुका नाम
श्री स्वस्तिक तो हैं रामका नाम, श्री स्वस्तिक तो हैं मर्यादापुरुषोत्तमका नाम ।
श्री स्वस्तिक तो हैं सीताजीका नाम,आर्यनारीके सतीत्वका हैं अणमोल प्रमाण ।
....श्री स्वस्तिक तो हैं प्रभुका नाम
श्री स्वस्तिक तो हैं श्रीकृष्णका नाम, मुरलीधर मनोहर मुरारी श्याम ।
श्री स्वस्तिक तो हैं राधाजीका नाम, निर्मल निर्मोही नटखट प्रेमका नाम ।
....श्री स्वस्तिक तो हैं प्रभुका नाम
श्री स्वस्तिक तो हैं महा प्रतिकका नाम, पावन पवित्र परमेश्वरका नाम ।
श्री स्वस्तिक तो हैं जगमें सर्वमहान, विश्वजनों करे उसे कोटी कोटी प्रणाम ।

हरि ॐ स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक

हरि ॐ स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक, कृपा करो हे हरि ॐ स्वस्तिक |
हरि ॐ स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक, दया करो हे हरि ॐ स्वस्तिक |
....हरि ॐ स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक
पापी प्रपंची और लोभी मैं कामी, कृर कपटी और क्रोधी मैं कलही |
प्रमादी अभिमानी मैं अहंकारी, सदगुण सम्पन्न करदे मोहे स्वामी ।
....हरि ॐ स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक
निर्लजी लंपटी और मैं आलसी, निर्गुणी अपलक्षणी और मैं अविवेकी ।
अधर्मी अपराधि और मैं दुष्कर्मी, सदधर्मका मार्ग दिखादे मोहे स्वामी ।
....हरि ॐ स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक
स्वार्थी असंयमी और मैं अविश्वाशी, पाशवी निर्दयी और मैं आसुरी ।
अज्ञानी अबोधी और मैं अहंभावी, ज्ञानकी गंगा बहादे मेरे स्वामी ।
....हरि ॐ स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक
रोगी भोगी दुखी और मैं अभागी, निर्बली लाचारी और मै निरसहायी ।
निर्धनी निराश्रयी और मै निराधारी । शुभ कल्याण मंगल करदो मेरे स्वमी ।
....हरि ॐ स्वस्तिक हरि ॐ स्वस्तिक

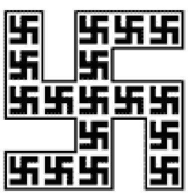


करो कल्याण स्वस्तिक तुम जगका

करो कल्याण स्वस्तिक तुम जगका, करो मंगल शुभ स्वस्तिक तुम सबका ।
जड चेतनका पशु पंखीका, भूचर खगचर गोचर एवं जलचरका ।
.... करो कल्याण स्वस्तिक तुम जगका
जगमें प्रेम सुधा बरसाके, राग द्वेष तिरस्कार मिटाके ।
जगमें अमृत धारा बहलाके, हर जीवमें सदभाव जगाके ।
.... करो कल्याण स्वस्तिक तुम जगका
जगमें स्नेह सुधा बरसाके, विश्वजनोंको निकटतम लाके ।
समानताकी लहरें उठाके, उंचनीच रंगके भेद मिटाके ।
.... करो कल्याण स्वस्तिक तुम जगका
जगमें सुख समृद्धि लाके, भुख तरस और रोग मिटाके ।
भौतिकताके भ्रमको हटाके, आध्यात्मिकताकी धुंणी धखाके ।
.... करो कल्याण स्वस्तिक तुम जगका
जगमें ज्ञानकी गंगा बहाके, हर मानवको ज्ञानी बनाके ।
जगमें भक्ति सुधा बरसाके, हर जनको प्रभुमय तुम बनाके ।
.... करो कल्याण स्वस्तिक तुम जगका
जगमें धर्मकी ज्योति जलाके, प्रभुनामकी धुन लगाके ।
जगमें सत्यकी श्रद्धा बढाके, विश्वमें धर्मका राज चलाके ।
.... करो कल्याण स्वस्तिक तुम जगका
जगमें आर्य धर्मको फैलाके, विश्वजनोंको आर्य बनाके ।
जगके आतंकीओंको मिटाके, विश्वको शांतिमय तुम बनाके ।
.... करो कल्याण स्वस्तिक तुम जगका
जगमें सर्व शुभ मंगल करके, पावन पवित्र शुद्ध भावसे भरके।
जगमें आनंद उल्हास मचाके, विश्वको स्वर्ग समान बनाके ।
.... करो कल्याण स्वस्तिक तुम जगका

हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारे शरणमें

हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारे शरणमें, श्री ॐ स्वस्तिक तुम्हारे चरणमें ।
तुम्हारे शरणमें तुम्हारे चरणमें, हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारे स्मरणमें ।
....हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारे शरणमें
हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारे पूजनमें, श्री ॐ स्वस्तिक तुम्हारे नमनमें ।
तुम्हारे पूजनमें तुम्हारे नमनमें, हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारे वंदनमें ।
....हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारे शरणमें
हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारे भजनमें, श्री ॐ स्वस्तिक तुम्हारे किर्तनमें ।
तुम्हारे भजनमें तुम्हारे किर्तनमें, हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारे जपनमें ।
....हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारे शरणमें
हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारे चिंतनमें, श्री ॐ स्वस्तिक तुम्हारे मननमें ।
तुम्हारे चिंतनमें तुम्हारे मननमें, हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारे अध्ययनमें ।
....हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारे शरणमें
हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारी स्तुतिमें, श्री ॐ स्वस्तिक तुम्हारे श्रृतीमें ।
तुम्हारी स्तुतिमें तुम्हारी श्रृतीमें, हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारी स्मृतिमें ।
....हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारे शरणमें
हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारी अर्चनामें, श्री ॐ स्वस्तिक तुम्हारी साधनामें ।
तुम्हारी अर्चनामें तुम्हारी साधनामें, हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारी आराधनामें ।
....हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारे शरणमें
हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारे श्लोकोमें, श्री ॐ स्वस्तिक तुम्हारे मंत्रोमें ।
तुम्हारे श्लोकोमें तुम्हारे मंत्रोमें, हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारे स्तवनमें ।
....हरि ॐ स्वस्तिक तुम्हारे शरणमें



जय स्वस्तिक गणनाथ दयालु

जय स्वस्तिक गणनाथ दयालु, प्रभु प्रतिक तुम परम कृपालु ।
जय गणेशजी रुप है तुम्हारुं, लागे हमें वो अती न्यारुं प्यारुं ।
....जय स्वस्तिक गणनाथ दयालु
प्रेम स्नेह माया ममतामय, दया कृपा और करुणामय ।
सुख शांति चित संतुष्टींमय, उल्हास उर्मि और आनंदमय ।
....जय स्वस्तिक गणनाथ दयालु
धर्म अर्थ कर्म मर्ममय, ध्यान योग और साधनामय ।
शुभ सत्य शिव सुंदरमय, पूजा अर्चना और संध्यामय ।
....जय स्वस्तिक गणनाथ दयालु
रिद्धि सिद्धि वृधि बुद्धिमय, संपत्ति संतती और समृध्धिमय ।
दान दक्षिणा आशिषमय, प्रकाश प्रभुता और प्रकृतिदेवीमय ।
....जय स्वस्तिक गणनाथ दयालु
शक्ति भक्ति मुक्ति मोक्षमय, पावन मंगल और कल्याणमय ।
देव देवी दुत ऋषिमुनींमय, आराध्य ईश्वर और परमेश्वरमय ।
....जय स्वस्तिक गणनाथ दयालु

श्लोक - सर्वम् शुभम् मंगलम् कर्ता

सर्वम् शुभम् मंगलम् कर्ता, कल्याण कर्ता श्री स्वस्तिकम् ।
सर्वम् देवदेवीम् स्वरुपम् , स्वस्तिकम् प्रणमाम्यहम्।
सर्वम् सुखम् सौभाग्यम् कर्ता, परमानंद कर्ता श्री स्वस्तिकम् ।
सर्वम् प्रथमम् पुजीतम् प्रतिकम् , स्वस्तिकम् प्रणमाम्यहम्।
सर्वम् धनम् धान्यम् कर्ता, सम्पत्तिम् कर्ता श्री स्वस्तिकम् ।
सर्वम् श्रेष्ठम् च उत्तमम् प्रतिकम् , स्वस्तिकम् प्रणमाम्यहम्।
सर्वम् वैभवम् संततीम् कर्ता, वृध्धिम् कर्ता श्री स्वस्तिकम् ।
सर्वम् श्री गणेश स्वरुपायम् , स्वस्तिकम् प्रणमाम्यहम्।
सर्वम् शातिम् समृध्धिम् कर्ता, रिध्धिसिध्धि कर्ता श्री स्वस्तिकम् ।
सर्वम् आध्यात्मिकम् कर्ताम् , स्वस्तिकम् प्रणमाम्यहम् ।

स्वस्तिक प्रतिक हैं अदभूत ये जगमें

स्वस्तिक प्रतिक हैं अदभूत ये जगमें, स्वस्तिक प्रतिक हैं अलौकिक ये जगमें ।
स्वस्तिक प्रतिक हैं अणमोल ये जगमें,स्वस्तिक प्रतिक हैं सर्वमहान ये जगमें ।
....स्वस्तिक प्रतिक हैं अदभूत ये जगमें
प्रेम स्वरुप प्रतिक हैं स्वस्तिक, शुभ मंगलमय प्रतिक है स्वस्तिक ।
करुणा स्वरुप प्रतिक हैं स्वस्तिक, कृपा दयामय प्रतिक हैं स्वस्तिक ।
....स्वस्तिक प्रतिक हैं अलौकिक ये जगमें
शांति स्वरुप प्रतिक हैं स्वस्तिक, रिद्धि सिद्धिकारी है स्वस्तिक ।
शुभ स्वरुप प्रतिक हैं स्वस्तिक, विघ्न कष्ट दुखहारी हैं स्वस्तिक ।
....स्वस्तिक प्रतिक हैं अणमोल ये जगमें
भक्ति स्वरुप प्रतिक हैं स्वस्तिक, मौक्ष मुक्तिका मार्ग है स्वस्तिक ।
पावन पवित्र प्रतिक हैं स्वस्तिक, गंगाजलमय निर्मल हैं स्वस्तिक ।
....स्वस्तिक प्रतिक हैं सर्वमहान ये जगमें
प्रभुका परम स्वरुप है स्वस्तिक, भक्तजनोंका आराध्य हैं स्वस्तिक ।
परम कृपालु प्रतिक हैं स्वस्तिक, सदजनोंका संरक्षक है स्वस्तिक ।
....स्वस्तिक प्रतिक हैं अदभूत ये जगमें
मानवताक प्रतिक हैं स्वस्तिक, अनुकंपाका महापाठ है स्वस्तिक ।
विनय विनम्रताका प्रतिक हैं स्वस्तिक, दुष्टोंका विनाशक हैं स्वस्तिक ।
....स्वस्तिक प्रतिक हैं अलौकिक ये जगमें
विश्वशातिका महादूत हैं स्वस्तिक, विश्वसंघका महाशस्त्र हैं स्वस्तिक ।
विश्वबंधुत्वका भुजबल हैं स्वस्तिक, विश्वसमृध्धिका आधार हैं स्वस्तिक ।
....स्वस्तिक प्रतिक हैं अणमोल ये जगमें
विश्वएकताका महाअस्त्र हैं स्वस्तिक, विश्वबंधुत्वका महाजप हैं स्वस्तिक ।
विश्वविजयका महाध्वज हैं स्वस्तिक, विश्वकल्याणका महायज्ञ हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक प्रतिक हैं सर्वमहान ये जगमें

जय जय बोलो जय जय बोलो

जय जय बोलो जय जय बोलो, जय जय बोलो श्री स्वस्तिककी ।
जय जय बोलो जय जय बोलो, जय जय बोलो श्री गणेशजीकी ।
.., जय जय बोलो जय जय बोलो
प्रेमसे बोलो जय स्वस्तिककी, स्नेहसे बोलो जय स्वस्तिककी ।
हृदयसे बोलो जय स्वस्तिककी, प्राणसे बोलो जय स्वस्तिककी ।
..,,जय जय बोलो जय जय बोलो
भक्तिसे बोलो जय स्वस्तिककी, भावसे बोलो जय स्वस्तिककी ।
मनसे बोलो जय स्वस्तिककी, वाणीसे बोलो जय स्वस्तिककी ।
..,,जय जय बोलो जय जय बोलो
श्रद्धासे बोलो जय स्वस्तिककी, आस्थासे बोलो जय स्वस्तिककी ।
विश्वाससे बोलो जय स्वस्तिककी, निष्ठासे बोलो जय स्वस्तिककी ।
..,,जय जय बोलो जय जय बोलो
ध्यानसे बोलो जय स्वस्तिककी, चित्तसे बोलो जय स्वस्तिककी ।
गरीमासे बोलो जय स्वस्तिककी, स्वाभिमानसे बोलो जय स्वस्तिककी ।
..,,जय जय बोलो जय जय बोलो
दिनमें बोलो जय स्वस्तिककी, रात्रीमें बोलो जय स्वस्तिककी ।
हरपल बोलो जय स्वस्तिककी, हरघडी बोलो जय स्वस्तिककी ।
..,,जय जय बोलो जय जय बोलो
संध्यामें बोलो जय स्वस्तिककी, पूजामें बोलो जय स्वस्तिककी ।
पाठमें बोलो जय स्वस्तिककी, यज्ञमें बोलो जय स्वस्तिककी ।
..,,जय जय बोलो जय जय बोलो
सुखमें बोलो जय स्वस्तिककी, दुःखमें बोलो जय स्वस्तिककी ।
आनंदमें बोलो जय स्वस्तिककी, शोकमें बोलो जय स्वस्तिककी ।
..,,जय जय बोलो जय जय बोलो
आदरसे बोलो जय स्वस्तिककी, सन्मानसे बोलो जय स्वस्तिककी ।
गर्वसे बोलो जय स्वस्तिककी, अभिमानसे बोलो जय स्वस्तिककी ।

..,,जय जय बोलो जय जय बोलो
जय बोलो जय जय स्वस्तिककी, जय बोलो जय जय श्री गणेशकी ।
जय हो जय हो श्री स्वस्तिककी, जय हो जय हो श्री गणेशकी ।

कृपा करो हे कृपालु स्वस्तिक

कृपा करो हे कृपालु स्वस्तिक, दया करो हे दयालु स्वस्तिक ।
करदो सर्व शुभ और मंगल, करदो हे कल्याण हमारा हे स्वस्तिक ।
....कृपा करो हे कृपालु स्वस्तिक
धन वैभव और लक्ष्मी देकर, करो समृध्ध हमें हे प्रभुवर ।
सुख सम्पत्ति और संतती देकर, करो उध्धार मेरा हे प्रभुवर ।
....कृपा करो हे कृपालु स्वस्तिक
दुख दरीद्र और दोष मिटाके, करो सुखी मेरे तनमनको हे प्रभुवर ।
आधि व्याधिऔर रोग मिटाके, करो निरोगी मेरे शरीरको हे प्रभुवर ।
....कृपा करो हे कृपालु स्वस्तिक
चिंता क्लेश और कलह मिटाके, करो शांत मेरे मनको हे प्रभुवर ।
रिद्धि सिद्धि और बुद्धि देकर, किर्तीमान हमें बनाओ हे प्रभुवर ।
....कृपा करो हे कृपालु स्वस्तिक
प्रेम स्नेह सदभावना देकर, सदभावी हमें बनाओ हे प्रभुवर ।
करुणा अनुकम्पा जीवदया देकर, महामानव हमें बनाओ हे प्रभुवर ।
....कृपा करो हे कृपालु स्वस्तिक
सदाचार सदकर्मको देकर, सज्जन हमें बनाओ स हे प्रभुवर ।
सत्य धर्म और संस्कारको देकर, आर्यजन हमें बनाओ हे प्रभुवर ।
....कृपा करो हे कृपालु स्वस्तिक
आनंद ऐश्वर्य और आषिश देकर, प्रभुमय हमें बनाओ हे प्रभुवर ।
भक्ति शक्ति और मुक्ति देकर, मेरे भवको पार लगाओ हे प्रभुवर ।
....कृपा करो हे कृपालु स्वस्तिक

प्रणाम प्रणाम प्रणाम

प्रणाम प्रणाम प्रणाम, श्री स्वस्तिकको हैं प्रणाम।
आर्यधर्मके शुभ प्रतिकको, करते हैं हम प्रणाम।
....प्रणाम प्रणाम प्रणाम
हर संस्कृति भाषा और धर्ममें, प्रथम है बस तेरा ही नाम।
आदी अनादी कालोंसे जगमें, होता रहा हैं तेरा सन्मान।
....प्रणाम प्रणाम प्रणाम
प्रेम जीवन प्रकाश और भाग्यका, तुम ही तो हो भगवद नाम।
देव देवीऔंके विविध स्वरुप हो, तुम ही तो हो परमेश्वर समान।
....प्रणाम प्रणाम प्रणाम
पुरे विश्वमें सर्वव्यापी तुम हो, तुम ही तो हो एक प्रतिक महान।
आर्यधर्मके महा रक्षणकर्ताको, आर्यजनोंका कोटी कोटी है प्रणाम।
....प्रणाम प्रणाम प्रणाम
नाझीऔंके दुरुपयोगसे जगमें, स्वस्तिक प्रतिक हुआ हैं बदनाम।
विश्वके ये सन्मानित चिन्हका, अपमानित किया शुभ मंगल नाम।
....प्रणाम प्रणाम प्रणाम
दुजे विश्वयुद्धमें हीटलरने, किया हैं तेरा कलंकित नाम।
नाझीऔंके आतंकवादसे, स्वस्तिकका नहीं हैं कोई अपराध।
....प्रणाम प्रणाम प्रणाम
युरोपी अमरीकी अंग्रेजी दुराचरणने, दोशीत ठहराया स्वतिकका नाम।
पश्चिमवालोंकी कुटनितीको हम, जरुर विफल करेंगे हे भगवान।
....प्रणाम प्रणाम प्रणाम
शौर्य शक्ति और विरतासे हम, गायेंगे जगमें स्वस्तिकके गुणगान।
विफल करेंगे कोशीश प्रतिबंधकी, लडेंगे पश्चिमीऔंसे सीनातान।
....प्रणाम प्रणाम प्रणाम
विश्वमें फिरसे लहरायेंगे हम, विश्व प्रतिक स्वस्तिकका शुभनाम।
तेरे भव्य मान सन्मानको हम, संस्थापित करेंगे आर्यके वीरसंतान।....प्रणाम प्रणाम

स्वस्तिक करो कल्याण सभीका

स्वस्तिक करो कल्याण सभीका, स्वस्तिक करो शुभमंगल सभीका ।
भाग्य विधाता हो तुम श्री गणेशा, मंगलमुर्ति हो तुम श्री गणेशा ।
....स्वस्तिक करो कल्याण सभीका
दुःखीजनोंका सुखीजनोंका, रोगीजनोंका निरोगीजनोंका ।
निर्धनजनोंका धनवानोंका, निर्बलजनोंका बलवानोंका ।
....स्वस्तिक करो कल्याण सभीका
दुष्टजनोंका दयालुजनोंका, दानीजनोंका कंजुशजनोंका ।
पापीजनोंका पुण्यजनोंका, सज्जनोंका दुर्जनोंका ।
....स्वस्तिक करो कल्याण सभीका
संसारीजनोंका साधुजनोंका, लोभीजनोंका त्यागीजनोंका ।
भोगीजनोंका वैरागीजनोंका, प्रपंचीजनोंका भावुकजनोंका ।
....स्वस्तिक करो कल्याण सभीका
अज्ञानीजनोंका ज्ञानीजनोंका, विद्वानजनोंका अनपढजनोंका ।
मुढजनोंका सतर्कजनोंका, क्रोधीजनोंका शांतजनोंका ।
....स्वस्तिक करो कल्याण सभीका
धार्मिकजनोंका अधार्मिकजनोंका, अन्यायीजनोंका न्यायीजनोंका ।
विरहीजनोंका प्रेमीजनोंका, स्वतंत्रजनोंका परतंत्रजनोंका ।
....स्वस्तिक करो कल्याण सभीका
शहरीजनोंका ग्राम्यजनोंका, आदिवासीआनोंका अछुतजनोंका ।
गोरेजनोंका कालेजनोंका, उंचजनोंका नीचजनोंका ।
....स्वस्तिक करो कल्याण सभीका
ब्रह्मजनोंका क्षत्रीयजनोंका, वैश्यजनोंका शुद्रजनोंका ।
आर्यजनोंका अनार्यजनोंका, विश्वके हरकोई विश्वजनोंका ।
....स्वस्तिक करो कल्याण सभीका

वंदन करो सौ स्वस्तिक प्रतिकम्

वंदन करो सौ स्वस्तिक प्रतिकम्, प्रेमे भजो सौ स्वस्तिक प्रतिकम् ।
अदभूत अविचल अलौकीक प्रतिकम्, करनेको जिवन शुभ मंगलम् ।
....वंदन करो सौ स्वस्तिक प्रतिकम्
ब्रह्मा तुम हो सरस्वती तुम हो, ज्ञान शाण और विद्या तुम हो ।
वेद तुम हो विज्ञान भी तुम हो, सृष्टीके सर्जनहार भी तुम हो ।
....वंदन करो सौ स्वस्तिक प्रतिकम्
विष्णु तुम हो श्री लक्ष्मी तुम हो, धन वैभव और सुख तुम हो ।
सुदर्शन तुम हो कमल भी तुम हो, सृष्टीके संस्थापक भी तुम हो ।
....वंदन करो सौ स्वस्तिक प्रतिकम्
शंकर तुम हो पार्वती तुम हो, क्रोध प्रेम और मातृत्व तुम हो ।
त्रिशुल तुम हो खडग भी तुम हो, महाशक्तिका प्रकोप भी तुम हो ।
....वंदन करो सौ स्वस्तिक प्रतिकम्
गजानन तुम हो रिद्धिसिद्धि तुम हो, शुभ लाभ और मंगल भी तुम हो ।
विघ्नेश्वर तुम हो वरदायक भी तुम हो, संकट दुःखहारी भी तुम हो ।
....वंदन करो सौ स्वस्तिक प्रतिकम्
नर भी तुम हो नारी भी तुम हो, ईश्वरमय नारीश्वर भी तुम हो ।
परमपिता परमेश्वर भी तुम हो, विश्वपूजीत महा प्रतिक भी तुम हो ।
....वंदन करो सौ स्वस्तिक प्रतिकम्



श्री स्वस्तिक करो कल्याण ये जगका

श्री स्वस्तिक करो कल्याण ये जगका, श्री स्वस्तिक करो उध्धार सभीका ।
नमन करत हैं श्री महा देव गणेशा, विघ्नहरो हर प्रभु सभी विश्वजनोंका ।
....श्री स्वस्तिक करो कल्याण ये जगका
प्रेम स्नेह प्रिती और बढाओ, मोह माया ममताको मिटाओ ।
विनय विवेक सद्व्यवहार बढाओ, धृणा धिक्कर तिरस्कार मिटाओ ।
....श्री स्वस्तिक करो कल्याण ये जगका
धर्म ध्यान और ज्ञान बढाओ, काम क्रोध और लंपट मिटाओ ।
सेवा सदबुद्धि सदभाव बढाओ, ईर्ष्या अहंकार अभिमान मिटाओ ।
....श्री स्वस्तिक करो कल्याण ये जगका
शांत सौम्य संतुष्ठ बनाओ, क्लेश कलह और कंकाश मिटाओ ।
संस्कारी सुरगी शुशील बनाओ, दुर्गुण दंभ दुराचार मिटाओ ।
....श्री स्वस्तिक करो कल्याण ये जगका
सभ्य संयमी सदाचारी बनाओ, दंभ अहम घमंड मिटाओ ।
संस्कारी सुहागी शुशील बनाओ, दुर्गुण दंभ दुराचार मिटाओ ।
....श्री स्वस्तिक करो कल्याण ये जगका
समानताका सूत्र समजाओ, अनेकतामें एकताको दिखाओ ।
मानवताका पाठ पढाओ, संपुर्ण विश्वको स्वर्ग बनाओ ।
....श्री स्वस्तिक करो कल्याण ये जगका



स्वस्तिक जगमें हैं

स्वस्तिक जगमें हैं सर्वमहान, स्वस्तिकके नहीं कोई दुजा समान ।
स्वस्तिक जगमें हैं सर्वोत्तम नाम, स्वस्तिकको करे हरकोई प्रणाम ।
.... स्वस्तिक जगमें हैं सर्वमहान
स्वस्तिक हैं सर्वश्रेष्ठताका नाम, स्वस्तिक हैं सर्वोच्चताका नाम ।
स्वस्तिक हैं परमपवित्रताका नाम, स्वस्तिक हैं अतीशुद्धताका नाम ।
.... स्वस्तिक जगमें हैं सर्वमहान
स्वस्तिक हैं स्वाभिमानका नाम, स्वस्तिक हैं स्वमानका नाम ।
स्वस्तिक हैं सार्वभोमत्वका नाम, स्वस्तिक हैं स्वातंत्र्यताका नाम ।
.... स्वस्तिक जगमें हैं सर्वमहान
स्वस्तिक हैं आर्यअस्मिताका नाम, स्वस्तिक हैं आर्यमहाधर्मका नाम ।
स्वस्तिक हैं आर्यसंस्कृतिका नाम, स्वस्तिक हैं आर्यपरंपराका नाम ।
.... स्वस्तिक जगमें हैं सर्वमहान
स्वस्तिक हैं सदभावका नाम, स्वस्तिक हैं सद्‍व्यवहारका नाम ।
स्वस्तिक हैं सदगुणका नाम, स्वस्तिक हैं सर्वसदाचार नाम ।
.... स्वस्तिक जगमें हैं सर्वमहान
स्वस्तिक हैं मानवताका नाम, स्वस्तिक हैं जनसेवाका नाम ।
स्वस्तिक हैं अनुकम्पाका नाम, स्वस्तिक हैं सर्वसमभावका नाम ।
.... स्वस्तिक जगमें हैं सर्वमहान
स्वस्तिक हैं जनजगहीतका नाम, स्वस्तिक हैं सर्वसमर्पणका नाम ।
स्वस्तिक हैं बलीदानका नाम, स्वस्तिक हैं जगकल्याणका नाम ।
.... स्वस्तिक जगमें हैं सर्वमहान
स्वस्तिक हैं शुभकर्मका नाम, स्वस्तिक हैं मंगलकार्यका नाम ।
स्वस्तिक हैं प्रभुभक्तिका नाम, स्वस्तिक हैं परमार्थका नाम ।
.... स्वस्तिक जगमें हैं सर्वमहान
स्वस्तिक हैं सुखशांतिका नाम, स्वस्तिक हैं वैभव विलाशका नाम ।
स्वस्तिक हैं आध्यात्मका नाम, स्वस्तिक हैं परम परमेश्वरका नाम ।.... स्वस्तिक

देवा हो देवा मेरे

देवा हो देवा मेरे, स्वस्तिक देवा रे ।
तुम हीतो हो मेरे, गणपति देवा रे ।
....देवा हो देवा मेरे
मैं तो करुं तुम्हारी, नित्य नयी सेवा रे ।
दया कृपा करो हे, श्री गणेश देवा रे ।
....देवा हो देवा मेरे
सप्तसिंधुके जलसे, तुम्हें मैं नहलाऊं रे ।
पंचांमृतकी धारासे, तुम्हें स्नान करऊं रे ।
....देवा हो देवा मेरे
नीतनये पत्र चढाऊं, तुलसी केवडा दुर्वा रे ।
विविध फल फुल चढाऊं, मुक्ता फुलोंकी माला रे ।
....देवा हो देवा मेरे
अबिल गुलाल चढाऊं, कुमकुम सिंदुरा रे ।
केशर चंदन चढाऊं, नीतनयी सुगंधी रे ।
....देवा हो देवा मेरे
भावभक्तिसे मैं तो, तेरी आरती ऊतारुं रे ।
मेवा मोदकका तुम्हें, भोग मैं   चढाऊं रे ।
....देवा हो देवा मेरे
दोनो कर जोडके तुम्हें, नमन सिधाऊं रे ।
षाष्टांग प्रणाम करके, तेरो गुण मैं गाऊं रे ।
....देवा हो देवा मेरे
तुम ही तो हो मेरे, आराध्य देवा रे ।
प्रथम पूजन करुं, श्री विनायक देवा रे ।
....देवा हो देवा मेरे
अभिलाषी हुं मैं तो, तेरे दर्शनका रे ।
दर्शन द्यो हमे हे, श्री गणेश देवा रे ।

....देवा हो देवा मेरे, स्वस्तिक देवा रे ।
....देवा हो देवा मेरे, गणपति देवा रे ।
....देवा हो देवा मेरे, गजानन देवा रे ।
....देवा हो देवा मेरे, विनायक देवा रे ।

स्वस्तिक स्वस्तिक महान है स्वस्तिक

स्वस्तिक स्वस्तिक महान है स्वस्तिक, मानवको प्रभुका महादान है स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक सर्वोत्तम है स्वस्तिक, पुण्य पवित्र प्रभु प्रतिक हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक महान है स्वस्तिक
प्रेम हैं स्वस्तिक प्रकाश हैं स्वस्तिक, मानवताका प्रमाण हैं स्वस्तिक ।
जीवन हैं स्वस्तिक मौक्ष हैं स्वस्तिक, चीर आयुष्यका वरदान हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक महान है स्वस्तिक
संस्कार हैं स्वस्तिक सभ्यता हैं स्वस्तिक, सुलक्षणका परिचय हैं स्वस्तिक ।
समानता हैं स्वस्तिक सदभाव हैं स्वस्तिक, आत्मियताका आदर्श हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक महान है स्वस्तिक
शक्ति हैं स्वस्तिक शौर्य हैं स्वस्तिक,शांतिका परमधाम हैं स्वस्तिक ।
धर्म हैं स्वस्तिक कर्म हैं स्वस्तिक,सेवाका साक्षात्कार हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक महान है स्वस्तिक
एकत्व हैं स्वस्तिक बंधुत्व हैं स्वस्तिक,सदभावनांका महासागर हैं स्वस्तिक ।
सहचार हैं स्वस्तिक सह-अस्तित्व हैं स्वस्तिक,विश्वशांतिका शंदेश हैं स्वस्तिक ।
स्वस्तिक स्वस्तिक महान है स्वस्तिक

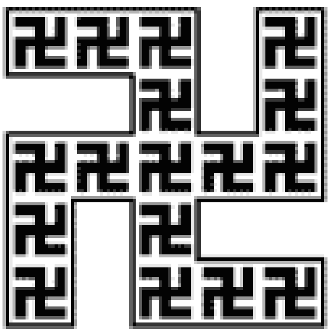


सिम्बोल सिम्बोल

सिम्बोल सिम्बोल सिम्बोल, सिम्बोल सिम्बोल सिम्बोल रे |
स्वस्तिक स्वस्तिक स्वस्तिक, स्वस्तिक स्वस्तिका हैं सिम्बोल रे |
....सिम्बोल सिम्बोल सिम्बोल
विश्वके हर कोने कोनेमें, स्वस्तिकका हैं सिम्बोल रे |
आर्यधर्मकी पावन धरती पर, प्रकट हुआ ये सिम्बोल रे |
....सिम्बोल सिम्बोल सिम्बोल
विश्वके हर संस्कृति धर्मोका, प्रथम प्रतिक हैं स्वस्तिक रे |
सहस्त्र युगोंसे अविचल रहा हैं, स्वस्तिकका ये सिम्बोल रे |
....सिम्बोल सिम्बोल सिम्बोल
मानवता मधुरता और मंगलताका, है तुही तो अग्रज सिम्बोल रे |
दया करुणा और अनुकम्पाका, है तुही तो सुपर सिम्बोल रे |
....सिम्बोल सिम्बोल सिम्बोल
प्रेम स्नेह और समानताका, है तुही तो अदभूत सिम्बोल रे |
सदगुण सभ्यता सहचारका, है तुही तो अमेइझींग सिम्बोल रे |
....सिम्बोल सिम्बोल सिम्बोल
कर्म धर्म और सदाचारका, तुही तो हैं डिवाईन सिम्बोल रे |
सदभाव सदभाग्य और सदवर्तनका, तुही तो हैं होली सिम्बोल रे |
....सिम्बोल सिम्बोल सिम्बोल
समृद्धि और स्वतंत्रताका, अजायब तु हैं सिम्बोल रे |
शूभकामना और सौभाग्यका, चमत्कारीक तु हैं सिम्बोल रे |
....सिम्बोल सिम्बोल सिम्बोल
शुभ लाभ और जनकल्याणका, विश्वव्यापी तु हैं सिम्बोल रे |
मानवधर्म और परंपराका, तु ही तो हैं अणमोल सिम्बोल रे |
....सिम्बोल सिम्बोल सिम्बोल

भज स्वस्तिकम् भज स्वस्तिकम्

भज स्वस्तिकम् भज स्वस्तिकम् , भजले रे प्यारे तुं स्वस्तिकम् ।
भज स्वस्तिकम् भज स्वस्तिकम्, भजले भावसे तुं स्वस्तिकम् ।
....भज स्वस्तिकम् भज स्वस्तिकम्
स्नेह प्रेम हृदय हैं स्वस्तिकम्, ममता दया पर्वत हैं स्वस्तिकम् ।
भाव भक्ति भंडार हैं स्वस्तिकम्, कृपा अनुकंपा सागर हैं स्वस्तिकम् ।
....भज स्वस्तिकम् भज स्वस्तिकम्
कल्याण करुणा सरोवर हैं स्वस्तिकम्, निर्मल स्वच्छ सरिता हैं स्वस्तिकम् ।
पुण्य पवित्र जलधारा हैं स्वस्तिकम्, सुमधुर सुरुचिर अमृत हैं स्वस्तिकम् ।
....भज स्वस्तिकम् भज स्वस्तिकम्
उर्जा शक्ति संचार हैं स्वस्तिकम्, अणुं परमाणुं स्वरुप हैं स्वस्तिकम् ।
पंचतत्व स्वरुप हैं स्वस्तिकम्, पंचभूत महारुप हैं स्वस्तिकम् ।
....भज स्वस्तिकम् भज स्वस्तिकम्
शुभ मंगल कर्ता हैं हैं स्वस्तिकम्, सुख शांति दाता हैं स्वस्तिकम् ।
रिध्धि सिध्धि दाता हैं स्वस्तिकम्, सर्वमनोरथ पुर्ण करता हैं स्वस्तिकम् ।
....भज स्वस्तिकम् भज स्वस्तिकम्
सप्तसिंधु संस्कृति हैं स्वस्तिकम्, अर्यधर्म चिन्ह स्वरूप हैं स्वस्तिकम् ।
दैवी स्वरुप प्रतिक हैं स्वस्तिकम्, जय जय हो जय जय स्वस्तिकम् ।
....भज स्वस्तिकम् भज स्वस्तिकम्



तेरो बडो हैं नाम हे स्वस्तिक....

तेरो बडो हैं नाम हे स्वस्तिक, तेरो बडो हैं नाम |
तेरो बडो हैं काम हे स्वस्तिक, तेरो बडो हैं काम |
....तेरो बडो हैं नाम हे स्वस्तिक
निर्धन को तुम धन देवत हो.. [२], सुख सम्पत्तिके साथ...
....तेरो बडो हैं नाम हे स्वस्तिक
निर्बल को तुम बल देवत हो.. [२], शक्ति भक्तिके साथ...
....तेरो बडो हैं नाम हे स्वस्तिक
निर्वंश को तुम संतती देवत हो.. [२], शांति समृध्धिके साथ...
....तेरो बडो हैं नाम हे स्वस्तिक
निर्माल्य को तुम प्रतिष्ठा देवत हो.. [२], मान स्वमान के साथ..
....तेरो बडो हैं नाम हे स्वस्तिक
निर्वाश्रीत को तुम आश्रय देवत हो.. [२], प्रेम सहानुभूतिके के साथ..
....तेरो बडो हैं नाम हे स्वस्तिक
निरक्षर को तुम ज्ञान देवत हो.. [२], संस्कार समज के साथ..
....तेरो बडो हैं नाम हे स्वस्तिक
निरुत्साही को तुम परमानंद देवत हो.. [२], भाग्य लाभके साथ
....तेरो बडो हैं नाम हे स्वस्तिक
निराशको तुम सांत्वन देते हो.. [२], शुभ मंगल के साथ..
....तेरो बडो हैं नाम हे स्वस्तिक
सर्वजनों के तुम शुभ चिंतक हो.. [२], तुम हो कृपालु मेरे नाथ..
....तेरो बडो हैं नाम हे स्वस्तिक

स्वस्तिक हैं शुभ लाभ का नाम

स्वस्तिक हैं शुभ लाभ का नाम, स्वस्तिक है सर्व सुखका नाम |
स्वस्तिक नाम जय स्वस्तिक नाम, भज प्यारे तुं श्री स्वस्तिक नाम |
....स्वस्तिक हैं शुभ लाभ का नाम
प्रथम पूजन करके करो सभी काम, मंगलमय होगा तेरा कार्य तमाम |
स्वस्तिक करेगा तेरा हर शुभ काम, स्वस्तिक करेगा तेरा सब कल्याण |
....स्वस्तिक हैं शुभ लाभ का नाम
उठते बैठते लो स्वस्तिकका नाम, हरते फिरते जपो स्वस्तिकका नाम |
दिन रात रटो स्वस्तिकका नाम, हर घडी पल भजो स्वस्तिकका नाम |
....स्वस्तिक हैं शुभ लाभ का नाम
अर्पण करेगा वो धनधान्य भंडार, देगा वो रिध्धि सिध्धि और बहुमान |
स्वस्तिक करेगा तेरा महा कल्याण, स्वस्तिक देगा तुम्हें शुभ आशिर्वाद |
....स्वस्तिक हैं शुभ लाभ का नाम
खोलेंगे वो सुख वैभवके द्वार, देंगे वो संतती सम्पत्ति अपार |
देंगे वो समृध्धि शांत्ति विपुल अपार, करेंगे वो तुम्हारो सदा बेडो पार |
....स्वस्तिक हैं शुभ लाभ का नाम
देंगे वो दिव्य ज्ञान विशाल, देंगे वो बल बुद्धि भी तुम्हें अपार |
खोलेंगे वो तेरा मुक्तिका मार्ग, खुल जायेंगे तेरे लीए स्वर्गके द्वार |
....स्वस्तिक हैं शुभ लाभ का नाम
पामोगे सत् चीत् आनंद तमाम, करोंगे सभी तुम आध्यात्मिक काम |
भोगके सभी सुख संसारके तमाम, अंतमें पाओगे तुम मौक्षका धाम |
....स्वस्तिक हैं शुभ लाभ का नाम
सत्यम् शिवम सुंदरम हैं स्वस्तिकका नाम, स्वस्तिक हैं परमेश्वरका नाम |
स्वस्तिकके चरणमें लोंगे शरण तुम वारंवार, तोही होगा तुम्हारा ईस भवपार |
....स्वस्तिक हैं शुभ लाभ का नाम
प्रेमसे बोलो सहु श्री स्वस्तिकका नाम, भावसे भजो स्वस्ति स्वस्तिक नाम |
ध्यानसे गाओ स्वस्तिकके गुणगान, श्रद्धासे करो तुम श्री स्वस्तिकको प्रणाम |..

प्रणाम तुम करो, नमन तुम करो

प्रणाम तुम करो, नमन तुम करो, स्वस्तिकके प्रतिकको नमस्कार तुम करो |
आदर तुम करो, सत्कार तुम करो, स्वस्तिकके प्रतिकका सन्मान तुम करो |
....प्रणाम तुम करो, नमन तुम करो
स्वस्तिक तो हैं परम प्रतिक आर्य धर्मका, स्वस्तिक तो हैं पावन प्रतिक आर्य संस्कृतिका |
स्वस्तिकको पूजो, स्वस्तिकको भजो, रक्त रंगमें शुभांकित स्वस्तिक ध्वजको लेचलो |
....प्रणाम तुम करो, नमन तुम करो
स्वस्तिक तो हैं प्रभावित प्रतिक आर्य नीतिका, स्वस्तिक तो हैं प्रेरक प्रतिक आर्य रीतिका |
स्वस्तिकको जानो, स्वस्तिकको मानो, लाल रंगमें शुभांकित स्वस्तिक ध्वजको लेचलो |
....प्रणाम तुम करो, नमन तुम करो
स्वस्तिक तो हैं प्राण प्रतिक आर्य जनोंका, स्वस्तिक तो हैं प्रतिष्ठित प्रतिक आर्य परम्पराका |
स्वस्तिकको स्मरो, स्वस्तिकको ग्रहो, लाल रंगमें शुभांकित स्वस्तिक ध्वजको लेचलो |
....प्रणाम तुम करो, नमन तुम करो
स्वस्तिक तो हैं प्रथम प्रतिक आर्य जीवनका, स्वस्तिक तो हैं प्रचलित प्रतिक विश्वजनोंका |
स्वस्तिकको साधो, स्वस्तिकको आराधो, लाल रंगमें शुभ अंकित स्वस्तिक ध्वजको लेचलो |
....प्रणाम तुम करो, नमन तुम करो
स्वस्तिक तो हैं प्रेम प्रतिक स्नेहभावका, स्वस्तिक तो हैं प्रभावित प्रतिक विश्वसंघका |

स्वस्तिकको विचारो, स्वस्तिकको मननकरो, लाल रंगमें शुभांकित स्वस्तिक ध्वजको लेचलो |

....प्रणाम तुम करो, नमन तुम करो

स्वस्तिक तो हैं प्रसिध्ध प्रतिक शुभ भाग्यका, स्वस्तिक तो हैं प्रमाणिक प्रतिक मानवधर्मका |

स्वस्तिकको गाओ, स्वस्तिकको स्मरो, लाल रंगमें शुभांकित स्वस्तिक ध्वजको लेचलो ।

....प्रणाम तुम करो, नमन तुम करो

स्वस्तिक तो हैं प्रशांत प्रतिक विश्वशांतिका, स्वस्तिक तो हैं प्रसन्न प्रतिक विश्वमंगलका |

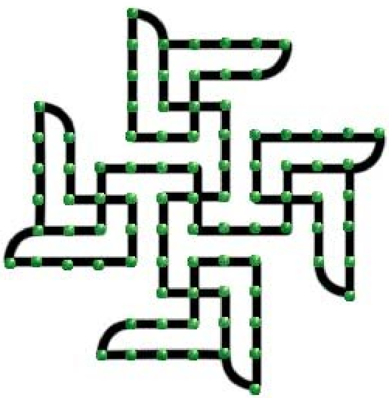
स्वस्तिकको स्विकारो, स्वस्तिकको अपनावो, लाल रंगमें शुभांकित श्रीस्वस्तिक ध्वजको लेचलो |

....प्रणाम तुम करो, नमन तुम करो

स्वस्तिक तो हैं प्रतापी प्रतिक परमेश्वरका, स्वस्तिक तो हैं प्रबल प्रतिक श्री महाशक्तिका |

स्वस्तिकको नमो, स्वस्तिकको वंदो, लाल रंगमें शुभांकित श्रीस्वस्तिक ध्वजको लेचलो |

....प्रणाम तुम करो, नमन तुम करो



गाओ गाओ रे [२] स्वस्तिक के गान

गाओ गाओ रे [२] स्वस्तिक के गान, हे साधो करनेको जग कल्याण |
भजो भजो रे [२] स्वस्तिक का नाम, हे भक्तो करनेको आत्म कल्याण |
....गाओ गाओ रे [२] स्वस्तिक के गान
स्वस्तिक नाम हैं पुण्य प्रतिकका, स्वस्तिक नाम हैं पावनताका |
स्वस्तिक नाम हैं परम पवित्रताका, स्वस्तिक नाम हैं प्रभुताका |
....गाओ गाओ रे [२] स्वस्तिक के गान
स्वस्तिक नाम हैं ब्रह्मा विष्णुका, स्वस्तिक नाम हैं श्री महेशका |
स्वस्तिक नाम हैं लक्ष्मी गौरीका, स्वस्तिक नाम हैं सरस्वतीजीका |
....गाओ गाओ रे [२] स्वस्तिक के गान
स्वस्तिक नाम हैं शुभ लाभका, स्वस्तिक नाम हैं मंगलताका |
स्वस्तिक नाम हैं शिव शक्तिका, स्वस्तिक नाम हैं श्री गणेशा |
....गाओ गाओ रे [२] स्वस्तिक के गान
स्वस्तिक नाम हैं प्रेम स्नेहका, स्वस्तिक नाम हैं दयाका |
स्वस्तिक नाम हैं माया ममताका, स्वस्तिक नाम हैं अनुकम्पाका |
....गाओ गाओ रे [२] स्वस्तिक के गान
स्वस्तिक नाम हैं कृपा करुणाका, स्वस्तिक नाम हैं जनसेवाका |
स्वस्तिक नाम हैं संतोष शांतिका, स्वस्तिक नाम हैं जीवदयाका |
....गाओ गाओ रे [२] स्वस्तिक के गान
स्वस्तिक नाम हैं समानताका, स्वस्तिक नाम हैं आत्मियताका |
स्वस्तिक नाम हैं महाबल शक्तिका, स्वस्तिक नाम हैं विश्वविधाता |
....गाओ गाओ रे [२] स्वस्तिक के गान
स्वस्तिक नाम हैं सुख समृध्धिका, स्वस्तिक नाम हैं महा वैभवका |
स्वस्तिक नाम हैं धन संपत्तिका, स्वस्तिक नाम हैं भाग्यविधाता |
....गाओ गाओ रे [२] स्वस्तिक के गान
स्वस्तिक नाम हैं स्वतंत्रताका, स्वस्तिक नाम हैं वैश्विकरणका |
स्वस्तिक नाम हैं विश्व बंधुत्वका, स्वस्तिक नाम हैं एकात्मताका |

....गाओ गाओ रे [२] स्वस्तिक के गान
स्वस्तिक नाम हैं सत्य सुंदरताका, स्वस्तिक नाम हैं शीवजीका |
स्वस्तिक नाम हैं कर्म धर्मका, स्वस्तिक नाम हैं परमेश्वरका |
....गाओ गाओ रे [२] स्वस्तिक के गान
स्वस्तिक नाम हैं पूजन अर्चनका, स्वस्तिक नाम हैं आध्यात्मिकताका |
स्वस्तिक नाम हैं महा मौक्षका, स्वस्तिक नाम हैं महा मुक्तिका |
....गाओ गाओ रे [२] स्वस्तिक के गान

स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति

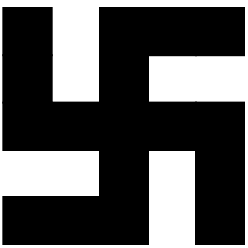
स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति, स्वस्ति करदे स्वस्तिका !
शुभम् करदे मंगलम् करदे, सौभाग्यम् करदे स्वस्तिका !
....स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति
धनम् दे दे धान्यम् दे दे, सम्पत्तिम् दे दे स्वस्तिका !
विलाशम् दे दे वैभवम् दे दे, समृद्धिम् दे दे स्वस्तिका !
....स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति
रिद्धिम् दे दे सिद्धिम् दे दे, वृद्धिम् दे दे स्वस्तिका !
मानम् दे दे किर्तीम् दे दे, प्रसिद्धिम् दे दे स्वस्तिका !
....स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति
लाभम् दे दे फलम् दे दे, प्रतिष्ठाम् दे दे स्वस्तिका !
अमृतम् दे दे आरोग्यम् दे दे, ऐश्वर्यम् दे दे स्वस्तिका !
....स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति
आनंदम् दे दे उत्साहम् दे दे, उमंगम् दे दे स्वस्तिका !
सुखम् दे दे शांतिम् दे दे, संतोषम् दे दे स्वस्तिका !
....स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति
भक्ति भक्ति भक्ति भक्ति दे दे, भक्ति दे दे स्वस्तिका !
शक्ति शक्ति शक्ति शक्ति दे दे शक्ति दे दे स्वस्तिका !
मुक्ति मुक्ति मुक्ति मुक्ति दे दे मुक्ति दे दे स्वस्तिका !
....स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति

करदे करदे करदे स्वस्तिक

करदे करदे करदे स्वस्तिक, बेडा पार तुं मेरा अब करदे रे|
भरदे भरदे भरदे स्वस्तिक, खाली झोली तुं मेरी अब भरदे रे|
....करदे करदे करदे स्वस्तिक
तुम हो करुणामय तुम हो दयामय, तुम ही तो हो माया ममतामय रे|
तुम हो अनुकम्पामय तुम हो कृपामय, तुम ही तो हो परम प्रेमालु रे|
....करदे करदे करदे स्वस्तिक
तुम हो ईश्वर तुम हो महेश्वर, तुम ही तो हो परम परमेश्वर रे|
तुम हो पिता तुम हो भ्राता, तुम ही तो हो संबंधी सखाबंधु रे|
....करदे करदे करदे स्वस्तिक
तुम हो माता तुम हो महेश्वरी, तुम ही तो हो मां नवदुर्गा रे|
तुम हो श्रीदेवी तुम हो विधात्री, तुम ही तो हो जग जननी रे|
....करदे करदे करदे स्वस्तिक
तुम हो शक्ति तुम हो भक्ति, तुम ही तो हो मौक्ष महामुक्ति रे|
तुम हो प्रज्ञा तुम हो प्रतापी, तुम ही तो हो अंतरयामी रे|
....करदे करदे करदे स्वस्तिक
तुम हो सर्जक तुम हो संस्थापक, तुम ही तो हो विसर्जक रे|
तुम हो पालक तुम हो पोषक, तुम ही तो हो दुष्ट विनाशक रे|
....करदे करदे करदे स्वस्तिक
तुम हो स्वामी तुम हो स्नेही, तुम ही तो हो सब मेरे रे|
तुम हो दाता तुम हो त्राता, तुम ही तो हो अधिष्ठाता रे|
....करदे करदे करदे स्वस्तिक
वरदे वरदे वरदे स्वस्तिक, शुभ मंगल सब करदे रे |
वरदे वरदे वरदे स्वस्तिक, आरोग्य ऐश्वर्यका वर दे रे |
....करदे करदे करदे स्वस्तिक
वरदे वरदे वरदे स्वस्तिक, रिद्धि सिद्धिका हमें वर दे रे |
वरदे वरदे वरदे स्वस्तिक, सुख शांतिका हमें वर दे रे | ....करदे करदे करदे

धुन लगी धुन लगी धुन लगी रे

हे....धुन लगी धुन लगी धुन लगी रे, हमें स्वस्तिक नामकी धुन लगी रे|
लगन लगी लगन लगी लगन लगी रे, हमें स्वस्तिक नामकी लगन लगी रे|
हे....धुन लगी धुन लगी धुन लगी रे
स्वस्तिक प्रतिक तो हमें प्राणसे है प्यारा, सुंदर शुशोभित हैं लाडला दुलारा |
स्वस्तिक प्रतिक हमारे धर्मका है तारा, पावन प्रतिक है वो प्रभुजीका न्यारा |
हे....धुन लगी धुन लगी धुन लगी रे
स्वस्तिक प्रतिक तो जगमें प्रचलित सारा, विश्वके कोने कोनेमें हैं वो ही छाया |
स्वस्तिक प्रतिक तो हमारे धर्मका है तारा, कोटी कोटी सुर्योंके प्रकाशकी है धारा |
हे....धुन लगी धुन लगी धुन लगी रे
स्वस्तिक प्रतिक तो है करुणाकी धारा, स्वस्तिकका स्वरुप हैं अत्यंत ही निराला|
स्वस्तिक प्रतिक तो है अनुकम्पाकी काया, शुभ मंगलका वो है प्रतिक सबसे प्यारा |
हे....धुन लगी धुन लगी धुन लगी रे
स्वस्तिक प्रतिक तो है श्री गणेशजीका साया, दूर करे सदा वो सभीकी मोह-माया|
स्वस्तिक प्रतिक तो है श्रीदेवीओंकी माया, बल बुद्धि शक्ति सर्व अर्पे वो महामाया |
हे....धुन लगी धुन लगी धुन लगी रे
स्वस्तिक प्रतिकमें शुभ लाभ हैं समाया, भाग्योदय करदे तुरंत स्वस्तिककी ही माया|
स्वस्तिक प्रतिकमें सुख शाति हैं समाया, समृध्धि सम्पत्ति सदा अर्पण करे श्रीगणेशा |
हे....धुन लगी धुन लगी धुन लगी रे
स्वस्तिक प्रतिक तो हैं अविरत प्रेमकी ये धारा,गंगाजल जैसी शांतशीतल अमृतसी धारा|
स्वस्तिक प्रतिक तो हैं अविचल सप्तर्षिका ये तारा, पावन पवित्र शुद्धताका है वो भारा |
हे....धुन लगी धुन लगी धुन लगी रे
पुजन करो सर्वप्रथम स्वस्तिकस्वरुप श्रीगणेशा, दुःख दरिद्र दुर्गुण सभी दूर करेंगे देवा |
स्वस्तिक प्रतिक तो है विश्वका महा ईष्टदेवा, जपले तुं पुजले तुं रटण करले तुं सेवा |
हे....धुन लगी धुन लगी धुन लगी रे



जय स्वस्तिक गणनाथ दयालु

जय स्वस्तिक गणनाथ दयालु, शुभ मंगल सब कर्ता रे |
जय स्वस्तिक श्री गणेश कृपालु, दुःख दरिद्र सब हर्ता रे |
....जय स्वस्तिक गणनाथ दयालु
सुर्यस्वरुप तेजोर्मय हैं स्वस्तिक, प्राण जीवनके दाता रे |
चन्द्रस्वरुप शीतलमय हैं स्वस्तिक, सुख शांतिके दाता रे |
....जय स्वस्तिक गणनाथ दयालु
ब्रह्मास्वरुप सर्व सर्जक हैं स्वस्तिक, वेद ज्ञानके दाता रे |
विष्णुस्वरुप संस्थापक हैं स्वस्तिक, तीन लोकके के राजा रे |
....जय स्वस्तिक गणनाथ दयालु
महेशस्वरुप सर्व विसर्जक हैं स्वस्तिक, दुष्ट दानवको संहारा रे |
ईश्वरस्वरुप परमेश्वर हैं स्वस्तिक, जगतके पालन हारा रे |
....जय स्वस्तिक गणनाथ दयालु
सरस्वतीस्वरुप महाज्ञान हैं स्वस्तिक, विद्या ध्यानके दाता रे |
लक्ष्मीस्वरुप सुखवैभव हैं स्वस्तिक, धन धान्यके दाता रे |
....जय स्वस्तिक गणनाथ दयालु
पार्वतीस्वरुप परमेश्वरी हैं स्वस्तिक, प्रेम प्रकोपके कर्ताहर्ता रे |
शक्तिस्वरुप प्रतिक हैं स्वस्तिक, श्रीदेवीओंसे हैं उनका नाता रे |
....जय स्वस्तिक गणनाथ दयालु
श्रीगणेशस्वरुप सर्वप्रथम हैं स्वस्तिक, रिद्धि सिद्धिके दाता रे |
करजोडी नमन करते है स्वस्तिक, कल्याण करो भाग्यविधाता रे|
....जय स्वस्तिक गणनाथ दयालु



स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति करदे

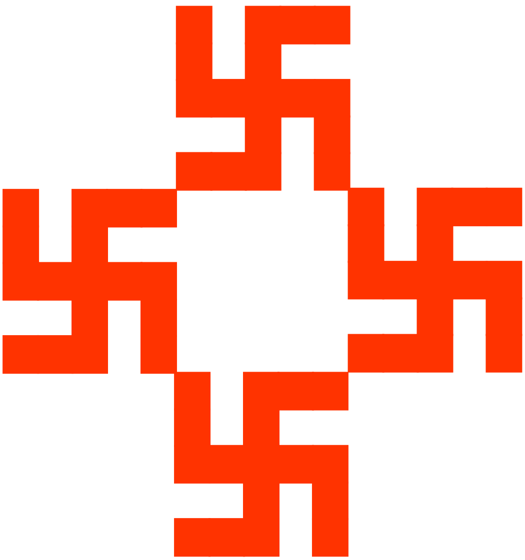
स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति करदे, स्वस्ति करदे स्वस्तिका |
रिद्धि सिद्धि वृद्धि प्रसिध्धि, हमको सब दे दे स्वस्तिका |
....स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति करदे
तुम हो शुभ मंगलके स्वामि, तुम ही तो हो पावन पवित्र शुद्ध नामी रे|
तुम हो सत्य शीव सुंदर स्वामि, तुम ही तो हो दयामय अंतरयामि रे|
....स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति करदे
तुम हो धन वैभवके स्वामि, तुम ही तो हो मान-सन्मानके स्वामि रे|
तुम हो सुख शांतिके स्वामि, तुम ही तो हो करुणामय कल्याणी |
....स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति करदे
तुम हो धर्म अर्थ कामके स्वामि, तुम ही तो हो मौक्ष मुक्तिके स्वामि रे|
तुम हो ज्ञान बुद्धिके स्वामि, तुम ही तो हो प्रारबद्धके परीवर्तनकारी रे|
....स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति करदे
तुम हो शिवशंकरकी महाभक्ति, तुम ही तो हो श्रीदेवीकी महाशक्ति रे|
तुम हो अर्धनारीश्वर स्वामि, तुम ही तो हो सर्वलोकके महास्वामि रे|
....स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति करदे
तुम हो महाप्रचलीत प्रतिक हे स्वामि, तुम ही तो विश्वमें सर्वत्र हो स्वामि रे|
तुम हो सर्व सन्माननिय स्वामि, तुम ही तो हो विश्वमें दुलारे स्वामि रे |
....स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति करदे
हमतो हैं लोभी मुरख खल कामी, पापी प्रपंची और महा अज्ञानी रे|
तुम हो महा भोले सर्व दु:खहारी, कृपा करो हे महा दयामय स्वामि रे|
....स्वस्ति स्वस्ति स्वस्ति करदे

स्वस्तिक तो है प्रभुका नाम

स्वस्तिक तो है प्रभुका नाम, भजले प्यारे तुं स्वस्तिकका नाम |
स्वस्तिक तो है सर्व शक्तिमान, रटले प्यारे तुं स्वस्तिकका नाम |
....स्वस्तिक तो है
स्वस्तिक तो है मंगलका नाम, तेरा करेगा स्वस्तिक ही कल्याण |
स्वस्तिक तो है शुभका नाम, तेरा धन्य ही होगा ये तुं मान |
....स्वस्तिक तो है
स्वस्तिक तो है लाभका नाम, तुम्हें करेगा स्वस्तिक ही धनवान |
स्वस्तिक तो है भाग्य नाम, तेरा होगा भाग्योदय तु ये जान |
....स्वस्तिक तो है
स्वस्तिक तो है देवोंका वरदान, पुर्ण करेगा वो तेरा हर काम |
स्वस्तिक तो है पवित्रताका नाम, शुध्ध करेगा तेरे पापी काम |
....स्वस्तिक तो है
स्वस्तिक तो है शांतिका नाम, तेरा जिवन सुखमय होगा ये तुं मान |
स्वस्तिक तो है भ्रातृत्वका नाम, स्वस्तिक ही करेगा तुम्हें किर्तीमान |
....स्वस्तिक तो है
स्वस्तिक तो है सदगुण नाम, दूर करेगा वो हर दुर्गुणका नाम |
स्वस्तिक तो है समानता नाम, दूर करेगा वो भेदभावका नाम |
....स्वस्तिक तो है
स्वस्तिक तो है पावनताका नाम, तेरे गृहको करेगा वो तिरथधाम |
स्वस्तिक तो है प्रेमका नाम, तेरे गृहको करेगा वो स्वर्ग समान |
....स्वस्तिक तो है
स्वस्तिक तो है सीतारामका नाम, स्वस्तिक तो है राधेश्यामका नाम |
स्वस्तिक तो है श्री गणेशका नाम, जपले प्यारे तुं स्वस्तिकका नाम |
....स्वस्तिक तो है

आरती कीजीये श्री स्वस्तिककी....

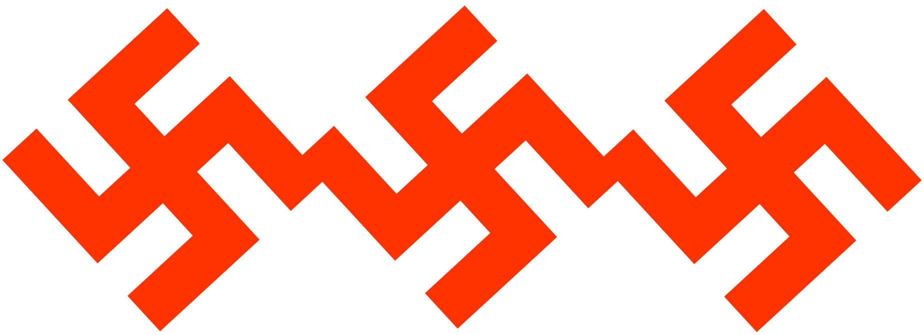
आरती कीजीये श्री स्वस्तिककी, आरती कीजीये प्रभुके प्रतिककी ।
शुभ मंगल कर्ता ये प्रतिककी, लाभ कल्याण कर्ता ये प्रतिककी । ...आरती.
तेरी कृपासे हर दुख मीट जायें, स्मरणसे ही कष्ट दूर हो जायें ।
विश्वजन सभी गुण तेरो गायें, जो मांगे वो सब कुछ पायें. ..आरती.
वंदनसे महा पुण्य वो पायें, जपते ही नाम संकट दूर हो जायें ।
पुजनसे पाप नष्ट हो जायें, सुंदर स्वरुप तेरा सबको भायें ।. ...आरती.
तपसे महा मुक्तिको पायें, दर्शनसे मन पावन हो जायें ।
ध्यानसे भाग्योदय हो जायें, जीवन सारा सफल हो जयें । ....आरती.
काम क्रोध मोह माया मिट जायें, स्वार्थ कपट तृष्णा नहीं आयें ।
शांति शक्ति सुमती आ जायें, धन्य धन्य ये जीवन हो जायें ।....आरती.
चतुर्वेदोंके महा अमृत रसकी, प्रथम पुजीत श्री गणेश स्वरुपकी ।
ब्रह्मा विष्णु शीवके स्वरुपकी, लक्ष्मी गौरी सरस्वतीके स्वरुपकी । ....आरती.
जो जन भावसे आरती तेरी गायें, स्वस्तिकका शुभाषिश वो पायें ।
स्वस्तिकानंदकी एक ही हैं बिनती, हरो हर पीडा तेरे भक्तजनोंकी ।....आरती.



जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक

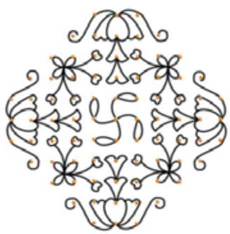
जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक देवा |
माता स्वरुप श्री देवीयां, पिता स्वरुप सर्वदेवा |
....जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक
प्रथम चिन्ह विश्वव्यापी, चतुर्भूजा धारी |
लाल रंगमें ये शोभे, अदभुत स्वरुप धारी |
....जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक
निर्धनको धन देत, दुःखीजनको सुख सारा |
ध्यान धरे पुजन करे, करे जो नित्य सेवा |
....जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक
निर्बल को शक्ति देत, भुखेको धान्य ढेरा |
रोगीको स्वास्थ्य देत, अंधेको वो दे नैनां |
....जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक
अज्ञानीको ज्ञान देत, अनपढको विद्यामाता |
बंधीतको मुक्ति देत, हर कष्ट हरे देवा |
....जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक
शुभ मंगल वो उनका करें, जो करे उनकी सेवा |
रिध्धि सिध्धि घरमें आयें, पामें वो महा मेवा |
....जय स्वस्तिक जय स्वस्तिक

[राग ; जय गणेश जय गणेश जय गणेश देवा]



स्वस्तिक तेरी महिमां

स्वस्तिक तेरी महिमां, जब विश्वजन ये गाये |
भक्तिभावसे जो भजले, तो पावन सभी हो जाये |
....स्वस्तिक तेरी महिमां
तुम देवोंका चिन्ह न्यारा, शत शत नमन हमारां |
आये हैं तेरे द्वारें, दर्शनकी अभिलाषासे |
....स्वस्तिक तेरी महिमां
करते हैं तेरी अराधनाएं, पुर्ण करने मनोकामनाएं |
वरदान दो शुभ हमें, हमतो आये हैं तेरे शरणमें |
....स्वस्तिक तेरी महिमां
शुभ लाल वर्ण तेरा, अतीसुन्दर ये रुप तेरा |
तेजोर्मय हैं वर्ण तेरा, अदभुत स्वरुप तेरा |
....स्वस्तिक तेरी महिमां
हैं प्रतिक प्रणयका भी, हैं चिन्ह शुभलाभका भी |
हे चतुर्भुजां वाले, तुम्हे कैसे प्रसन्न हम करें |
....स्वस्तिक तेरी महिमां
हैं शांति मंत्र भी तु, हैं शक्ति तंत्र भी तु |
हो कल्यण करने वाले, शुभ मंगल तु सर्व करदे |
....स्वस्तिक तेरी महिमां
जगमें हैं तु ही न्यारा, प्राणोंसे तु हैं प्यारा |
सर्वत्र जो हैं छाया, स्वस्तिक प्रतिक हमारां |
....स्वस्तिक तेरी महिमां



जगको तो ये बतादो

जगको तो ये बतादो, स्वस्तिक तो अति पावन हैं |
ये प्रतिक हैं जो पुण्यका, पुरे विश्वपे वो छा गया हैं |
....जगको तो ये बतादो
स्वस्तिक तो साधना हैं, स्वस्तिक तो आराधना हैं |
स्वस्तिक तो पूजा हैं, स्वस्तिक तो अर्चना हैं |
....जगको तो ये बतादो
स्वस्तिक तो योग हैं, स्वस्तिक तो तपस्या हैं |
स्वस्तिक तो भक्ति हैं, स्वस्तिक तो मुक्ति हैं |
....जगको तो ये बतादो
स्वस्तिक तो धर्म हैं, स्वस्तिक तो संस्कृती हैं |
स्वस्तिक तो परम्परा हैं, स्वस्तिक तो संस्कार हैं |
....जगको तो ये बतादो
स्वस्तिक तो सन्माननीय हैं, स्वस्तिक तो आदरणीय हैं |
स्वस्तिक तो वंदनीय हैं, स्वस्तिक तो पूजनीय हैं |
....जगको तो ये बतादो
स्वस्तिक तो शुभकारी हैं, स्वस्तिक तो लाभकारी हैं |
स्वस्तिक तो मंगलकारी हैं, स्वस्तिक तो कल्याणकारी हैं |
....जगको तो ये बतादो
स्वस्तिक तो भक्ति हैं, स्वस्तिक तो शक्ति हैं |
स्वस्तिक तो मुक्ति हैं, स्वस्तिक तो महामौक्ष हैं |
....जगको तो ये बतादो
स्वस्तिक तो परमेश्वर हैं, स्वस्तिक तो परमेश्वरी हैं |
स्वस्तिक तो श्रीगणेश हैं, स्वस्तिक तो सर्वस्व ही हैं |
....जगको तो ये बतादो
स्वस्तिक तो पवित्र हैं, स्वस्तिक तो पावन हैं |
स्वस्तिक तो आध्यात्मिक हैं, स्वस्तिक तो निर्दोशी हैं | ....जगको तो ये बतादो

स्वस्तिक करो कल्याण हमारां

स्वस्तिक करो कल्याण हमारां, स्वस्तिक करो शुभ सर्व हमारां |
स्वस्तिक करो मंगल हमारां, स्वस्तिक हरो हर दुःख हमारां |
....स्वस्तिक करो कल्याण हमारां
तुम हो माता पिता भी तुम हो, तुम हो बंधु सखा भी तुम हो |
तुम हो भगिनी भ्राता भी तुम हो, तुम हो मित्र संबंधी भी तुम हो |
....स्वस्तिक करो कल्याण हमारां
तुम हो सर्जक विसर्जक भी तुम हो, तुम हो पालक पोषक भी तुम हो |
तुम हो देव देवी भी तुम हो, तुम हो महाप्रभु परमेश्वर भी तुम हो |
....स्वस्तिक करो कल्याण हमारां
तुम हो तारक संहारक भी तुम हो, तुम हो रक्षक भक्षक भी तुम हो |
तुम हो दाता विधाता भी तुम हो, तुम हो कर्ता हर्ता भी तुम हो |
....स्वस्तिक करो कल्याण हमारां
तुम हो शिक्षक बोधक भी तुम हो, तुम हो गुरु स्वामि भी तुम हो |
तुम हो सहायक संचालक भी तुम हो, तुम हो दर्शक द्रष्टा भी तुम हो |
....स्वस्तिक करो कल्याण हमारां
तुम हो ज्ञान विज्ञान भी तुम हो, तुम हो दर्शन वेदों भी तुम हो |
तुम हो गीता रमायण भी तुम हो, जगमें सर्व श्रेष्ठ चिन्ह भी तुम हो |
....स्वस्तिक करो कल्याण हमारां
तुम हो शक्ति बल भी तुम हो, तुम हो भक्ति मुक्ति भी तुम हो |
तुम तो जगत के सर्वेश्वर हो, विश्वमें सर्व महान भी तुम हो |
....स्वस्तिक करो कल्याण हमारां



स्वस्तिक हरे हर कष्ट तमाम

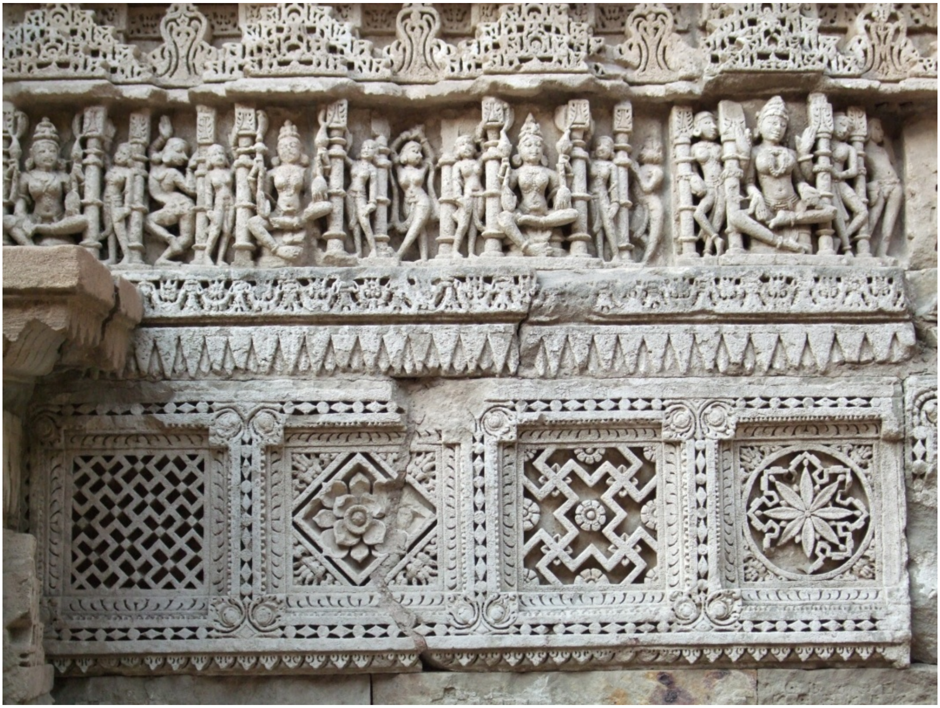
स्वस्तिक हरे हर कष्ट तमाम, स्वस्तिक हरे हर दुःख ये जान ।
स्वस्तिक करे हर मंगल काम, स्वस्तिक करे हर शुभ ये मान ।
....स्वस्तिक हरे हर कष्ट तमाम
स्वस्तिक तो हैं भगवानका नाम, स्वस्तिक हैं महाभगवतीका नाम ।
स्वस्तिक तो हैं सर्व शक्तिमान, भजले प्यारे तुं स्वस्तिकका नाम ।
....स्वस्तिक हरे हर कष्ट तमाम
स्वस्तिक तो हैं पावन गंगाका नाम, स्वस्तिक तो हैं सर्व तिर्थोंका धाम ।
स्वस्तिक तो हैं सर्व महान, रटले प्यारे तुं स्वस्तिकका नाम ।
....स्वस्तिक हरे हर कष्ट तमाम
स्वस्तिक तो हैं आर्यधर्म नाम, स्वस्तिक तो हैं सेवाका नाम ।
स्वस्तिक तो हैं सुश्रुताक नाम, जपले प्यारे तुं स्वस्तिकका नाम ।
....स्वस्तिक हरे हर कष्ट तमाम
स्वस्तिक तो हैं प्रेमका नाम, स्वस्तिक तो हैं करुणाका नाम ।
स्वस्तिक तो हैं दयाका नाम, पूजले प्यारे तुं स्वस्तिकका नाम ।
....स्वस्तिक हरे हर कष्ट तमाम
स्वस्तिक तो हैं मायाका नाम, स्वस्तिक तो हैं स्नेहका नाम ।
स्वस्तिक तो हैं अनुकम्पाका नाम, स्मरणले प्यारे तुं स्वस्तिकका नाम ।
....स्वस्तिक हरे हर कष्ट तमाम
स्वस्तिक तो हैं सुखका नाम, स्वस्तिक हैं तो शांतिका धाम ।
स्वस्तिक तो हैं समृध्धिका नाम, आराधले प्यारे तुं स्वस्तिक नाम ।
....स्वस्तिक हरे हर कष्ट तमाम
स्वस्तिक तो हैं वैभवका नाम, स्वस्तिक तो हैं रिध्धिसिध्धिका नाम ।
स्वस्तिक तो हैं ऐश्वर्यका धाम, साधले प्यारे तुं स्वस्तिकका नाम ।
....स्वस्तिक हरे हर कष्ट तमाम
स्वस्तिक तो हैं त्यागका नाम, स्वस्तिक तो हैं वैराग्यका नाम ।
स्वस्तिक तो हैं बलीदानका नाम, अर्पण करदे प्यारे तुं अपना प्राण ।

....स्वस्तिक हरे हर कष्ट तमाम

जो ले स्वस्तिकका नित्य शुभनाम, स्वस्तिक करेगा उनका कल्याण |

स्वस्तिक तो हैं महा ईश्वरका नाम, भजले प्यारे तुं स्वस्तिक नाम |

....स्वस्तिक हरे हर कष्ट तमाम







वर दे वर दे वर दे

वर दे वर दे वर दे हे स्वस्तिक हमें तुं शुभ मंगल वर दे |
कर दे कर दे कर दे हे स्वस्तिक कल्याण हमारां कर दे |
.... वर दे वर दे
सुख वैभवका, धन धान्यका, रिध्धि सिध्धिका वर दे |
.... वर दे वर दे
शांति संतोषका, सर्व सदभाव, संस्कार संयमका वर दे |
.... वर दे वर दे
शौर्य सहसका, शक्ति सामर्थ्यका, बल बुद्धिका वर दे |
.... वर दे वर दे
पद किर्तीका, बहुमानका, यश विजयका वर दे |
.... वर दे वर दे
शुभ विद्याका, शुभ वाणीका, शुध्ध विचारोंका वर दे |
.... वर दे वर दे
सद बुध्धिका, सदाचारका, सद व्यवहारका वर दे |
.... वर दे वर दे
सदकार्यका, शुभ आदर्शका, सद वर्तनका वर दे |
.... वर दे वर दे
प्रेम भावका, जनसेवाका, प्रभुसेवाका वर दे.
.... वर दे वर दे
प्रभु भक्तिका, प्रभु प्राप्तिका, आध्यात्मिक जीवनका वर दे |
.... वर दे वर दे
भर दे भर दे भर दे जीवन मेरां, परमानंदसे तुं भर दे ।
कर दे कर दे कर दे जीवन मेरां, सार्थक तुं कर दे |

भजले भजले भजले रे साधो तुं

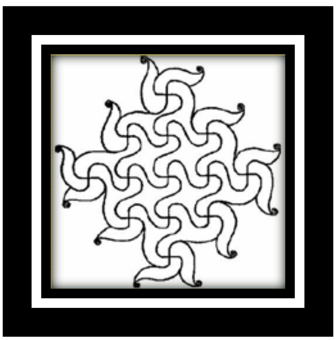
भजले भजले भजले रे साधो तुं, भजले रे स्वस्तिक नाम |
भजले भजले भजले रे सधो तुं, करनेको आत्म कल्याण |
....भजले भजले भजले रे साधो तुं
शुभ मंगलमय स्वरुप स्वस्तिक हैं, पावन प्रेम प्रभु प्रतिक स्वस्तिक हैं |
शुभ मंगल भाग्य और लाभको पाने, गाओ साधो श्री स्वस्तिकके गान |
....भजले भजले भजले रे साधो तुं
श्री गणेशजीके सर्व स्वरुप है, सर्व प्रतिकमें प्रथम पुजीत हैं |
हर कार्यको निर्विघ्न परिपुर्ण करने, नमो सौप्रथम स्वस्तिकके पास |
....भजले भजले भजले रे साधो तुं
रिध्धि सिध्धिके दाता स्वस्तिक हैं, धन धान्यके महापति स्वस्तिक हैं |
सुख समृध्धि सम्पत्तिको पाने, जपलो श्री स्वस्तिक नाम |
....भजले भजले भजले रे साधो तुं
ब्रह्मा विष्णु महेश स्वस्तिक हैं, लक्ष्मी पार्वती सरस्वती स्वस्तिक हैं |
ज्ञान ध्यान शक्ती वैभवको पाने, रटलो श्री स्वस्तिक नाम |
....भजले भजले भजले रे साधो तुं
अग्नि ईन्द्र रुद्र स्वस्तिक है, वायु वरुण सुर्य स्वस्तिक है |
विश्वदेवोंके शुभाशिषको पाने, स्मरण करो स्वस्तिक नाम |
....भजले भजले भजले रे साधो तुं
वसु यम सोम स्वस्तिक हैं, नवग्रहोंका स्वरुप स्वस्तिक हैं |
आधि व्याधि उपाधिको मिटाने, जपलो श्री स्वस्तिक नाम |
....भजले भजले भजले रे साधो तुं
सर्व देवरुप स्वस्तिक सभीके हैं, दुख दरिद्र सभीके हरते है |
हे परम कृपलु दयामय प्रभु मेरे, करदो कृपा हे भगवान |
....भजले भजले भजले रे साधो तुं

हे स्वस्तिक हमारा कल्याण करो

जय जय हरी ॐ श्री स्वस्तिक बोल, जय हरे हरे श्री स्वस्तिक बोल |
जय श्री स्वस्तिक स्वस्तिक बोल, हरी ॐ श्री स्वस्तिक स्वस्तिक बोल |
हे स्वस्तिक हमारा कल्याण करो, हम भक्तोंका उत्कर्ष करो |
हर राग द्वेष मिटे मनसे, हे परमपिता उपकार करो |.. हे..
दया कर दो दुःखको हरलो, आधिव्याधिको भी हरलो |
हर विघ्न विपत्तीको हरलो, हर कष्ट दरीद्रकोभी हरलो |.हे..
कृपा करदो हर पापोंको हरलो, हर कलह क्लेशकोभी हरलो
हम पापी प्रपंची संसारी हैं, फिर भी हम तेरे पूजारी हैं |..... हे..
जय आध्य देव आराध्य देव, जय चतुर्भुज जय अष्टांगि |
ये महेश्वर हैं ये महादेवी हैं, ये शुभकारी हैं मंगलकारी हैं |.हे..
हम पर कृपा यदि आप करें, तो सार्थक हो जायें हमारां जीवन |
यदि हो जायें हमें तेरे दर्शन, तो हो जायें धन्य हमारां जीवन |.हे..
हे पुरे विश्वमें हैं तु ही तु, मंदीर और गुफाओंमे तु ही तु |
अणुं अणुंमें तेरा अस्तित्वजो हैं, पुरे विश्वका पवित्र प्रतिक हैं तु |.हे..
जय जय हरी ॐ श्री स्वस्तिक बोल, जय हरे हरे श्री स्वस्तिक बोल |
जय श्री स्वस्तिक स्वस्तिक बोल, हरी ॐ श्री स्वस्तिक स्वस्तिक बोल |
हम भोगी हैं खल कपटी हैं, हम क्रोधी है हम कामी हैं |
हम भक्तजनों को क्षमा करदो, उपकार करो हे परोपकारी |.हे..
ये जगमें हैं पावन नाम तेरा, हर मुख पर हैं शुभनाम तेरा |
श्रध्धासे सुमन हम लाये हैं, प्रभु प्रेमसे ये स्विकार करो |.हे..
सकल सृष्टीके हो तुम परमेश्वर, तेरे जैसा वरदानी कोइ नहीं |
तुम सर्वके भाग्यविधाता हो, हम पर भी दयाकी दृष्टी करो |.हे..
मैं तो बनकर याचक आया हुं, हम रंक पर प्रभु अनुकंपा करो |
मेरे जीवनका कल्याण करो, हमें सुख शांतिका महा वरदान भी दो |.हे..

ॐ श्री स्वस्तिक ॐ श्री स्वस्तिक

ॐ श्री स्वस्तिक ॐ श्री स्वस्तिक, जय जय जय हरी ॐ श्री स्वस्तिक ।
जय ॐ श्रीस्वस्तिक जय ॐ श्रीस्वस्तिक, जय जय जय हरी ॐ श्री स्वस्तिक ।
ॐ श्री स्वस्तिक ॐ श्री स्वस्तिक
आर्यजनोंका महा प्राण है स्वस्तिक, आर्यसंस्कृतीकी धरोहर है स्वस्तिक ।
विश्वधर्मका महा प्रतिक है स्वस्तिक, आर्यधर्मका महा ज्ञान है स्वस्तिक ।
ॐ श्री स्वस्तिक ॐ श्री स्वस्तिक
वेदोंका महा मूलमंत्र हैं स्वस्तिक, गीताजीका महा उपदेश है स्वस्तिक ।
पुण्य पवित्र पावन है स्वस्तिक, विश्वका अतिउत्तम प्रतिक है स्वस्तिक ।
ॐ श्री स्वस्तिक ॐ श्री स्वस्तिक
मंगलशुभ संज्ञाका संकेत है स्वस्तिक, जग कल्याणका नाम है स्वस्तिक ।
आत्म शांतिका महा सुत्र है स्वस्तिक, तन सुखका महा औषध हैं स्वस्तिक ।
ॐ श्री स्वस्तिक ॐ श्री स्वस्तिक
मानवताका महा बीज है स्वस्तिक, सभ्यताका सोनामहोर है स्वस्तिक ।
प्रेमस्नेहका महा पुष्प है स्वस्तिक, मित्रभावका अमुल्य रतन हैं स्वस्तिक ।
ॐ श्री स्वस्तिक ॐ श्री स्वस्तिक
विश्वमें सर्व प्रचलित हैं स्वस्तिक, जगका भाग्य विधाता हैं स्वस्तिक ।
विश्वमें वधुतम वंदनिय हैं स्वस्तिक, पृथ्वीपती परमेश्वर है स्वस्तिक ।
ॐ श्री स्वस्तिक ॐ श्री स्वस्तिक



ॐ जय श्री स्वस्तिकम्

ॐ जय श्री स्वस्तिकम्, प्रभु ॐ श्री स्वस्तिकम् ।
आर्यजनोंके संकट, तत क्षण दूर करे ।
ॐ जय श्री स्वस्तिकम्
श्रध्धासे जो भजले, दुःख मिटे उनका..प्रभु [२]
रिध्धि सिध्धि घर आवें..[२] कष्ट मिटे भवका ।
ॐ जय श्री स्वस्तिकम्
तुम हो ब्रह्मा स्वरुप, तुम शीवकी शक्ति..प्रभु [२]
तुम हो विष्णुका सुदर्शन ..[२], तुम अंतरयामी ।
ॐ जय श्री स्वस्तिकम्
तुम हो अष्ठ विनायक, तुम शुभ लाभदायी..प्रभु [२]
तुम हो विघ्न विनाशक..[२], तुम हो कल्याणी ।
ॐ जय श्री स्वस्तिकम्
तुम हो भग्यविधाता, तुम शांतिकारी..प्रभु [२]
संतति सम्पत्ति दाता..[२], तुम मंगलकारी ।
ॐ जय श्री स्वस्तिकम्
तुमहो काली भवानी, तुम अंबीका मां..मां [२]
सर्वदेवीओंकी शक्ति, शत्रु विनाशिनी मां ।
ॐ जय श्री स्वस्तिकम्
सुख कर्ता दुःख हर्ता, तुम रक्षक सर्वके..प्रभु [२]
आनंद मंगल करदो. [भक्ति भावसे भरदो]
., हे स्वस्तिक मेरे स्वामि ।
ॐ जय श्री स्वस्तिकम्
भाव भक्तिसे कोई, स्वस्तिक गुण गावें ..प्रभु [२]
भौतिक सुखको भोगके..[२] मौक्ष परम पावे ।
ॐ जय श्री स्वस्तिकम्

जय बोलो जय जय स्वस्तिक की.......

जय बोलो जय जय स्वस्तिक... की, श्रध्धासे बोलो जय स्वस्तिक... की |
प्रेमसे बोलो जय स्वस्तिक... की, मनसे बोलो जय स्वस्तिक... की |
.... जय बोलो जय जय स्वस्तिक की

सुखकर्ता दुःखहर्ता स्वस्तिक... की, विघ्न-विकटहर्ता स्वस्तिक... की |
संकट कष्टहर्ता स्वस्तिक... की, पिडा दरीद्रहर्ता स्वस्तिक की |
.... जय बोलो जय जय स्वस्तिक की

आपत्ति हर हर्ता स्वस्तिक... की, विपत्ति दूरकर्ता स्वस्तिक... की |
आधि-व्याधि दूरकर्ता स्वस्तिक... की,भय-डर दूर कर्ता स्वस्तिक... की |
.... जय बोलो जय जय स्वस्तिक की

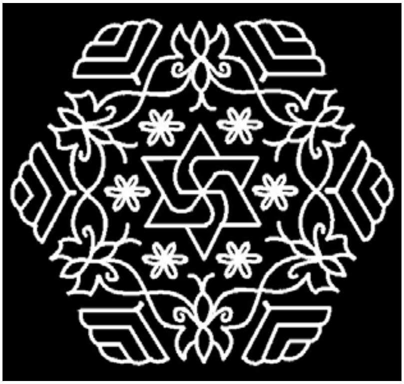
ज्ञान बुध्धि देता स्वस्तिक... की, सुत सम्पत्ति देता स्वस्तिक... की |
समृध्धि दाता स्वस्तिक... की, सुख-शांति दाता स्वस्तिक... की |
.... जय बोलो जय जय स्वस्तिक की

धन वैभव देता स्वस्तिक... की, सर्व शुभम कर्ता स्वस्तिक... की |
मनोरथ पुर्णकर्ता स्वस्तिक... की, ईच्छित वर देता स्वस्तिक की |
.... जय बोलो जय जय स्वस्तिक... की

प्रभु प्रतिती कर्ता स्वस्तिक... की, मुक्ति मौक्ष अर्पिता स्वस्तिक... की ।
दिव्य दर्शन देता स्वस्तिक... की, भव्य जिवन कर्ता स्वस्तिक... की ।
.... जय बोलो जय जय स्वस्तिक... की |

भजलो भजलो भजलो रे भैयां......

भजलो भजलो भजलो रे भैयां, श्री स्वस्तिक नामको भजलो रे |
जपलो जपलो जपलो रे बहेनां, श्री स्वस्तिक जापको जपलो रे |
........भजलो भजलो भजलो रे भैयां
स्वस्तिक नाम है पुण्य प्रतापी, स्वस्तिक प्रतिक है पंचपरमेश्वरी |
स्वस्तिक नाम है कृपा कल्याणी, स्वस्तिक प्रतिक है महामहेश्वरी |
........भजलो भजलो भजलो रे भैयां
स्वस्तिक नाम है महा मंगलकारी, स्वस्तिक नाम है महा शुभकारी |
स्वस्तिक नाम है परम कृपलु, स्वस्तिक नाम तो है परम दयालु |
........भजलो भजलो भजलो रे बहेनां
स्वस्तिक नाम है सब सुखकर्ता, स्वस्तिक नाम है हर दुःख हर्ता |
स्वस्तिक नाम है विघ्नविनाषि, स्वस्तिक नाम है महा फलदायी |
........भजलो भजलो भजलो रे भैयां
स्वस्तिक नाम है महा गुणकारी, स्वस्तिक नाम है महा लाभकारी |
स्वस्तिक नाम है महा शक्तिशाली, स्वस्तिक नाम है महा भाग्यशाली |
........भजलो भजलो भजलो रे भैयां
स्वस्तिक नाम है महा ॐकारी, स्वस्तिक नाम है गगनबिहारी |
स्वस्तिक नाम है महा मौक्षकारी, स्वस्तिक नाम है मृत्युंजयकारी |
........भजलो भजलो भजलो रे बहेनां



स्वस्तिक प्रतिक महान हैं जगमें....

स्वस्तिक प्रतिक महान हैं जगमें, स्वस्तिक प्रतिक प्रेम हैं जगमें|
स्वस्तिक परमेश्वर नाम हैं जगमें, स्वस्तिक मौक्षका मार्ग हैं जगमें|
.....स्वस्तिक प्रतिक महान हैं जगमें
कोई कहे तुम ब्रह्मा स्वरुप हो, कोइ कहे तुम सृष्ठि सर्जक हो|
ब्रह्मज्ञानके वेद तुम्ही हो, ब्रह्मस्त्रोंकी शक्ति भी तुम्ही हो!
...स्वस्तिक प्रतिक महान हैं जगमें
कोई कहे तुम विष्णु स्वरुप हो, कोइ कहे तुम जग पालक हो|
त्रिलोकोंके संचालक तुम हो, कर्म धर्मके संरक्षकभी तुम हो|
...स्वस्तिक प्रतिक महान हैं जगमें
कोई कहे तुम शीव स्वरुप हो, कोइ कहे तुम महाशक्ति स्वरुप हो|
सृष्ठिके प्रलय कर्ता तुम हो, दुष्टोंके संहारकभी तुम हो!
....स्वस्तिक प्रतिक महान हैं जगमें
कण कणमें तुम प्रभु स्वरुप हो, स्वस्तिक रुपमें त्रिमुर्ती तुम हो|
मंगल लाभ-शुभकर्ता तुम हो, भक्तोंके रक्षकभी तुम हो|
....स्वस्तिक प्रतिक महान हैं जगमें



आरती करुं मैं श्री स्वस्तिक की.....

आरती करुं मैं श्री स्वस्तिक की,
आरती करुं मैं जय श्री गणेश की।
.... आरती करुं मैं..
सुखकर्ता और दुःख हर्ता की,
विघ्नविनायक मंगल मूर्ति की।
.... आरती करुं मैं..
रिध्धी सिध्धीके प्राण पति की,
धन वैभवके महा दानी की।
.... आरती करुं मैं..
स्वस्तिक रुप महा परमेश्वर की,
देवोंमें सर्वप्रथम गणपति की।
.... आरती करुं मैं..
बल बुध्धि अर्पण कर्ता की,
गजमुखधारी श्री गजानन की।
... आरती करुं मैं..
संतती सम्पत्ति अर्पण कर्ता की,
परम कृपालु सिध्धी विनायक की।
... आरती करुं मैं..
अष्ट विनायक चतुर्भुज चिन्ह की,
ज्योतिर्मय श्री गणाधिपती की।
... आरती करुं मैं..
आरती स्विकारो मेरी भावभक्ति की,
आशिष दो मेरे शुभ कल्याण की।
... आरती करुं मैं..

ॐ श्री स्वस्तिक तुम्हारे शरणमें...

ॐ श्री स्वस्तिक तुम्हारे शरणमें, नमन हम करें तुम्हारे चरणमें।
ॐ श्री स्वस्तिक तुम्हारे प्रणयमें, जीवन हम बितायें तुम्हारें स्मरणमें।
.... ॐ श्री स्वस्तिक तुम्हारे शरणमें.
स्वस्तिक ही एक ऐसा प्रतिक हैं, जो मनमें शांती प्रगटायें।
स्वस्तिक ही एक ऐसा स्वरुप हैं, जो जगको शुभमंगल बनायें।
.... ॐ श्री स्वस्तिक तुम्हारे शरणमें.
स्वस्तिक ही एक ऐसा साधन हैं, जो सुखका मार्ग दिखायें।
स्वस्तिक ही एक ऐसा वरदान हैं, जो जीवन सार्थक बनायें।
.... ॐ श्री स्वस्तिक तुम्हारे शरणमें.
स्वस्तिक ही तो वो महामारग हैं, जो मौक्षका द्वार दिखायें।
स्वस्तिक ही तो वो आराधन हैं, जहां ईश्वरको हम पायें।
.... ॐ श्री स्वस्तिक तुम्हारे शरणमें.
स्वस्तिक ही तो प्रभुकी प्रतिभा हैं, जो हर संकटको मिटायें।
स्वस्तिक ही तो प्रभुकी शक्ति हैं, जो हमें शुरवीर बनायें।
.... ॐ श्री स्वस्तिक तुम्हारे शरणमें.
स्वस्तिक ही तो प्रभुकी भक्ति हैं, जहां वांच्छितफल सभी पयें।
स्वस्तिक ही तो जगजननी रुप हैं, जो हमें अमृतरस पिलायें।
.... ॐ श्री स्वस्तिक तुम्हारे शरणमें.

दोहा

स्वस्तिक प्रतिक कृुपा करो। करो हृुदयमें वास ॥
मनोकमना मेरी सिध्ध करो। परीपूर्णकरो मेरी आश ॥

ॐ नमो स्वस्तिक....

ॐ नमो स्वस्तिक दुःखहर्ता, ॐ नमो स्वस्तिक सुखकर्ता|
ॐ नमो स्वस्तिक शुभकर्ता, ॐ नमो स्वस्तिक सुमंगलकर्ता|
....ॐ नमो स्वस्तिक दुःखहर्ता..
अदभूत हैं आकार तुम्हारा, ज्योतिर्मय है प्रतिक तुम्हारा|
अतीसुंदर हैं स्वरुप तुम्हारा, मनमोहक हैं रुप तुम्हारा |
....ॐ नमो स्वस्तिक सुखकर्ता..
रक्तवर्ण हैं अति शुभकारा, तुम ही हो पुरे विश्वमें सारा|
चतुर्भुज हैं महा शक्तिवाला, जय बोले स्वस्तिक जग सारा|
....ॐ नमो स्वस्तिक शुभकर्ता ..
महिमां हैं अपरम्पार तुम्हारा, दर्शनसेही तेरे सबकुछ पाया|
स्मरण करे तुम्हें कोईभी अभागा, मनोरथ पूर्ण होजाये सारा|
....ॐ नमो स्वस्तिक सुमंगलकर्ता..
पावन प्रेम प्रतिक हैं तुम्हारा, शुभ शांतिका सन्देश तुम्हारा,
विश्वविजयका उदघोष तुम्हारा, विश्वबंधुत्वका आदर्श तुम्हारा|
....ॐ नमो स्वस्तिक दुःखहर्ता..
स्वस्तिकके गुण जीसने गाया, ईस भवमें महा मोक्षको पाया|
स्वस्तिकानंद हर हमेश हैं तेरा, करो हरी वास ह्रदयमें मेरा|
....ॐ नमो स्वस्तिक सुखकर्ता..

दोहो

ॐ शांतिका मंत्र हैं स्वस्तिक हैं शुभ लाभ ।
सर्व मंगल स्वस्तिक करें, जो भावे भजे श्री गणेश ।

स्वस्तिक सिम्बोल.. SWASTIKA SYMBOL

हे SYMBOL,SYMBOL, SYMBOL रे, मैं तो सबसे बडा हुं SYMBOL रे |
हे SWASTIKA, SWASTIKA, SWASTIKA रे, मैं तो पूरे विश्वका हुं SYMBOL रे |
..... हे SYMBOL,SYMBOL....
आदिअनादि कालसे मैं तो, मानवका मानिता SYMBOL रे |
विश्वके हर कोने कोने मैं, व्यापक हैं SWASTIKA का SYMBOL रे |
..... हे SYMBOL,SYMBOL....
आर्यधर्ममें उत्पन्न हुआ हुं, शुभ SWASTIKA का हुं मैं SYMBOL रे |
आर्य जाती संस्कृतिका मैं हुं, परम पवित्र ये SYMBOL रे |
..... हे SYMBOL,SYMBOL....
आर्यवर्तमैं प्रगट हुआ मैं, शुभकारी मेरा हैं SYMBOL रे |
SWASTIKA,SWASTIKA,SWASTIKA मैं तो, आर्यजनोंका SYMBOL रे |
..... हे SYMBOL,SYMBOL....
सप्त खंडोंके सब जनसमुहोंमें, अग्रेसर है मेरा सदा नाम रे |
भारत, चीन्, जापन, पुर्वके देशोमें, जपे सभी शुभ स्वस्तिक नाम रे |
..... हे SYMBOL,SYMBOL....
शांती, सभ्यता, संस्कृतताका, मैं हुं GENTLE SYMBOL रे |
प्रेम, करुणा, अनुकंपाका, मैं हुं सनातन SYMBOL रे |
..... हे SYMBOL,SYMBOL....
पुरे विश्वके हर प्राणींजनोंका, मैं तो सुखकर्ता दुःखहर्ता रे |
शुभ लाभका चमत्कारी CHARM मैं, सर्वजनोंका मै भाग्यविधता रे |
..... हे SYMBOL,SYMBOL....
भातृभाव, सहचार, समानता, महा आदर्श हैं वो हमारा रे |
शांती, शुभेच्छा , शुभकामनाका, मै हुं PEACEFUL SYMBOL रे |
..... हे SYMBOL,SYMBOL....
मान मर्यादा पुरुषोत्तम मैं हुं, आर्यजनोंका हुं मैं प्राण रे |

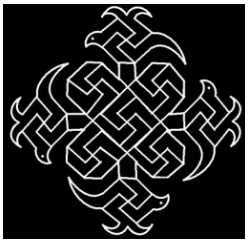
जगमें दुजा कोई SYMBOL नाहीं, जो कभी ना ले मेरा स्थान रे |
..... हे SYMBOL,SYMBOL....
हर धर्मोंके देवदेवीओं से, मेरा हैं निकटका नाता रे |
जन्म से मृत्यु तक हरजनने मुझे, मंगल शुभकारी माना रे |
..... हे SYMBOL,SYMBOL....
HATE कभी ना मुझे भुलसेभी करना, मैं तो हुं PIOUS SWASTIKA रे |
मैं तो हुं SYMBOL GOOD LUCK का, मेरा HITLER से ना लेना देना रे |
..... हे SYMBOL,SYMBOL....

दोहा

जय स्वस्तिक सदगुण प्रतिक, साक्षात हैं श्री गणेश स्वरुप |
हरविघ्नों हरी सर्व मंगल करे, हे श्री ब्रह्मा विष्णु महेश |

दोहा

स्वस्तिक सनातन धर्म प्रतिक हैं, आर्यजनोंका हैं स्वाभिमान |
स्वस्तिक संस्कृतिका मूल है, पावन पवित्र गंगाजलके समान |
स्वस्तिक श्री ब्रह्माका स्वरुप हैं, मां सरस्वतीका हैं विद्यादान |
स्वस्तिक श्री विष्णुका स्वरुप हैं, मां महालक्ष्मीका हैं वैभवदान |
स्वस्तिक श्री महेशका स्वरुप हैं, मां पर्वतीका हैं शक्तिदान |
स्वस्तिक श्री गणेशका स्वरुप हैं, मां रिध्धिसिध्धिका हैं वरदान |
स्वस्तिक तो एक महा मंत्र है, महा तंत्र उसे तु मान !
स्वस्तिक तो एक महा यंत्र है, जो करता है जनकल्याण |



विश्वका प्रथम प्रतिक हैं स्वस्तिक

विश्वका प्रथम प्रतिक हैं स्वस्तिक, करो स्वस्तिको विनम्र प्रणाम ।
विश्वके हर कोने कोनेमें, स्वस्तिकका हैं सर्वोत्तम स्थान ।
....विश्वका प्रथम प्रतिक..
युगों युगोसे विश्व ये सारा, करता रहा हैं अविरत बहुमान ।
विश्वके हर प्राचिन धर्मोंमें, स्वस्तिकका है अग्रज स्थान ।
....विश्वका प्रथम प्रतिक..
आर्य धर्म,संस्कृति,सभ्यताका, स्वस्तिक है प्रतिभा ध्वज समान ।
विश्वके सभी शुभप्रतिकोमें, अतीसुंदर स्वस्तिक हैं सर्वमहान ।
....विश्वका प्रथम प्रतिक..
पावन प्रभु प्रतिक हैं स्वस्तिक, यहि तो हैं प्रभुका वरदान ।
मानव सेवा और समानताका, ये तो है शुभ प्रतिक महान ।
....विश्वका प्रथम प्रतिक..
पुर्व विश्वके हर धर्मोंमें, स्वस्तिकका है परम पूजनीय स्थान ।
ॐ नमो श्री स्वस्तिककी गुंजसे, करते है सब उसे प्रणाम ।
....विश्वका प्रथम प्रतिक..
प्रेम,भाग्य और भक्तिका, स्वस्तिक तो हैं बस एक प्रमाण ।
शुभ, शांति, मंगल ये प्रतिकको, कोटी कोटी तुम करो प्रणाम ।
....विश्वका प्रथम प्रतिक..
विश्वमें सुख वैभव भोगोंका, महामंत्र हैं स्वस्तिक ये मान ।
रटलो प्रेमसे विश्वजनों तुम, हो जायेगा तुम्हारा कल्याण ।
....विश्वका प्रथम प्रतिक..
विश्वशांतिका दुत हैं स्वस्तिक, एकताके शुभसन्देशका नाम ।
स्वस्तिक प्रतिक तो हैं ईश्वर, करो विश्वजन उनका सन्मान ।
....विश्वका प्रथम प्रतिक..
दुष्टोंके कुकर्मों के लिये, ना छोडो अपना स्वाभिमान ।

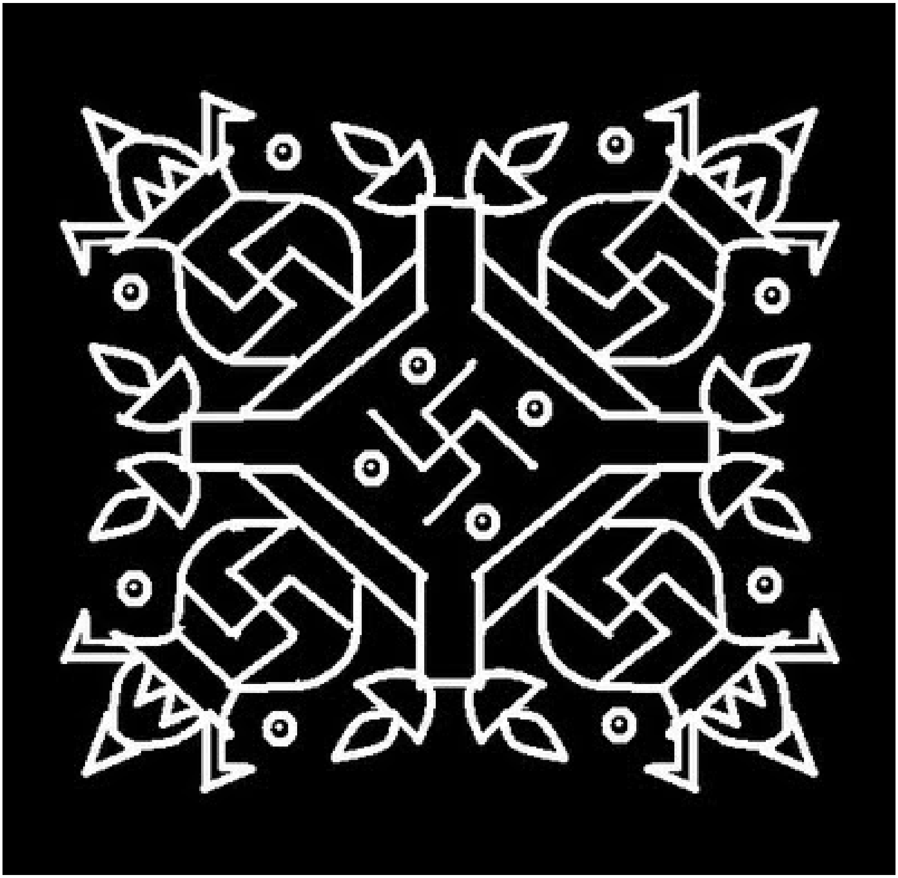
स्वस्तिक था, हैं और रहेगा हमेशां, गौरवसे लो सब स्वस्तिकका नाम |

....विश्वका प्रथम प्रतिक..

विश्वके महाराष्ट्र संघमें, स्वस्तिकको दो महापदका स्थान |

विश्वजनों सभी साथमें रहकर, गाओ ये स्वस्तिकके शुभगान |

....विश्वका प्रथम प्रतिक..



स्वस्तिक करो कल्याण हमारा....

स्वस्तिक करो कल्याण हमारा, स्वस्तिक करो शुभ सर्व हमारा |
स्वस्तिक करो मंगल सर्व हमारा, स्वस्तिक हरो हर कष्ठ हमारा |
......स्वस्तिक करो कल्याण हमारा ..
हम तो हैं जन अभिमानी घमंडी, छल कपटके हैं हम संगी |
हम तो हैं जन पापी प्रपंची, पाप हरो सर्व हमरे हे स्वामि |
......स्वस्तिक करो कल्याण हमारा ..
हम तो हैं जन भुले भटके, कुकर्मोंकी हमारी हैं हर करनी |
हम तो हैं जन दुष्ट अधर्मी, मार्ग दिखाओ हमें सद् धर्मोंकी |
......स्वस्तिक करो कल्याण हमारा ..
हम तो हैं जन कामी क्रोधी, मोह माया ममताके रोगी |
हम तो हैं लालच लोभके भोगी, शांति प्रदान करो हमें आत्माकी |
......स्वस्तिक करो कल्याण हमारा ..
हम तो हैं जन मुढ और ढोंगी, कुटेव कुलक्षणके हैं हम आदी |
हम तो हैं जन अहंकारी और भोगी, दूर्गुणोंसे हमें देदो महामुक्ति |
......स्वस्तिक करो कल्याण हमारा ..
हम तो हैं जन पतीत पाखंडी, अंधकारमें भटकते हैं हम प्राणी |
हम तो है जन भोग विलाशी, भौतिक सुखमें रचे हैं हम प्राणी |
......स्वस्तिक करो कल्याण हमारा ..
हम तो हैं जन अबुध अज्ञानी, धर्म कर्मकी कोइ बात न जानी |
प्रभुभक्तिको कभी नहीं मानी, क्षमा करो प्रभु हर भुल हमारी |
......स्वस्तिक करो कल्याण हमारा ..
ज्योत जगाओ तुम महाभक्तिकी, पावन करदो प्रभु प्राण हमारी |
मार्ग बताओ आध्यात्मक जिवनकी, प्रभु भक्तिके महासंगमकी |
......स्वस्तिक करो कल्याण हमारा ..

स्वस्तिक नमन स्वस्तिक नमन

स्वस्तिक नमन, स्वस्तिक नमन, करो प्रेमसे स्वस्तिक नमन |
स्वस्तिक स्मरण, स्वस्तिक स्मरण, करो भक्तिसे स्वस्तिक स्मरण |
......स्वस्तिक नमन, स्वस्तिक नमन..
स्वस्तिक तो एक महा मंत्र हैं, स्वस्तिक तो एक महा तंत्र हैं |
स्वस्तिक तो एक महा यंत्र हैं, स्वस्तिक तो एक महा योग हैं |
......स्वस्तिक नमन, स्वस्तिक नमन..
स्वस्तिक तो एक महा ज्ञान हैं, स्वस्तिक तो एक महा ध्यान हैं |
स्वस्तिक तो एक महा जाप हैं, स्वस्तिक तो एक महा पाठ हैं |
......स्वस्तिक नमन, स्वस्तिक नमन..
स्वस्तिक तो एक महा यज्ञ हैं, स्वस्तिक तो एक महा अनुष्ठान हैं |
स्वस्तिक तो एक महा शक्ति हैं, स्वस्तिक तो एक महा भक्ति हैं |
......स्वस्तिक नमन, स्वस्तिक नमन..
स्वस्तिक तो एक महा विज्ञान हैं, स्वस्तिक तो एक महा संसार हैं |
स्वस्तिक तो एक महा तप हैं, स्वस्तिक तो एक महा आस्था हैं |
......स्वस्तिक नमन, स्वस्तिक नमन..
स्वस्तिक तो एक महा धर्म हैं, स्वस्तिक तो एक महा कर्म हैं |
स्वस्तिक तो एक महा अर्थ हैं, स्वस्तिक तो एक महा मौक्ष हैं |
......स्वस्तिक नमन, स्वस्तिक नमन..
स्वस्तिक तो एक महा सृष्ठि हैं, स्वस्तिक तो एक महा संसार हैं |
स्वस्तिक तो एक महा मार्ग हैं, स्वस्तिक तो एक महा पार्थ हैं |
......स्वस्तिक नमन,स्वस्तिक नमन..
स्वस्तिक तो एक महा श्री गणेश् हैं, स्वस्तिक तो एक महा त्रीदेव हैं |
स्वस्तिक तो एक महा सिध्धि हैं, स्वस्तिक तो एक महा रिध्धि हैं |
......स्वस्तिक नमन, स्वस्तिक नमन..
स्वस्तिक तो आर्योंका प्रतिक है, स्वस्तिक तो आर्योंकी प्राण हैं |

स्वस्तिक तो आर्योंका स्वमान है, स्वस्तिक तो आर्योंका गर्व हैं |
......स्वस्तिक नमन, स्वस्तिक नमन..
स्वस्तिकको जो जन पूजता हैं, वो आनंद मंगल पाता हैं |
स्वस्तिकके शरणमें जो जाता हैं, सुख संपत्तिको वो पाता हैं |
......स्वस्तिक नमन, स्वस्तिक नमन..

आर्य धर्मका प्रतिक है स्वस्तिक

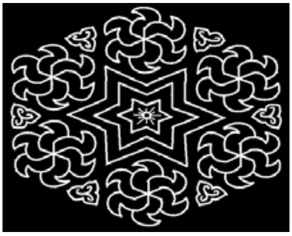
आर्य धर्मका प्रतिक है स्वस्तिक, आर्य धर्म हैं हमारा |
शुभ मंगल कल्याण है स्वस्तिक, स्वस्तिक प्रतिक हमारा |
....आर्य धर्मका प्रतिक है स्वस्तिक
युगों युगोंसे हैं ये प्रचलित, विश्व प्रतिक हैं हमारा |
हर जाती धर्मोंमें आदरणीय, विश्वजनों को है वो प्यारां |
....आर्य धर्मका प्रतिक है स्वस्तिक
सत्य शीव सुंदर हैं स्वस्तिक, प्रभु प्रतिक हैं न्यारां |
पुण्य पवित्र अविचल है स्वस्तिक, सप्तसिंधुकी है वो धारां |
....आर्य धर्मका प्रतिक है स्वस्तिक
वृध्धि वैभव विकाश है स्वस्तिक, जीवन आधार हैं वो हमारा |
सुख शांति संमृध्धि है स्वस्तिक, मौक्षका मार्ग है वो हमारा |
....आर्य धर्मका प्रतिक है स्वस्तिक
शांति प्रेम सहचार है स्वस्तिक, एकताका यंत्र है हमारा |
विश्वशांतिका महामंत्र हैं स्वस्तिक, विश्वदूत है ये हमारां |
....आर्य धर्मका प्रतिक है स्वस्तिक
मानवताका महारत्न हैं स्वस्तिक, सभ्यताका हैं वो हीरा |
संस्कृतिका महामोती हैं स्वस्तिक, अमुल्य प्रतिक है हमारां |
....आर्य धर्मका प्रतिक है स्वस्तिक
आर्यभूमिका गौरव हैं स्वस्तिक, आर्योंकी किर्तीका हैं वो महातारा |
आर्यजनोंका पूजनिय है स्वस्तिक, हरी ॐ स्वस्तिकका है हमारां नारा |
....आर्य धर्मका प्रतिक है स्वस्तिक

आरती किजिये श्री स्वस्तिककी

आरती किजिये श्री स्वस्तिककी, आरती किजिये पावन ये प्रतिककी |
दुःखहारी भीड भंजनकारीकी, सुखकारी महा मंगलकारीकी |
....आरती किजिये श्री स्वस्तिककी
जो जन स्वस्तिक जपको जपले, धर्म कर्ममें महा उन्नति पावे |
आधि व्याधि कभी धरमें न आवे, रोग कष्ठको दूर हठायें |
....आरती किजिये श्री स्वस्तिककी
जो जन स्वस्तिकके गुण गावें, धन धान्य वैभवको पावें |
सुख संपत्ति और शन्ति पावें, बल बुध्धि और शक्ति वो पावें |
....आरती किजिये श्री स्वस्तिककी
जो जन स्वस्तिक नामको रटलें, भूत प्रेत कभी पांस न आवें |
हर पल कुद्रष्टिसे बचाये, पिचाश चुडेलको दूर भगायें |
....आरती किजिये श्री स्वस्तिककी
जो जन स्वस्तिकको भक्तिसे भजलें, आपत्ति-विपत्ति कभी नहीं आयें |
संकट विकट कभी द्वार न आयें, अकस्मातसे तुम्हें वो ही बचायें |
....आरती किजिये श्री स्वस्तिककी
जो जन स्वस्तिक पर ध्यान लगायें, वृध्धि विकाश समृध्धि पावें |
विनय विवेक सुविचार मनमें लावें, आध्यत्मिकताको जिवनमें लहरायें |
....आरती किजिये श्री स्वस्तिककी
जो जन स्वस्तिक शरणमे आयें, स्वस्तिक कृपासे सभी कुछ पायें |
मनवांछित वो फलको पायें, पुण्य पवित्र पावन हो जायें |
....आरती किजिये श्री स्वस्तिककी
जो जन स्वस्तिक पाठको पढलें, तन मन ध्यानसे पुष्प चढायें |
किर्ती मान महा प्रतिष्ठाको पावें, जगमें नाम सर्वमहान बनायें |
....आरती किजिये श्री स्वस्तिककी
जो जन स्वस्तिककी आरती गावें, ईस भवमें परमानंदको पावें |
धर्म कर्ममें उन्नति पाके, ईस जिवनमें ही मोक्षको पावें | ....आरती किजिये

स्वस्तिक तुम्हें शत शत नमन

स्वस्तिक तुम्हें शत शत नमन, स्वस्तिक जपुं मैं हर जनम |
अर्पण तुम्हें करुं मैं श्रध्धा सुमन, तेरे नामकी लागी हैं लगन |
....स्वस्तिक तुम्हें शत शत नमन
स्वस्तिक तो हैं मेरी आस्था, स्वस्तिक तो हैं मेरी आराधना |
स्वस्तिक तो हैं मेरी साधना, स्वस्तिक तो हैं मेरी तपश्चर्या |
....स्वस्तिक तुम्हें शत शत नमन
स्वस्तिक तो हैं मेरी महापूजा, स्वस्तिक तो हैं मेरी अर्चना |
स्वस्तिक तो हैं मेरी प्रार्थना, स्वस्तिक तो हैं मेरी संध्या |
....स्वस्तिक तुम्हें शत शत नमन
स्वस्तिक तो हैं मेरी भावना, स्वस्तिक तो हैं मेरी मनोकामना |
स्वस्तिक तो हैं मेरी यात्रा, स्वस्तिक तो हैं मेरी परीक्रमा |
....स्वस्तिक तुम्हें शत शत नमन
स्वस्तिक तो हैं भक्ति मेरी, स्वस्तिक तो हैं शक्ति मेरी |
स्वस्तिक तो हैं आत्मा मेरी, स्वस्तिक तो हैं ये देह मेरी |
....स्वस्तिक तुम्हें शत शत नमन
स्वस्तिक तो हैं मेरे देवता, स्वस्तिक तो हैं मेरी मातृका |
स्वस्तिक तो हैं मेरे सर्वेश्वरा, स्वस्तिक बीना ना है कोइ दुजा |
....स्वस्तिक तुम्हें शत शत नमन
स्वस्तिक तो मेरा प्राण हैं, स्वस्तिक तो मेरा श्वांस है |
स्वस्तिक तो है मेरा जिवन, अर्पण करुं मै तेरे शरण |
....स्वस्तिक तुम्हें शत शत नमन



भजलो भावसे श्री स्वस्तिकको

भजलो भावसे श्री स्वस्तिकको, भजलो परम ये पुण्य प्रतिकको |
प्रेमसे श्री स्वस्तिकको पूजलो, परमेश्वरके शुभनामको रटलो |
....भावसे श्री स्वस्तिकको भजलो,
स्वस्तिक तो हैं प्रथम पूजनिय, स्वस्तिकतो है गणनायक |
स्वस्तिक तो है श्री महा गणेशाय, विघ्न हरता हैं वो विनायक |
....भावसे श्री स्वस्तिकको भजलो
स्वस्तिक तो है महा सुखकारी, स्वस्तिकतो है हर दुःखहारी |
स्नेहसे जो स्मरणकरें स्वस्तिकका, कष्ठ रोग सब हो जायें सारा |
....भावसे श्री स्वस्तिकको भजलो
स्वस्तिक तो है महा भग्यविधाता, स्वस्तिकतो है महा अभिलाषा |
जो कोई ध्यान धरे स्वस्तिकका, सुख शांति संपत्ति पामे भडवीरा|
....भावसे श्री स्वस्तिकको भजलो
स्वस्तिक तो है महा शुभकल्याणी, स्वस्तिकतो है महा मंगलकारी |
स्वस्तिकको भजले जो नरनारी, दूर भागे आपत्ति-विपत्ति सारी |
....भावसे श्री स्वस्तिकको भजलो
स्वस्तिक तो है महा विघ्नविनाशी, स्वस्तिकतो है महा पुण्यकारी |
जो ले मार्ग स्वस्तिकके शरणका, दुःख दरिद्र पीडा मीटे उन्हींका |
....भावसे श्री स्वस्तिकको भजलो
स्वस्तिक तो है आर्य धर्मकी धारा, स्वस्तिकतो है विश्वविधाता |
स्वस्तिक तो हैं शांति जपमाला, जपले जपले हर दिन तुं सारा |
....भावसे श्री स्वस्तिकको भजलो







....जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्

जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम् , जय जय हो जय जय स्वस्तिकम् |
जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम् , सर्वे भवन्तु सदा मंगलम् |
....जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्
तुम शक्तिका संचार हो, तुम भक्तिका भंडार हो |
तेरे शरणमें आयें जो, उनका सदा कल्याण हो |
....जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्
तुम ज्ञानकी महा गंगा हो, तुम समजके महा समुद्र हो |
तेरे चरणमें करें जो नमन, उनक सदा अहोभाग्य हो |
....जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्
तुम विघ्नोंके विनाशी हो, तुम संकटोंके निवारी हो |
तेरे नामको भजलें भी जो, उनके कष्ठोंका सर्वनाश हो |
....जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्
शुभ-लाभके तो तुम प्रतिक हो, सुख शांतिकी तुम सप्तसिन्धु हो |
तेरे प्रतिकको कोई पूजलें तो, उनके दुःखोंका हमेंशा समन हो |
....जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्
तुम रिध्धि-सिध्धिके दानी हो, तुम स्वस्थ्यके आयुर्वेद हो |
तेरे नामको ध्यानसे रटले जो, घरमें उनके सदा लक्ष्मीका वास हो |
....जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्
तुम ही तो महा श्री यंत्र हो, तुम ही तो महा ॐकार हो |
तेरे पदोंमें पुष्प चढायें जो, पायें अवश्य महा मौक्ष वो |
....जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्

जय हो जय हो जय हो

जय हो जय हो जय हो, स्वस्तिक प्रतिककी जय हो |
जय हो जय हो जय हो, आर्य धर्मकी जय हो |
आर्य धर्मके अविचल चिन्हकी, जय जय जय जय जय हो |
....जय हो जय हो जय हो
युगों युगोसे सर्वव्यापी है, स्वस्तिकका सर्वत्र हैं सन्मान ।
कई धर्मों और संस्कृतिओमें, प्रथम रहा है तुम्हारा स्थान |
....जय हो जय हो जय हो
शिव्-शंकरकी प्रचंड शक्ति हो तुम, ब्रह्माजीका हो तुम वरदान |
विष्णुदेवका विनाशक चक्र हो तुम, श्री स्वस्तिक है तेरा नाम |
....जय हो जय हो जय हो
सुर्यदेवके तिमीर तेज हो तुम, ईन्द्रदेवके हो वज्र समान |
श्रीगणेशके शुभ-लाभ स्वरुप तुम, करते हो सर्वका कल्याण |
....जय हो जय हो जय हो
महाबुध्धके शांति मंत्र तुम, महावीरके अहिंसा स्त्रोत्र समान |
अषोकी अनुकंपा हो तुम, गुरुगोबिंदकी धर्म सुरक्षा सन्मान |
....जय हो जय हो जय हो
आर्यधर्मके गौरव हो तुम, आर्यजनोंकी तुम हो प्राण |
आर्यवर्तके धर्मध्वज हो तुम, श्री स्वस्तिक तो हैं विश्व महान |
....जय हो जय हो जय हो



स्वस्तिक भजो स्वस्तिक भजो

स्वस्तिक भजो स्वस्तिक भजो, तन मनसे सब स्वस्तिक भजो |
स्वस्तिक भजो स्वस्तिक भजो, सुख शांति पाने स्वस्तिक भजो |
....स्वस्तिक भजो स्वस्तिक भजो
स्वस्तिक ही तो महा मंत्र हैं, स्वस्तिक ही तो महा यंत्र हैं |
स्वस्तिक ही तो महा योग हैं, स्वस्तिक ही तो महा ध्यान हैं |
....स्वस्तिक भजो स्वस्तिक भजो
स्वस्तिक ही तो महा यज्ञ हैं, स्वस्तिक ही तो महा पाठ हैं |
स्वस्तिक ही तो महा पुजा हैं, स्वस्तिक ही तो महा सत्य हैं |
....स्वस्तिक भजो स्वस्तिक भजो
स्वस्तिक ही तो महा सुत्र हैं, स्वस्तिक ही तो महा शुक्त हैं |
स्वस्तिक ही तो वेद ज्ञान हैं, स्वस्तिक ही तो गीता ज्ञान हैं |
....स्वस्तिक भजो स्वस्तिक भजो
स्वस्तिक ही तो महा ब्रह्म हैं, स्वस्तिक ही तो महा विष्णु हैं |
स्वस्तिक ही तो महा शीव हैं, स्वस्तिक ही तो महा देव हैं |
....स्वस्तिक भजो स्वस्तिक भजो
स्वस्तिक ही तो सरस्वती मात हैं, स्वस्तिक ही तो महालक्ष्मी हैं |
स्वस्तिक ही तो मां गौरी हैं, स्वस्तिक ही तो महा शक्ति हैं |
....स्वस्तिक भजो स्वस्तिक भजो
स्वस्तिक ही तो महा शस्त्र हैं, स्वस्तिक ही तो महा अस्त्र हैं |
स्वस्तिक ही तो खडग वज्र हैं, स्वस्तिक ही तो त्रिशुल बाण हैं |
....स्वस्तिक भजो स्वस्तिक भजो
स्वस्तिक ही तो मंगलकारी हैं, स्वस्तिक ही तो कल्याणी हैं |
स्वस्तिक ही तो सुखकारी हैं, स्वस्तिक ही तो शुभकारी हैं |
....स्वस्तिक भजो स्वस्तिक भजो
स्वस्तिक ही तो भाग्यदायी हैं, स्वस्तिक ही तो लाभदायी हैं |

स्वस्तिक ही तो करुणादायी हैं, स्वस्तिक ही तो फलदायी हैं |

....स्वस्तिक भजो स्वस्तिक भजो

स्वस्तिक ही तो वैभवका नाम हैं, स्वस्तिक ही तो आध्यत्मका धर्म हैं |

स्वस्तिक ही तो भाग्यका काम हैं, स्वस्तिक ही तो मौक्षका मार्ग हैं |

....स्वस्तिक भजो स्वस्तिक भजो

स्वस्तिक ही तो सर्वोत्तम प्रतिक हैं, स्वस्तिक ही तो सर्वशक्तिमान हैं |

स्वस्तिक ही तो सर्वसगुण हैं, स्वस्तिक ही तो सर्वमहान हैं |

....स्वस्तिक भजो स्वस्तिक भजो



भज स्वस्तिकम्

भज स्वस्तिकम् भज स्वस्तिकम् , भजले तुं प्यारे श्री स्वस्तिकम् |
भज श्री गणेशम् भज श्री गणेशम् , भजले तुं प्यारे श्री गणेशम् |
....भज स्वस्तिकम्
सुख समृध्धि शांतिको पाने, मन वांछीत सर्व फलको पाने |
धन धान्य सम्पत्तिको पाने, सन्मान सौभाग्य महापदको पाने |
....भज स्वस्तिकम्
दुख दरिद्र को दूर भगाने, आपत्ति विपत्ति को दूर हठाने |
आधि व्याधि को दूर भगाने, संकट कष्ट को मूलसे मीटाने |
....भज स्वस्तिकम्
भूत प्रेतके प्रकोपसे बचने, दुष्टोंके हर दमनसे बचने |
शत्रुओंके अभिश्रापसे बचने, सर्वनिवारण कवचको पाने |
....भज स्वस्तिकम्
मोह माया ममता को भगाने, स्नेह प्रेमको और बढाने |
संबंधी मित्रोंसे सदभाव बढाने, जिवनमें अमृत बरसाने |
....भज स्वस्तिकम्
जीवनमें आध्यात्मिकताको लाने, जीवनको पावन पवित्र बनाने |
सत चित आनंदको पाने, जीवनमें परमानन्दको लाने |
....भज स्वस्तिकम्
प्रभुके चरण शरणमें जाने, प्रभुके परम प्रेमको त्वरीत पाने |
मुक्तिके महा मार्ग पर जाने , ईस भवमें परम मोक्षको पाने |
....भज स्वस्तिकम्

जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्

जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्, सत्यम् शिवम् अती सुंदरम् ।
जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्, करते हैं शत नमन स्वस्तिकम् ।
जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्
श्री ब्रह्मा विष्णु महेशमें, तुम ही तो हो ईश्वर स्वस्तिकम् ।
हर नारी देवीके रुपमें, तुम ही तो हो शक्ति स्वस्तिकम् ।
जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्
हर वाणी लिपी और शब्दमें, तुम ही तो हो अक्षर स्वस्तिकम् ।
हर गीत लय और संगीतमें, तुम ही तो हो स्वर स्वस्तिकम् ।
जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्
हर तंत्र मंत्र और यंत्रमें, तुम ही तो हो श्रध्धा स्वस्तिकम् ।
हर भक्ति पुजा समाधीमें, तुम ही तो हो आस्था स्वस्तिकम् ।
जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्
हर लोकमें हर कालमें, तुमही तो हो सर्वत्र स्वस्तिकम् ।
हर आर्य धर्मके संस्कारोंमें, तुम ही तो हो प्रथम स्वस्तिकम् ।
जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्
हर धर्म कर्म और काममें, तुम ही तो हो कर्ता स्वस्तिकम् ।
हर वनस्पति हर जीवमें, तुम ही तो हो प्राण स्वस्तिकम् ।
जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्
हर शास्त्र वेद पुराणमें, तुम ही तो हो ज्ञान स्वस्तिकम् ।
हर धर्म संस्कृति और देशमें, तुम ही तो हो पावन स्वस्तिकम् ।
जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्
हर कष्ठ दुःख और दरिद्रमें, तुम ही तो हो सहायक स्वस्तिकम् ।
हर पल घडी हर दिनमें, तुम ही तो हो शांतिदायकम् ।
जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्

मंगलम् कर्ता स्वस्तिक

मंगलम् कर्ता स्वस्तिक, लाभम् कर्ता स्वस्तिकः ।
शुभम् कर्ता स्वस्तिक, स्वस्तिकाय नमो नमः ।

दुःखम् हर्ता स्वस्तिक, कष्टम् हर्ता स्वस्तिकः ।
संकटम् हर्ता स्वस्तिक, स्वस्तिकाय नमो नमः ।

पीडाम् हर्ता स्वस्तिक, व्याधिम् हर्ता स्वस्तिकः ।
उपाधिम् हर्ता स्वस्तिक, स्वस्तिकाय नमो नमः ।

पूष्टीम् कर्ता स्वस्तिक, पापम् हर्ता स्वस्तिकः ।
तुष्टीम् कर्ता स्वस्तिक, स्वस्तिकाय नमो नमः ।

संततिम् अर्पिता स्वस्तिक, विघ्नम् हर्ता स्वस्तिकः ।
वैभवम् कर्ता स्वस्तिक, स्वस्तिकाय नमो नमः ।

धनम् अर्पिता स्वस्तिक, धान्यम् अर्पिता स्वस्तिकः ।
सुखम् अर्पिता स्वस्तिक, स्वस्तिकाय नमो नमः ।

रिध्धिम् अर्पिता स्वस्तिक, सिध्धिम् अर्पिता स्वस्तिकः ।
विद्याम् अर्पिता स्वस्तिक, स्वस्तिकाय नमो नमः ।

कल्याणम् कर्ता स्वस्तिक, आरोग्यम् कर्ता स्वस्तिकः ।
सौभाग्यम् कर्ता स्वस्तिक, स्वस्तिकाय नमो नमः ।

शक्तिम् अर्पिता स्वस्तिक, भयम् हर्ता स्वस्तिकः ।
विजयम् कर्ता स्वस्तिक, स्वस्तिकाय नमो नमः ।

आध्यात्मिकम् कर्ता स्वस्तिक, शांतिम् कर्ता स्वस्तिकः ।
मौक्षम् अर्पिता स्वस्तिक, स्वस्तिकाय नमो नमः ।

जय जय जय बोलो स्वस्तिकायम्

ॐ नमो आर्यधर्मायम्, ॐ नमो आर्यदेवायम् ।
ॐ नमो अर्यग्रंथायम्, ॐ नमो श्री स्वस्तिकायम् ।
ॐ नमो अर्यप्रतिकायम्, ॐ नमो श्री गणेशायम् ।

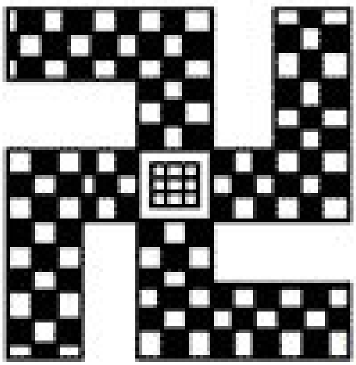
जय जय बोलो स्वस्तिकायम्, हर हर बोलो चतुर्भुजायम् ।
जय जय बोलो चमत्कारी रूपायम्, हर हर बोलो रक्तवर्णाययम् ।
ॐ नमो त्रीदेवायम्, ॐ नमो चतुर्वेदायम् ।
ॐ नमो श्रीकृष्णायम्, ॐ नमो श्री गीतायम् ।
जय जय बोलो स्वस्तिकायम्, हर हर बोलो चतुर्भुजायम् ।
ॐ नमो जरथोष्ट्रीधर्मायम्, ॐ नमो अहूरमझदायम् ।
ॐ नमो अषोजरथुष्ट्रायम्, ॐ नमो श्री अवेस्तायम् ।
जय जय बोलो स्वस्तिकायम्, हर हर बोलो चतुर्भुजायम् ।
ॐ नमो अरिहंताणम्, ॐ नमो जैनध र्मायम् ।
ॐ नमो महावीरदेवायम्, ॐ नमो अगमसुत्रायम् ।
जय जय बोलो स्वस्तिकायम्, हर हर बोलो चतुर्भुजायम् ।
ॐ नमो बोधिसत्वायम्, ॐ नमो अनुकम्पायम् ।
ॐ नमो बुध्धदेवायम्, ॐ नमो धम्मपादायम ।
जय जय बोलो स्वस्तिकायम्, हर हर बोलो चतुर्भुजायम् ।
ॐ नमो श्री शीखधर्मायम्, ॐ नमो श्री गुरुनानकायम् ।
ॐ नमो दशगुरुदेवायम्, ॐ नमो श्री गुरुग्रन्थायम् ।
जय जय बोलो स्वस्तिकायम्, हर हर बोलो चतुर्भुजायम् ।
जय बोलो श्री जरथोष्ट्रीधर्मायम्, जय बोलो श्री जैनधर्मायम्, ।
जय बोलो श्री बौधधर्मायम्, जय बोलो श्री शीखधर्मायम् ।
जय जय बोलो स्वस्तिकायम्, हर हर बोलो चतुर्भुजायम् ।
जय बोलो सर्व आर्यधर्मायम्, जय बोलो श्री सनातनधर्मायम् ।
जय बोलो महा विश्वधर्मायम्, जय बोलो श्री वेदिकधर्मायम् ।
जय जय बोलो स्वस्तिकायम्, हर हर बोलो चतुर्भुजायम् ।

स्वस्तिक परम परमेश्वर रुप है....

स्वस्तिक परम परमेश्वर रुप है, स्वस्तिक परम परमेश्वरी रुप हैं |
अती पावन पवित्र ये स्वरुप है, अती अदभुत ये प्रथम प्रतिक हैं |
....स्वस्तिक परम परमेश्वर रुप है
परम शुभ प्रतिक स्वस्तिक हैं, परम लाभ प्रतिक स्वस्तिक है |
परम मंगल प्रतिक स्वस्तिक हैं, परम कल्याणी प्रतिक स्वस्तिक हैं |
....स्वस्तिक परम परमेश्वर रुप है
परम रिध्धि प्रतिक स्वस्तिक हैं, परम सिध्धि प्रतिक स्वस्तिक हैं |
परम किर्ती प्रतिक स्वस्तिक हैं, परम विजय प्रतिक स्वस्तिक हैं |
....स्वस्तिक परम परमेश्वर रुप है
परम शक्ति प्रतिक स्वस्तिक हैं, परम भक्ति प्रतिक स्वस्तिक हैं |
परम मुक्ति प्रतिक स्वस्तिक हैं, परम मौक्ष प्रतिक स्वस्तिक हैं |
.... स्वस्तिक परम परमेश्वर रुप है
परम आनंद प्रतिक स्वस्तिक हैं, परम सुख प्रतिक स्वस्तिक हैं |
परम प्रेम प्रतिक स्वस्तिक हैं, परम शांति प्रतिक स्वस्तिक हैं |
....स्वस्तिक परम परमेश्वर रुप है
परम आर्य प्रतिक स्वस्तिक हैं, परम धर्म प्रतिक स्वस्तिक हैं |
परम कर्म प्रतिक स्वस्तिक हैं, परम मानव प्रतिक स्वस्तिक हैं |
....स्वस्तिक परम परमेश्वर रुप है
परम योग प्रतिक स्वस्तिक हैं, परम तप प्रतिक स्वस्तिक हैं |
परम ध्यान प्रतिक स्वस्तिक हैं, परम ज्ञान प्रतिक स्वस्तिक हैं |
....स्वस्तिक परम परमेश्वर रुप है
परम सत्य प्रतिक स्वस्तिक हैं, परम दिव्य प्रतिक स्वस्तिक हैं |
परम भौतिक प्रतिक स्वस्तिक हैं, परमाध्यत्मिक प्रतिक स्वस्तिक हैं |
....स्वस्तिक परम परमेश्वर रुप है

स्वस्तिक भजो स्वस्तिक स्मरो....

स्वस्तिक भजो स्वस्तिक स्मरो, स्वस्तिक रटो स्वस्तिक जपो |
स्वस्तिक पुजो स्वस्तिक वंदो, हरि ॐ श्री स्वस्तिक नमो नमो |
....स्वस्तिक भजो स्वस्तिक
तुम ज्ञानका महाकोष हो, श्री सरस्वतीका विद्यादान तुम |
तुम वैभवोंका महाभंडार हो, श्री महालक्ष्मीका धनदान तुम |
....स्वस्तिक भजो स्वस्तिक
तुम शक्तिका महासंचार हो, श्री मां पार्वतीका वरदान तुम |
तुम मातृशक्तिका प्रमाण हो, श्री देवीओंका स्वरुप तुम |
....स्वस्तिक भजो स्वस्तिक
तुम ब्रह्मांडके महाब्रह्म हो, परमब्रह्माके शुभाशिष तुम |
तुम वैकुंठके महाविष्णु हो, श्री विष्णुके वरदान तुम |
....स्वस्तिक भजो स्वस्तिक
तुम शीवलोकके महादेव हो, श्री शंकरके आ्शिर्वाद तुम |
तुम शुभलाभके श्री गणेश हो, सर्व देवदेवीके स्वरुप तुम |
....स्वस्तिक भजो स्वस्तिक
तुम ही तो मेरे जन्मदाता हो, बन्धु सखा और संबंधी तुम |
तुम ही तो मेरे अंतर्यामी हो, सर्वस्व ही तो मेरे हो तुम |
....स्वस्तिक भजो स्वस्तिक



जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्

जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्, जय जय जय हो स्वस्तिकम् |
जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्, जय जय जय हो स्वस्तिकम् |
....जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्
आदी अनादी कालसे, प्रचलित प्रतिक तेरा नाम हैं |
हर संस्कृतिमें तेरा सन्मान हैं, तेरा विश्वव्यापी नाम हैं |
....जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्
जापानमें तुझे मांजी कहे, चीनमें वांग तेरा नाम हैं |
ब्रिटनमें तुझे फायलफोट कहे, जर्मनीमें हकेनकृएझ तेरा नाम हैं |
....जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्
ग्रीसमें तुझे गेम्माडीयोन कहे, आईसलेंडमें हाकाक्रोस तेरा नाम हैं |
लेटीनमें तुझे कृक्षगम्माटा कहे, स्विडनमें हक्कोर तेरा नाम हैं |
....जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्
फिनलेंडमें तुझे हकारीस्ती कहे, नोर्वेमें हकेकोर्स तेरा नाम हैं |
ईटलीमें तुझे क्रोसे उन्सिनाटा कहे,रुमानियामें कृईस इन्कार्लिगाटा तेरा नाम हैं|
....जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्
लत्वीयामें तुझे पर्कोंकृस्ट्स कहे, डेन्मार्कमें हेकेनक्रुइक्स तेरा नाम हैं |
तीबेटमें तुझे युंगड्रंग कहे, केल्टीक्में ब्रिजीट्स क्रोस तेरा नाम हैं |
....जय स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्

[MANJI], [WANG], [FYLFOT], [HAKENKRUEZ], [GAMMADION] , [HAKAKROSS], [KRUXGAMMATA], [HAKKOR], [HAKARISTI], [HAKEKORS], [CROSE UNCINATA], [CRUCE INCARLIGATA], [PERKONKRUSTS], [HEKENKRUIX], [YUNG DRUNG], [BRIGIT'S CROSS]

भजले भजले भजले मनवा तुं

भजले भजले भजले मनवा तुं, भजले रे स्वस्तिक नाम |
भजले भजले भजले मनवा तुं, करनेको आत्मकल्याण |
भजले भजले भजले मनवा तुं
दुःख दरिद्रको जिवनसे भगानें, आपत्ती विपत्तीको मूलसे हठानें |
दर्द संकटको दूर भगानें, कष्टआधि-व्याधिको निर्मूलसे हठानें |
भजले भजले भजले मनवा तुं
धन विद्या और ज्ञानको पाने, मान सन्मान महापदको पाने |
किर्ती प्रशंसा अगत्यताको पानें, जगमें पुरे बहुनाम कमानें,
भजले भजले भजले मनवा तुं
सुख शांति संततीको पानें, भोग विलास वैभवको पानें |
रिध्धि सिध्धि वृध्धिको पानें, तन मनको सुस्वस्थ बनानें |
भजले भजले भजले मनवा तुं
आध्यत्मक ये जिवनको बनानें, प्रभुके परम शरणमें जाने |
योग ज्ञान भक्तिसे प्रभुको पानें, अंतमें मुक्ति धामको जानें |
भजले भजले भजले मनवा तुं

स्वस्तिक श्लोक

नमः ब्रह्मा रुपाय, विष्णु रुपाय नमो नमः |
नमः महेश रुपाय, सर्वेदेवो नमो स्तुते |
नमः सरस्वती रुपाय, लक्ष्मी रुपाय नमो नमः |
नमः पार्वती रुपाय, सर्वेदेवी नमो नमः |
नमः स्वस्तिक प्रतिकाय, परमेश्वर रुपाय नमो नमः |
नमः श्री शक्ति रुपाय, स्वस्तिक चिन्हाय नमो नमः |

वर दो वर दो वर दो हे स्वस्तिक

वर दो वर दो वर दो हे स्वस्तिक, हमको शुभ मंगल वर दो |
भर दो भर दो भर दो हे स्वस्तिक, हमारी खाली झोली भर दो |
वर दो वर दो वर दो हे स्वस्तिक
कष्ट हरो दर्द दूर करो तुम, विघ्नोंका विनाश करो तुम |
विपत्ती आपत्तीको मूलसे मिटाके, हर संकट को हर लो |
वर दो वर दो वर दो हे स्वस्तिक
दुःख दरिद्रको दूर करो तुम, हर बंधनसे मुक्त करो तुम |
धन सम्पत्ती सुख शांति देके, हमें धन्य धन्य कर दो|
वर दो वर दो वर दो हे स्वस्तिक
विषय विकारको नष्ट करो तुम, दुर्विचार से दूर रखो तुम |
आधिव्याधिको तनमनसे मिटाके, सुस्वस्थ हमें कर दो |
वर दो वर दो वर दो हे स्वस्तिक
मोह मायासे मुक्त करो तुम, छल कपटसे विरक्त करो तुम |
लोभ लालच लंपटतासे बचाकें, हमें शुध्ध पावन करदो |
वर दो वर दो वर दो हे स्वस्तिक
पाप प्रपंचसे हमें मुक्त करो तुम, हिंसा असत्यसे हमें दूर रखो तुम |
कुकर्मोंसे सदा हमें बचाके, हमें पावन पवित्र कर दो |
वर दो वर दो वर दो हे स्वस्तिक
क्रोध तिरस्कारका शमन करो तुम, भोग विलाशसे हमें मुक्त करो तुम |
आध्यत्मिकताका मार्ग दिखाके, सर्व शुभम् मंगलम् कर दो |
वर दो वर दो वर दो हे स्वस्तिक

मंगलम् श्री मंगलम्

मंगलम् श्री मंगलम् , सर्वे भवन्तु श्री मंगलम्।
स्वस्तिकम् श्री स्वस्तिकम् , सर्वे कृतवन्तु श्री मंगलम् ।
मंगलम् श्री मंगलम्
दुःखम् हरोती सर्वे जनाम् , विघ्नम् हरोती हर दिनम् ।
शांतम् करोती सर्वे जीवम् , कल्याणम् करोती हर पलम् ।
मंगलम् श्री मंगलम्
पापम् हरोती सर्वे पापीनाम् , मुक्तिम् प्रदामी हर बंधीताम् ।
शांतम् करोती सर्वे जीवम् , शुभम् करोती हर कार्यकम् ।
मंगलम् श्री मंगलम्
सुखम् करोती साधुनाम् , संकटम् निवारयती सद्जनम् ।
दरिद्रम् हरती साधकम् , भयम् निवारयती भक्तभाविकम् ।
मंगलम् श्री मंगलम्
मुकंम् करोती वाचालम् , पंगुम् लंघ यते गीरीम् ।
ध्यानम धरती जो जनम्, प्राप्यतम् आरोग्य ऐश्वर्यम् ।
मंगलम् श्री मंगलम्
शक्तिम् प्रदानती निर्बलम् , शौर्यम् समर्पितती वीरजनम् ।
रक्षणं करोती साधुनाम् , विनाशम् करोती सर्वे दुर्जनाम् ।
मंगलम् श्री मंगलम्
श्री स्वस्तिकम् शुभ आशिषम् , लाभम् भवन्तु सर्वेजनाम् ।
परमानंदम् प्राप्यते सर्वे जनाम् , मौक्षम् प्राप्यते सर्वे जीवम् ।
मंगलम् श्री मंगलम्

स्वस्तिक नमन

स्वस्तिक नमन स्वस्तिक नमन, महाशक्ति स्वरुपको शत शत नमन |
श्री शक्ति नमन श्री शक्ति नमन, मां आराध्य शक्तिको शत शत नमन |
स्वस्तिक नमन स्वस्तिक नमन
तुम पार्वतीका प्रेम हो, तुम कालीकाका क्रोध हो |
तुम गौरीके गुणगान हो, तुम अम्बीकाके अंग हो |
स्वस्तिक नमन स्वस्तिक नमन
तुम लक्ष्मीका वैभव जो हो, तुम वैष्णवीका वरदान हो |
तुम धनधान्यका भंडार हो, तुम अष्टलक्ष्मीका रुप हो |
स्वस्तिक नमन स्वस्तिक नमन
तुम सरस्वतीका महाज्ञान हो, तुम शरदाकी शुभ वाणी हो |
तुम वेदोंका महामंत्र हो, तुम ब्रह्माणीका स्वरुप हो |
स्वस्तिक नमन स्वस्तिक नमन
तुम विश्वकी जगजननी हो, तुम सृष्टीके सर्जनहार हो |
तुम शक्तिके महाशस्त्र हो, तुम भक्तिके महाभाव हो |
स्वस्तिक नमन स्वस्तिक नमन
तुम ही तो दुर्गा भवानी हो, तुम ही तो रिध्धि सिध्धि हो |
तुम ही तो चमुंडा देवी हो, तुम ही तो महाभद्रकालि हो |
स्वस्तिक नमन स्वस्तिक नमन
तुम तंत्र मंत्र और यंत्र हो, तुम ही तो हो अर्धनारेश्वरी |
तुम ही तो गायत्री मात हो, तुम ही तो हो मां भुवनेश्वरी |
स्वस्तिक नमन स्वस्तिक नमन
तुम ही तो दश महाविद्या हो, तुम ही तो हो त्रीपुरासुंदरी |
तुम ही तो पंद्रह नित्या हो, तुम ही तो हो चौशठ योगीनी |
स्वस्तिक नमन स्वस्तिक नमन
तुम ही तो नवदुर्गा मात हो, तुम सप्तमातृकाका स्वरुप हो |
तुम ही तो सर्वशक्तिमान हो, तुम ही तो स्वस्तिक स्वरुप हो |...स्वस्तिक

ले ले ले ले ले ले रे सत्संगी तुं

ले ले ले ले ले ले रे सत्संगी तुं, ले ले रे श्री स्वस्तिक नाम ।
ले ले ले ले ले ले रे सद् भागी तुं, ले ले रे शुभ स्वस्तिक नाम ।
ले ले ले ले ले ले रे सत्संगी तुं
स्वस्तिक नाम हैं आर्य धर्मोंका, स्वस्तिक नाम हैं वेद गीताका ।
हर हर महादेवकी गर्जना करके, ले ले तुं शुभ स्वस्तिक नाम ।
ले ले ले ले ले ले रे सत्संगी तुं
स्वस्तिक नाम हैं श्री अषोजरथुष्ट्रका, स्वस्तिक नाम हैं अवेस्ता गाथाका ।
अहूर मझदा जय जय हो करके, ले ले तुं शुभ स्वस्तिक नाम ।
ले ले ले ले ले ले रे सत्संगी तुं
स्वस्तिक नाम हैं श्री महावीरजीका, स्वस्तिक नाम है जैनसुत्रोंका ।
ॐ नमो अरिहंताणम् मंत्र उच्चारते, ले ले तुं मंगल स्वस्तिक नाम ।
ले ले ले ले ले ले रे सत्संगी तुं
स्वस्तिक नाम हैं श्री महाबुध्धका, स्वस्तिक नाम हैं धम्मपादका ।
धम्मं शरणं गच्छामी बोलके, ले ले तुं शुभ स्वस्तिक नाम ।
ले ले ले ले ले ले रे सत्संगी तुं
स्वस्तिक नाम हैं श्री वाहे गुरुजीका, स्वस्तिक नाम है गुरुग्रंथसाहिबका ।
सत् श्री अकालकी गुंज लगाके, ले ले तुं शुभ स्वस्तिक नाम ।
ले ले ले ले ले ले रे सत्संगी तुं
स्वस्तिक नाम हैं श्री आदी शंकरका, स्वस्तिक नाम है महा भाष्योंका ।
शीवो अहम् के महामंत्रको रटके, ले ले तुं शुभ स्वस्तिक नाम ।
ले ले ले ले ले ले रे सत्संगी तुं
स्वस्तिक प्रतिक हैं आर्यसंस्कृतीका, स्वस्तिक चिन्ह हैं आर्य संप्रदायोंका ।
आर्यधर्मोंमें एकता मिलनको लाके, भजले तुं शुभ स्वस्तिक नाम ।
ले ले ले ले ले ले रे सत्संगी तुं

सत्यम् शीवम् अति सुंदरम्

सत्यम् शीवम् अति सुंदरम् , जय जय हो जय जय जय स्वस्तिकम् |
कृण्वंतो आर्यम् विश्वकम् , जय जय हो जय जय जय स्वस्तिकम्, |
....सत्यम् शीवम् सुंदरम्
सर्वे भवंतु मंगलम्, सर्वे भवंतु शुभम् |
सर्वे भवंतु कल्याणम्, सर्वे भवंतु सुखीम् |
....सत्यम् शीवम्, सुंदरम्
सर्वे भवंतु पावनम्, सर्वे भवंतु पवित्रम् |
सर्वे भवंतु शुद्धोदकम्, सर्वे भवंतु पुण्यदायकम् |
....सत्यम् शीवम् सुंदरम्
सर्वे भवंतु संतुष्टम् , सर्वे भवंतु शांतम् |
सर्वे भवंतु ऐक्यम्,, सर्वे भवंतु समानम् |
....सत्यम् शीवम् सुंदरम्
सर्वे भवंतु आरोग्यम्, सर्वे भवंतु ऐश्वर्यम् |
सर्वे भवंतु वैभवम्, सर्वे भवंतु निरमयाम् |
....सत्यम् शीवम् सुंदरम्
सर्वे भवंतु सदभावम्, सर्वे भवंतु सदगुणम् |
सर्वे भवंतु सदाचारीम् , सर्वे भवंतु सदव्यवहारम् |
....सत्यम् शीवम् सुंदरम्
सर्वे भवंतु सहभागीम्, सर्वे भवंतु सहयोगीनम् |
सर्वे भवंतु सहचारीणम् , सर्वे भवंतु सहकर्मणीम् |
....सत्यम् शीवम् सुंदरम्
सर्वे करोती उज्वलम्, सर्वे करोती अदभूतम् |
सर्वे करोती अलौकिकम्, सर्वे करोती शुशोभितम् |
....सत्यम् शीवम् सुंदरम्
स्वस्तिकम् जय स्वस्तिकम्, सर्वम् करोती स्वस्ति कम् |
जय जय हो जय जय स्वस्तिकम्, सर्वे भवन्तु सुखीनाम् ....सत्यम् शीवम्

Swastika Symbol

Symbol symbol symbol. Swastika is the greatest symbol.
Symbol symbol symbol. Swastika is the universal symbol.
You are the saviour. you are the protector.
You are the Mightiest of all. …..symbol
You are the oldest. You are an ancient.
You are world's number one symbol. .….Symbol
You are a beautiful. You are an adorable.
You are the most loving symbol. .….Symbol
You are a darling. You are a charming.
You are the most magnificent symbol. .….Symbol
You are a good luck. You are an auspicious.
You are the most humble symbol. .….Symbol
You are compassionate. You are humane.
You are the kindest of all symbol. .….Symbol
You are sympathetic. You are merciful.
You are the most caring of all. .….Symbol
You are amazing. You are wonderful.
You are the most miraculous symbol. …..symbol
You are pious. You are holy.
You are the most divine symbol. …..symbol



Sign Sign Sign

Sign Sign Sign. Swastika is the greatest sign.
Sign Sign Sign. Swastika is a wonderful sign.
You are a lucky charm. You never do any harm.
You are a wellbeing sign. ….. Sign Sign Sign.
You are a sacred. You are a divine.
You are the most holy sign. ….. Sign Sign Sign.
You are a loving. You are a caring.
You are not a hatred sign. ….. Sign Sign Sign.
You are wonderful. You are considerate.
You are not a horrible sign. ….. Sign Sign Sign.
You are very kind. You are merciful.
You are not a murderous sign. ….. Sign Sign Sign.
You are a friendly. You are a compassionate.
You are not a racist sign.
You are a religious sign. You are revered sign.
You are not at all Nazi sign. …... Sign Sign Sign.
You are transcendental. You are a mystique.
You are the all mighty sign. ….. Sign Sign Sign.



Mine Mine Mine

Mine Mine Mine. Swastika symbol is mine.
Mine Mine Mine. Swastika is a lovely sign.
It is a good luck sign. It is a wellbeing sign.
It is all auspicious sign. ……. Mine Mine Mine
It is a compassion sign. It is an emotional sign.
It is not a hateful sign. ……. Mine Mine Mine
It is a friendly sign. It is a kind sign.
It is not at all racist sign. ……. Mine Mine Mine
It is a humble sign. It is a humane sign.
It is a peaceful sign. ……. Mine Mine Mine
It is a blissful sign. It is a blessing sign.
It is a transcendental sign. ……. Mine Mine Mine
It is a sacred sign. It is a divine sign.
It is all Godly sign. ……. Mine Mine Mine
Don't you ever hate it. Don't you ever curse it.
Don't you ever abuse this sign. ……. Mine Mine Mine



Divine Divine Divine

Divine Divine Divine, Swastika is mine,
Never you hate him, never you blame him.
Swastika is a Good Luck Sign.
.............Divine Divine Divine, Swastika is mine.
Swastika is charming, Swastika is a beautiful.
Swastika is only universal sign.
.............Divine Divine Divine, Swastika is mine.
Swastika is lovely, Swastika is adorable.
Swastika is a gentle sign.
.............Divine Divine Divine, Swastika is mine.
Swastika is calm, Swastika is compassionate,
Swastika is a peaceful sign.
.............Divine Divine Divine, Swastika is mine.
Swastika is respectful, Swastika is feelingful,
Swastika is the cool sign.
.............Divine Divine Divine, Swastika is mine.
Swastika is holy sign, Swastika is divine sign,
Swastika is an auspicious sign.
.............Divine Divine Divine, Swastika is mine.
Swastika is sacred, Swastika is holy,
Swastika is a spiritual sign.
.............Divine Divine Divine, Swastika is mine.
Swastika is all powerful, Swastika is all wonderful,
Swastika is almighty sign.
.............Divine Divine Divine, Swastika is mine.
Swastika is the Goddess, Swastika is the God,
Swastika is the Supreme Lord’s sign.
.............Divine Divine Divine, Swastika is mine.



I am a gentle Swastika

I am a gentle Swastika, I haven't done anything wrong.
Whatever sins Hitler did in war, I have nothing to do with them at all.
I am a gentle Swastika
I am a symbol of love and life, I have no distinction of Black and White.
I am a symbol of Peace and Progress. I never preach any racial hatred.
I am a gentle Swastika
I am a symbol of Good Luck and Light, I have the wellbeing of all at my sight.
I am so Friendley and very Kind, The Magnificent sign like me you'll never find.
I am a gentle Swastika
I am Divine and Sacred sign, I am on the Temples and in the Churches.
I am in the Mosques and in the Sinagogues, I am on the Pagoda and in the Caves.
I am a gentle Swastika
I am Auspicious and Holy Emblem, All the cultures Respect me Very Well.
All the humans worship me as God, I am the Pretty and Lovely for them all
I am a gentle Swastika
I have no limit of East and West, I have no restriction of North and South.
I have no boundries in the Whole World, I am the only Shining Sun of This World.
I am a gentle Swastika
I am the only Universal symbol of the World, All the religions Revered me Very Well,
I was I am and I will be there for Peace, Bestowing the Blessings to all Mankind.
I am a gentle Swastika



Swastika is the symbol of

Swastika is the symbol of good and well,
Whoever hates Him will go to Hell.
…..Swastika is the symbol
Swastika is the bestower of Health and wealth,
Whoever worships Him will never go to Hell.
…..Swastika is the symbol
Swastika is the symbol of Love and God,
Whoever respects Him will get them all.
…..Swastika is the symbol
Swastika is the symbol of compassion and peace,
Whoever prays Him will become so sweet.
…..Swastika is the symbol
Swastika is the symbol of Holiness and Bliss,
Whoever comes to Him will become divine..
…Swastika is the symbol
Swastika is the symbol of Sacredness and Purity,
Whoever meditates on Him will get Heaven's Rich.
…..Swastika is the symbol
Swastika is the symbol of Life and Light,
Whoever reveres Him will become very Bright.
…..Swastika is the symbol
Swastika is the symbol of Good Luck and Wellbeing,
Whoever adores Him will get His Blessings.
…..Swastika is the symbol
Swastika is the symbol of Prosperity and Power,
Whoever submits to Him will become very Strong.
…..Swastika is the symbol
Swastika is the symbol of all Human Race,
Swastika would never ever discriminate.
…..Swastika is the symbol
Swastika is the symbol of Protection and Perfection,
Whoever takes refuge under Him will be saved.
…..Swastika is the symbol
Whoever abuses Swastika commits a Big Sin,
Those will be punished by very cruel means.
…..Swastika is the symbol

Swastika is all Mine.

Mine.. Mine.. Mine.. Mine… Swastika is all Mine.
I do Love Him I do adore Him. Swastika is all Mine.

It is my darling. It's all inspiring.
It's a Lovely Sign. Mine…

It's a sacred. It is divine.
It's a very very holy Sign. Mine….

It's an auspicious. It is religious.
It's a Godly Sign.   Mine….

It's all compassionate. It is so kind.
It's a welfare Sign. Mine….

It's a humble. It's all caring.
It's a Peaceful Sign. Mine….

It's a good luck. It's all well wishing,
It's the wonderful Sign. Mine…

It's a magical. It's a destiny,
It's the wellbeing Sign. Mine…

It's all mystic. It's all transcedent.
It's the blissful Sign. Mine…

It's almighty. It's all powerful.
It's the Saviour Sign. Mine….

Don't you hate Him. Don't you curse Him.
Don't you ever blame this Sign. Mine…
Remember It's an ancient Sign.
Remember It's an universal Sign.
Remember It's a friendly Sign.
Remember It's the Greatest Sign.   Mine….

Swastika Song

I am singing a Swastika song.[3]
Don’t be hateful. Don’t be horrified.
Just listen to what I sing. ……. I am

Swastika isn’t a Barbaric sign.
Swastika is neither a Wicked sign.
It’s very Holy and a Sacred sign. ……. I am

Swastika isn’t a Brutal sign.
Swastika is neither an Evil sign.
It’s an Auspicious and divine sign. ……. I am

Swastika isn’t a hateful sign.
Swastika is neither a racist sign.
It’s a friendly and lovely sign. ……. I am

Swastika isn’t a Destructive sign.
Swastika is neither a murderous sign.
It’s a godly and a Blissful sign. ……. I am

Swastika is a Good Luck sign.
Swastika is a wellbeing sign.
It’s welfare and a humane sign. ……. I am

Swastika is a gentle sign.
Swastika is a humle sign.
It’s all compassionate and kind sign. ….. I am

Swastika is a Good Health sign.
Swastika is a sympathetic sign.
It’s all Powerful and Peaceful sign.

I am singing a Swastika song.[3]

SWASTIKA

Swastika is an ancient ARYA SYMBOL which means it's the noblest people's Symbol.
Swastika is not originally a Nazi Symbol. Swastika is an ancient Vedic Arya Symbol.
Swastika had nothing to do with Nazi Clan. It had nothing to with Adolf Hitler's men.
Swastika had nothing to do with the holocaust. Don't you blame innocent Swastika for the holocaust.
Swastika means wellbeing for all human's race. Swastika also means good fortune for them.
Swastika means sacred and all auspiciousness. Swastika means all good and well.
Swastika is the symbol of Wellbeing and Good Luck. Swastika is a symbol of love and life.
Swastika is gentle and kind symbol. Swastika is friendly and nice symbol.
Swastika is caring and compassionate symbol. Swastika is sympathetic and caring symbol.
Swastika is not a horrific and cruel symbol. Swastika has never been a barbaric symbol.
Swastika is not a wicked and a terror symbol. Swastika has never been inhumane symbol.
Swastika is not racist and anti-semetic symbol. Swastika has always been an equality symbol.
Swastika is not destructive in any way. Swastika has been constructive in every way.
Swastika is a symbol of universalism and peace. Swastika is the symbol of prosperity and pride.
Swastika is pious and sacred sign. Swastika is holy and divine sign.
Swastika is allways a freedom sign. Swastika was never an oppressive sign.
Swastika is symbol of positive divine power. Swastika is the symbol of celestial mind.
SWASTIKA is a Super Natural symbol. Swastika is the symbol of all mighty God.
To hate and blame such Swastika is a big shame. Swastika is a wonderful lovely name.
Respect and revere this glorifying name. Don't be a hypocrite and stop the blame game.



श्री हेमंतकुमार ग. पाध्या.

USHA PRAKASHAN

" SWASTIKA "

SacredSwastika@aol.com







Pothi

स्वस्तिक

SWASTIKA

स्वस्तिक